@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 8 सितंम्बर 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 305 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कश्मीर के बाद अब उत्तराखंड में बर्फबारी

•यूपी के बरेली में फायर स्टेशन में पानी भरा

एजेंसी

नई दिल्ली। कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी के बाद अब उत्तराखंड के पिथौरागढ़ की पंचाचूली, हरदेवल, नंदा देवी और नंदा कोट के साथ चमोली में बद्रीनाथ-हेमकुंड की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हुई है। बारिश और बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड बढ़ गई है। वहीं, यूपी में मानसूनी बारिश का दौर लगातार जारी है। बरेली में दोपहर से रुक-रुककर हो रही बारिश के चलते फायर स्टेशन में 3 फीट तक पानी भर गया। घरों के किचन और बेडरूम तक घुटनों तक पानी पहुंच गया।

पश्चिम बंगाल में 9 सितंबर तक भारी बारिश

पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में 9 सितंबर तक भारी बारिश

और गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, इसकी वजह सक्रिय मानसून और उत्तर प्रदेश से पूर्व की ओर बढ़ रहा कम दबाव का क्षेत्र है। भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के ज्यादातर हिस्सों में गरज-चमक के साथ 40 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। यूपी के 58 जिलों में आज सोमवार को बारिश का अलर्ट है। इनमें 6 जिलों में बहुत भारी तो 13 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के 54 जिलों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा 90 मिमी बारिश बिजनौर में दर्ज की गई।

बिहार में बाढ़ से हाहाकार, 12 जिलों में 22 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित; गंगा ने तोड़ा रिकॉर्ड

पटना। बिहार में गंगा समेत कई प्रमुख नदियों के उफान से बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राज्य के 12 जिलों के 22.42 लाख से अधिक लोग प्रभावित बताए जा रहे हैं। पटना में गंगा का जलस्तर उच्चतम बाढ़ स्तर को पार कर गया है, जबकि केंद्रीय जल आयोग ने कई इलाकों में अत्यधिक बाढ़ की चेतावनी जारी की है। बिहार में लगातार बढ़ते जलस्तर ने कई जिलों में लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पटना, सारण, भागलपुर, मुंगेर, खगड़िया और कटिहार समेत कई क्षेत्रों में गांव और निचले इलाके जलमग्न हैं। राज्य के 12 जिलों के 70 प्रखंडों और 368 पंचायतों की करीब 22.42 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है।

जितेंद्र मिश्रा के नाम पर फर्जी वीडियो वायरल

सीजेपी कांग्रेस से जुड़े अकाउंट्स पर उठे सवाल; पाकिस्तानी हैंडल से शुरू हुआ मामला

एजेंसी

नई दिल्ली। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीईओ और पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा के नाम पर सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल किया जा रहा है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति कथित तौर पर नशे की हालत में पार्टी करता नजर आ रहा है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के मुताबिक वीडियो में दिखाई देने वाला व्यक्ति जितेंद्र मिश्रा नहीं है। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर इसे उनके नाम से शेयर किए जाने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर सामने आई जानकारी के अनुसार, यह वीडियो सबसे पहले 3 सितंबर को पाकिस्तान के एक फेसबुक पेज से शेयर किया गया था।

इसके बाद 6 सितंबर को कांग्रेस मीडिया कोऑर्डिनेटर रश्मि के अकाउंट से कथित तौर पर वीडियो डाउनलोड कर एक्स पर पोस्ट किया गया। इसके बाद CJP समर्थक एक अन्य हैंडल ने भी इसे शेयर किया। मामला उस समय ज्यादा चर्चा में आ गया, जब CJP संस्थापक अभिजीत दीपके ने भी वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट से साझा किया। उन्होंने पोस्ट में व्यक्ति की निजी जिंदगी को उसका व्यक्तिगत मामला बताते हुए धार्मिक और राजनीतिक मुद्दों पर सवाल उठाने की कोशिश की।

वीडियो की सत्यता पर सवाल उठने के बाद अभिजीत दीपके भी विवाद के केंद्र में आ गए। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि अब उन्हें जानकारी मिली है कि वीडियो में नजर आ रहा व्यक्ति जितेंद्र मिश्रा नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति की निजी जिंदगी पर टिप्पणी करना नहीं, बल्कि कथित दोहरे मापदंड यानी 'हिपोक्रेसी' को सामने रखना था। उनकी सफाई के बाद भी यह सवाल उठ रहा है कि वीडियो की वास्तविक पहचान और सत्यता की पुष्टि किए बिना इसे सोशल मीडिया पर क्यों साझा किया गया। खास तौर पर तब, जब इसकी शुरुआती पोस्ट के पाकिस्तान से जुड़े होने का दावा किया जा रहा है।

सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसाः आरोपी पीजी संचालक पत्नी और बेटे के साथ गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन हादसे में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पीजी संचालक हरिराम गुप्ता, उनकी पत्नी उर्मिला गुप्ता और बेटे महेश गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे में सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 अन्य घायल हुए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि शुरुआती जानकारी के विपरीत केवल कागजी मालिकाना हक ही नहीं, बल्कि पीजी के संचालन में भी परिवार की सक्रिय भूमिका थी। हरिराम गुप्ता और उनके बेटे महेश गुप्ता द्वारा पीजी का संचालन किया जाता था। वहीं, भवन के दस्तावेजों में मालिक के तौर पर उर्मिला गुप्ता का नाम दर्ज है। जांच अधिकारियों के मुताबिक हादसे के बाद तीनों आरोपी गुरुग्राम स्थित अपने घर से फरार हो गए थे।

हादसे के बाद एमसीडी के 5 अधिकारी सस्पेंड

इस मामले में प्रशासनिक स्तर पर भी बड़ा एक्शन हुआ है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली नगर निगम के साउथ जोन के डिप्टी कमिश्नर समेत पांच अधिकारियों को निलंबित किया गया है। इनमें डिप्टी कमिश्नर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर शामिल हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को घटनास्थल का दौरा कर बचाव कार्यों का जायजा लिया। दिल्ली के मंत्री सतीश खुराना ने कहा कि सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने अधिकारियों को पीजी के तौर पर इस्तेमाल हो रही इमारतों और बिना मंजूरी के अतिरिक्त मंजिल बनाए जाने जैसी संभावित अनियमितताओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला- हॉस्टल हादसे के लिए नगर निगम जिम्मेदारः सरकार भी जवाबदेही से नहीं बच सकती

नई दिल्ली। दिल्ली हॉस्टल मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- हादसे के लिए दिल्ली नगर निगम और दिल्ली यूनिवर्सिटी दोनों जिम्मेदार हैं। कोर्ट ने कहा कि बाहर से पढ़ने आने वाले छात्रों के हॉस्टलों की हालत बेहद दयनीय और खराब है। सरकार जिम्मेदारी से नहीं बच सकती है। अदालत ने एमसीडी (MCD), दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, एनएचआरसी (NHRC) और दिल्ली विश्वविद्यालय को 10 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

राहुल बोले- कुछ छोटे अफसरों पर जिम्मेदारी मढ़ दी जाती है

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सोमवार को X पर लिखा कि हर बार BJP सरकार का वही शर्मनाक पैटर्न - हादसों से पहले रोकथाम नहीं, उनके बाद बयानबाजी होती है, कुछ छोटे अफसरों पर जिम्मेदारी मढ़ दी जाती है, और असली गुनहगार जवाबदेही मुक्त रहते हैं। उन्होंने कहा कि 12 साल में ये सरकार दुनिया भर की बातें कर के आपको गोल-गोल घुमाती रही, लेकिन मुद्दे की बात नहीं की।

मुख्यमंत्री शुभेंदु का फैसलाः दुर्गा पूजा में अष्टमी के दिन बंद रहेंगी शराब की दुकानें

डीजे-विसर्जन को लेकर भी नए नियम

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी दुर्गा पूजा को लेकर राज्य सरकार ने कई अहम फैसले किए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की कि महाअष्टमी के दिन पूरे राज्य में शराब की दुकानें और बार बंद रहेंगे। इसके साथ ही दुर्गा पूजा और विसर्जन जुलूसों के दौरान डीजे बजाने पर भी पूरी तरह रोक रहेगी। मुख्यमंत्री ने दुर्गा पूजा समितियों से त्योहार की पारंपरिक और धार्मिक भावना का ध्यान रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूजा की मूर्तियों, पंडालों और थीम से किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए।

दुर्गा पूजा में छ्छ बजाने पर भी लगी रोक

सरकार ने दुर्गा पूजा समारोह और विसर्जन जुलूसों के दौरान डीजे संगीत पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहार के दौरान अनुशासन बनाए रखना और दुर्गा पूजा के पारंपरिक स्वरूप को सुरक्षित रखना जरूरी है। थीम आधारित पूजा की अनुमति रहेगी, लेकिन पूजा समितियों को थीम चुनते समय सावधानी बरतनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मूर्ति, पंडाल और थीम ऐसी नहीं होनी चाहिए जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हों या सनातन परंपराओं को ठेस पहुंचे। सरकार ने पूजा से जुड़े आयोजनों के लिए सड़कों के इस्तेमाल पर भी कुछ पाबंदियां लगाई हैं। किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग को पूजा आयोजन के लिए बंद नहीं किया जा सकेगा।

पंजाब में किसानों का धरना खत्म

सरकार ने मान ली सभी मांगें, मिला लिखित आश्वासन

एजेंसी

चंडीगढ़-मोहाली। पंजाब में चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर चल रहा किसानों का धरना सोमवार को तब खत्म हो गया जब पंजाब सरकार की ओर से किसानों को लिखित आश्वासन दिया गया। संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) की अलग-अलग यूनियनों से जुड़े किसान इस प्रदर्शन में शामिल हुए थे और यह धरना 1 सितंबर से शुरू हुआ था। 7 सितंबर 2026 को सरकार के लिखित आश्वासन के बाद किसान अपने घर लौटना शुरू हो गए। सरकार ने किसानों की जिन मांगों को मान लिया है उनमें सबसे प्रमुख मांग है कि सरकार एक महीने के अंदर पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएगी जिसमें राज्य के नदी के पानी, खेती और किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी।

सरकार ने मान ली किसानों की मांगें

किसानों को दिए गए आश्वासन में सरकार मौजूदा जल समझौतों की समीक्षा करने और नदी के पानी के बंटवारे से जुड़े पंजाब रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट के प्रावधानों के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव लाने पर भी सहमत हुई है। पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां के साथ हुई बैठक में किसान नेताओं और सरकार के बीच ज्यादातर मुद्दों पर सहमति बन गई थी। बैठक में बलबीर सिंह राजेवाल, बूटा सिंह बुर्जगिल, हरिंदर सिंह लखोवाल, प्रेम सिंह भंगू और रमिंदर पटियाला समेत कई किसान नेता शामिल हुए।

लिखित आश्वासन के बाद खत्म हुआ धरना

प्रदर्शन कर रहे किसान नेताओं ने अपना धरना खत्म करने का ऐलान किया। हालांकि किसानों ने इससे पहले सरकार से लिखित आश्वासन मांगा था जो कि मिल भी गया। लिखित आश्वासन मिलने के बाद जगतपुरा गांव के पास प्रदर्शन समाप्त करने का ऐलान किया गया।

पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम, रेजीनगर समेत इन राज्यों की सीटों पर उपचुनाव की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीख की घोषणा कर दी है। साथ ही आयोग ने असम की एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा की है। इन सीटों पर मौजूदा विधायकों व एक सांसद ने इस्तीफा दिया था।

चुनाव आयोग के मुताबिक, इन सभी सीटों पर चुनाव एक ही दिन 6 अक्टूबर 2026 होंगे, जबकि वोटों की गिनती 9 अक्टूबर को होगी। नामांकन भरने की तारीख 16 सितंबर है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 17 सितंबर को होगी। वहीं 19 सितंबर तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे।

किन-किन सीटों पर हो रहे उपचुनाव?

चुनाव आयोग के नोटिफिकेशन के मुताबिक, तमिलनाडु की मदुरंतकम और धरमपुरम सीट पर उपचुनाव होने हैं। मदुरंतकम सीट एआईएडीएमके की विधायक मरगथम कुमारवेल की इस्तीफे के

बाद खाली हो गई थी। धारापुरम सीट भी एआईएडीएमके की विधायक पी सत्याभामा के इस्तीफे पर खाली हुई थी। दोनों नेताओं ने टीवीके का दामन थाम लिया था।

इंदौर को पछाड़ लखनऊ ने मारी बाजी

स्वच्छ हवा की नई रैंकिंग जारी

एजेंसी

चंडीगढ़-मोहाली। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने वायु प्रदूषण के स्रोतों पर नियंत्रण और हवा की गुणवत्ता सुधारने के प्रयासों के चलते केंद्र सरकार के 'स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026' में एक लाख से अधिक नहीं, बल्कि 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया है। देश के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा रखने वाला इंदौर दूसरे और जबलपुर तीसरे स्थान पर रहा। केंद्र सरकार की ओर से सोमवार को नई दिल्ली में जारी किए गए सर्वेक्षण के परिणामों में शहरों को उनकी आबादी के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर वायु प्रदूषण कम करने के लिए किए गए प्रयासों का आकलन किया गया। लखनऊ ने वायु प्रदूषण कम करने के लिए कई स्तरों पर काम किया। इनमें कचरा संग्रहण के बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करना, सड़क की धूल नियंत्रित करने के लिए मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीनों का इस्तेमाल और पुराने कचरे (लीगेसी वेस्ट) का वैज्ञानिक प्रबंधन प्रमुख हैं। हालांकि, सर्वेक्षण में पहला स्थान हासिल करने के बावजूद लखनऊ अभी भी राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित वार्षिक PM10 मानक 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर को पूरा नहीं कर पाया है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) के पोर्टल के अनुसार, शहर में वार्षिक PM10 स्तर 2017-18 में 250 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था, जो घटकर अब 137 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रह गया है।

इंदौर और जबलपुर भी शीर्ष तीन में

पिछले वर्ष मिलियन-प्लस शहरों की श्रेणी में पहले स्थान पर रहने वाला इंदौर इस बार दूसरे स्थान पर रहा। जबलपुर ने तीसरा स्थान हासिल किया। जबलपुर में वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट, 100 प्रतिशत कचरा संग्रहण और वैज्ञानिक निस्तारण, मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग तथा इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने जैसे प्रयासों को प्रमुख उपलब्धियों में शामिल किया गया। पिछले साल इंदौर पहले, जबलपुर दूसरे और आगरा तथा सूरत संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे थे।

'क्या मेरे रिटायरमेंट का इंतजार है?'

अरावली मामले पर सीजेआई सख्त, विशेषज्ञ समिति को नहीं दी 6 महीने की मोहलत

एजेंसी

लखनऊ। अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा और संरक्षण पर काम कर रही उच्चाधिकार प्राप्त समिति की छह महीने का अतिरिक्त समय देने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने समिति को अंतिम रिपोर्ट 30 नवंबर तक जमा करने का निर्देश दिया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने साफ किया कि समिति को अब और समय नहीं दिया जाएगा। समिति की पिछली समयसीमा 31 अगस्त को खत्म हो चुकी थी।

समिति ने 28 फरवरी 2027 तक समय मांगा था। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, 'समिति ने मूल रूप से मेरी सेवानिवृत्ति तक मामले को स्थगित करने की मांग की है। '

सुप्रीम कोर्ट ने क्यों दिए दिन-रात काम करने के निर्देश?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर समिति तय समय में अपना काम पूरा नहीं कर पाती है तो वह समिति के पुनर्गठन पर विचार कर सकता है। पीठ ने समिति को 30 नवंबर तक काम पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर उसे 'दिन-रात काम' करना चाहिए।अदालत ने यह भी कहा कि अंतिम निष्कर्ष तय करने से पहले समिति को प्रभावी सलाह-मशविरा करना होगा। उसे राजस्थान और गुजरात के आदिवासी समुदायों समेत सभी संबंधित पक्षों की बात सुनने का निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने समिति को जरूरत पड़ने पर मुद्दे से जुड़े अंतरिम रिपोर्ट भी उसके सामने रखने की अनुमति दी है। इससे अरावली से जुड़े जरूरी मामलों पर पूरी प्रक्रिया खत्म होने का इंतजार किए बिना अदालत विचार कर सकेगी।

15 अगस्त 2047 तक भारत दुनिया का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र होगा : शाह

'गोवा पुलिस को सम्मानित 'प्रेसिडेंट्स कलर्स' प्रदान करना मेरे लिए भी बहुत गर्व की बात है'

एजेंसी

बंबोलिम (गोवा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में गोवा पुलिस को 'प्रेसिडेंट्स कलर्स' सौंपने के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि गोवा पुलिस को सम्मानित 'प्रेसिडेंट्स कलर्स' प्रदान करना मेरे लिए भी बहुत गर्व की बात है, क्योंकि आज आठ दशकों की गौरवशाली गोवा पुलिस सेवा और सम्मान के

साथ राष्ट्रपति के दिए हुए निशान के साथ देशभर की पुलिस की कतार में खड़ी है। ये हम सबके लिए बहुत गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि ये गौरव जिन-जिन राज्यों की पुलिस को मिला है, पुलिस के उस गौरवशाली इतिहास, पेशवेर उत्कृष्ठता, साहस और अनुशासन और समर्पण के कारण ही राष्ट्रपति ने गोवा को 'प्रेसिडेंट्स कलर्स' से सम्मानित करने का काम किया है। गोवा छोटा परंतु बहुत महत्वपूर्ण राज्य है और गोवा की पुलिस को सुरक्षित शहर, सुरक्षित समुदाय और सुरक्षित समुद्री सीमाएं ये तीनों दायित्व गोवा राज्य की रचना के साथ ही प्राप्त हुए हैं। गोवा राज्य की रचना के बाद गोवा पुलिस ने अपने दायित्व को भली-भांति निभाया है। विकसित राष्ट्र की यह पहली शर्त होती है कि राष्ट्र की आंतरिक और सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो जाए। गोवा पुलिस को आंतरिक और सीमाओं की सुरक्षा करने का गौरव मिला है। गोवा की लंबी समुद्री सीमा की सुरक्षा भी गोवा पुलिस के कंधे पर है।

फर्जी दस्तावेज से 20 विदेशियों के पासपोर्ट जारी, विदेश मंत्रालय में हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विदेशी नागरिकों के भारतीय पासपोर्ट हासिल करने का मामला सामने आने से विदेश मंत्रालय में हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पासपोर्ट पोर्टल के माध्यम से करीब 20 विदेशियों के नाम पर भारतीय पासपोर्ट जारी किए गए। मामले ने ऑनलाइन सत्यापन और दस्तावेज जांच की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच एजेंसियों को आशंका है कि गिरोह ने फर्जी पहचान, पते और अन्य दस्तावेजों का इस्तेमाल कर आवेदकों को भारतीय नागरिक के रूप में प्रस्तुत किया। इसके बाद पासपोर्ट आवेदन प्रक्रिया में इन दस्तावेजों को पोर्टल पर अपलोड कर पासपोर्ट हासिल किए गए। अब यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है, दस्तावेजों की जांच के दौरान किस स्तर पर चूक हुई। कहीं कर्मचारियों या बिचौलियों की मिलीभगत तो नहीं थी। विदेश मंत्रालय और संबंधित एजेंसियां जारी पासपोर्टों की जानकारी खंगाल रही हैं। हाल में बांग्लादेश के 20 नागरिकों के फर्जी पासपोर्ट जारी हुए हैं। जानकारी का खुलासा होने के बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक को मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। डबरा के एक ही पते पर 20 बांग्लादेशी पासपोर्ट बनने का मामला सामने आया है। इन पासपोर्ट के जरिए विदेश यात्रा या अन्य गतिविधियों में तो नहीं हुआ, इसकी भी जांच की जा रही है। मंत्रालय की ओर से पासपोर्ट प्रक्रिया में सुरक्षा जांच और डिजिटल सत्यापन को और मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है।

शिमला की मस्जिद में निकला अवैध निर्माण, आयुक्त कोर्ट ने दिए दीवार गिराने का आदेश

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के शिमला के संजौली में मस्जिद को लेकर खूब विवाद हुआ था और बाद में इस मस्जिद को अवैध करार दिया था। मामले में फिर मस्जिद को गिराने का भी काम भी शुरू हो गया था। ऐसे में अब शहर में एक और मस्जिद में निर्माण अवैध निकला है और इस पर भी बुलडोजर चलाने के आदेश दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक शिमला शहर के बालूगंज में मस्जिद परिसर में कथित अवैध निर्माण के मामले में नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने दीवार गिराने के आदेश दिए हैं। आयुक्त कोर्ट ने 2013 से चल रहे मामले की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। नगर निगम के मुताबिक पुराने शौचालयों की दीवार को बिना अनुमति दोबारा बनाया गया था और नई दीवार पुरानी सीमा से करीब डेढ़ से दो फीट बाहर थी। मस्जिद पक्ष ने निर्माण को सुविधा के लिए किया गया बताते हुए जमीन पर अपना अधिकार होने का तर्क दिया था। शनिवार को आयुक्त कोर्ट ने अवैध निर्माण से जुड़े 20 मामलों में से छह पर फैसला सुनाया। इनमें बालूगंज मस्जिद के अलावा न्यू शिमला, खलीनी, पंथाघाटी और फ्लावरडेल के मामले भी शामिल हैं। वहीं, हिंदू संगठन देवभूमि संघर्ष समिति के पदाधिकारी ने मस्जिद मामले को लेकर मोर्चा खोल दिया है और उनका कहना है कि हिन्दू संगठनों ने पहले भी इस मामले को उठाया था ना केवल बालूगंज बल्कि शिमला में बहुत सी ऐसी मस्जिदें हैं जो अवैध रूप से बनाई गई हैं। मस्जिद कमेटी इस मामले को जिला अदालत में ले जाएगी या मस्जिद की दिवार गिराई जाएगी फिलहाल यह कार्रवाई केवल संबंधित दीवार/निर्माण को हटाने तक सीमित है, पूरी मस्जिद को गिराने का कोई आदेश नहीं है।

भीषण तूफान का अलर्ट : 24 राज्यों में भारी बारिश, आंधी और वज्रपात की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग ने देश के 24 राज्यों में भारी बारिश, तेज आंधी और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है, इसके बाद लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। मानसून की रफ्तार फिर तेज हो गई है और देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज अचानक बिगड़ने वाला है। चेतावनी में कहा गया है कि कई इलाकों में 40 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है, साथ ही बिजली गिरने और ओलावृष्टि की भी संभावना है। दिल्ली में भारी बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो सकती है। उत्तर प्रदेश में भी मौसम का असर व्यापक रहने वाला है, जहां मेरठ, मुजफ्फरनगर, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, कानपुर, बहराइच, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, इटावा और अयोध्या समेत कई जिलों में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी है। इसी तरह, बिहार में पटना, गया, जहानाबाद, भोजपुर, गोपालगंज, बक्सर, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, भागलपुर और मुंगेर में तेज बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। पहाड़ी राज्यों में खतरा और बढ़ सकता है। उत्तराखंड के बागेश्वर, हरिद्वार, नैनीताल, चंपावत, पिथौरागढ़, पौड़ी, टिहरी और चमोली में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। बारिश के दौरान पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा भी बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के भी कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, अनंतनाग, जम्मू, बारामूला समेत कई इलाकों में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी दी गई है। वहीं राजस्थान के जैसलमेर, जयपुर, झुंझुनू, सीकर, चूरू, अजमेर, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर और भरतपुर सहित कई जिलों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है, जहां हवाओं की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

मुझे बदनाम और फिर पंजाब को लूटने का मौका तलाश रहा विपक्षः सीएम मान

-अकाली दल सत्ता में लौटने के लिए बीजेपी से गठबंधन की भीख मांग रहा

बठिंडा, एजेंसी। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने विपक्षी नेताओं पर उन्हें बदनाम करने की कोशिश करने और ''सालों तक अपना खजाना भरने के बाद एक बार फिर पंजाब को लूटने'' का मौका तलाशने का आरोप लगाया है। बठिंडा के घुड्डा गांव में 'लोक मिलनी' कार्यक्रम में उन्होंने दावा किया कि विपक्ष इस बात से परेशान है कि उनकी सरकार लोगों के कल्याण पर पैसा खर्च कर रही है। बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) पर निशाना साधते हुए सीएम मान ने कहा कि दोनों पूर्व सहयोगी एक बार फिर गठबंधन की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ नेता ''मोदी कोटे'' से हैं और कुछ ''राहुल गांधी कोटे'' से, जबकि वह अकेले ''जनता के कोटे'' से हैं। सीएम मान ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों का पंजाब और उसके लोगों के खिलाफ काम करना का ''संदिग्ध रिकॉर्ड'' रहा है और उनके कृत्यों को कभी माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, सतलुज यमुना लिंक नहर, हरिके नहर, गणतंत्र दिवस की झांकियों, ग्रामीण विकास कोष और सीमावर्ती क्षेत्र के कोष जैसे मुद्दों पर बीजेपी ने हमेशा पंजाब के साथ अन्याय किया है। सीएम मान ने आरोप लगाया कि ''काले कृषि कानूनों'' के खिलाफ प्रदर्शन में शहीद हुए पंजाब के 700 से ज्यादा किसानों के खून से बीजेपी के हाथ रंगे हुए हैं और पंजाब की जनता इसे कभी नहीं भूलेगी। कांग्रेस के रिकॉर्ड की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि इसी पार्टी ने श्री अकाल तख्त साहिब में टैंक भेजे थे। मान ने आरोप लगाया कि पंजाब में सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में फैले नशे के खतरे को रोकने के लिए कुछ नहीं किया और बेअदबी की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने में भी विफल रही। शिअद पर निशाना साधते हुए सीएम मान ने कहा कि अकाली दल सत्ता में लौटने के लिए बीजेपी के साथ गठबंधन की ''भीख मांग रहा है'' और इस गठबंधन के पीछे न कोई विचारधारा है, न पंजाब के लिए दृष्टिकोण और न ही लोगों की चिंता। शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर कटाक्ष करते हुए मान ने दावा किया कि वह जीवनभर सुख-सुविधाओं से घिरे सुरक्षित माहौल में रहे हैं और पंजाब की जमीनी हकीकत नहीं समझते। उन्होंने कहा कि बादल को राज्य की बुनियादी भौगोलिक जानकारी तक नहीं है और किसानों की समस्याओं की भी उन्हें बहुत कम जानकारी है। कांग्रेस में ''अंदरूनी कलह'' पर तंज कसते हुए मान ने कहा कि कांग्रेस नेता सत्ता के लिए आपस में लड़ रहे हैं, जबकि राज्य सरकार लोगों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है।

हवा में तेल खत्म होने से बची सैकड़ों जिंदगियां, विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

कोच्चि (एजेंसी)। आसमान में सोमवार को बड़ा हादसा टल गया, जब कोच्चि से अबू धाबी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में अचानक तेल का दबाव कम होने लगा। 36,000 फीट की ऊंचाई पर करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद क्रू ने इंजन 1 में तेल की मात्रा तेजी से घटते देखी और उसकी सप्लाई रोक दी। खतरे को भांपते हुए क्रू ने तकनीकी प्रोटोकॉल का पालन कर विमान को वापस कोच्चि लाने का निर्णय लिया। मिली जानकारी के अनुसार, बोइंग 737 विमान को सुरक्षित कोच्चि हवाई अड्डे पर उतार लिया गया और सभी यात्री सुरक्षित हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस या एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से घटना पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। विमान की जांच शुरू कर दी गई है और विमान ने दोबारा उड़ान नहीं भरी है। अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि तेल संबंधी यह समस्या क्यों आई और इसका जिम्मेदार कौन है। यह पहला मौका नहीं है, जब एयर इंडिया एक्सप्रेस के किसी विमान में ऐसी तकनीकी दिक्कत आई हो। हाल ही में वाराणसी से दिल्ली आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक और उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा था। विमान के कार्गो कंपार्टमेंट में धुएं की चेतावनी मिलने के बाद यह फैसला लिया था। हालांकि, लखनऊ में भी विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई और बाद में वैकल्पिक विमान से यात्रियों को दिल्ली भेजा गया था। इन लगातार सामने आ रही तकनीकी समस्याओं ने विमानन सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारत जोड़ो यात्रा को 4 साल पूरेः कांग्रेस ने बताया राजनीति का परिवर्तनकारी मोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत को देश की समकालीन राजनीति में एक परिवर्तनकारी घटना बताया है, जिसने राष्ट्र में नई उम्मीद और नया संकल्प पैदा किया। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने ऐतिहासिक पदयात्रा 7 सितंबर, 2022 को कन्याकुमारी से शुरू की थी, जिसका समापन 30 जनवरी, 2023 को श्रीनगर में एक रैली के साथ हुआ। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने पदयात्रा को एक निर्णायक मोड़ बताया, जिसने देश में नई ऊर्जा और संकल्प का संचार किया। राहुल गांधी के नेतृत्व में, यह यात्रा 145 दिनों में 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर 4,080 किलोमीटर की दूरी तय कर श्रीनगर पहुंची थी। इसमें राहुल गांधी के साथ करीब 120 अन्य भारत यात्री भी शामिल हुए थे। कांग्रेस पार्टी के अनुसार, लाखों भारतीयों ने पदयात्रा को अपना समर्थन और सहयोग दिया, जो बढ़ती आर्थिक असमानताओं, सामाजिक ध्रुवीकरण और बढ़ते राजनीतिक अधिनायकवाद से चिंतित थे। कांग्रेस नेता रमेश ने स्पष्ट किया कि यात्रा का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा संवैधानिक सिद्धांतों पर हो रहे व्यवस्थित हमले को वैचारिक चुनौती देना था। उन्होंने जोर दिया कि यात्रा का लक्ष्य मन की बात कहना नहीं, बल्कि जनता की चिंता सुनना था।

डॉक्टरों पर हमला करने वाले नेताओं को तुरंत हिरासत में लोः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों पर लगातार बढ़ते हमलों पर गहरी चिंता जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को कड़ा निर्देश देकर कहा कि डॉक्टरों के साथ मारपीट करने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं को तुरंत हिरासत में लें और उन्हें खुले में घूमने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। यह सख्त टिप्पणी शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे की याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। शीर्ष न्यायालय कल्याण के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों पर हुए हमले के मामले में म्हात्रे की जमानत शर्तों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। हालांकि, उनके वकील मुकुल रोहतगी ने बाद में अपनी याचिका वापस ले ली। महाराष्ट्र सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि उसने म्हात्रे की जमानत रद्द करने की मांग की है। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को तय की गई है, जिसके लिए अदालत ने नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से ठीक एक दिन पहले, पालघर जिले में भी एक अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर मारपीट की घटना सामने आई थी। आरोप है कि दही हांडी उत्सव के दौरान घायल एक व्यक्ति को अस्पताल से छुट्टी देने को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के कुछ पदाधिकारियों ने अस्पताल में हंगामा कर मारपीट की। सीसीटीवी फुटेज में व्यक्ति को अस्पताल की रिसेप्शनिस्ट को थप्पड़ मारते हुए भी देखा गया, जब रिसेप्शनिस्ट ने बीच-बचाव की कोशिश की थी। इस मामले में पालघर पुलिस ने कम से कम 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसमें शिंदे गुट के कुछ सदस्य भी शामिल हैं। गौरतलब है कि 6 जुलाई को ठाणे के शास्त्रीनगर अस्पताल, कल्याण में इस तरह की घटना हुई थी। शिवसेना (शिंदे गुट) के कॉर्पोरेटर म्हात्रे ने अपने साथियों के साथ अस्पताल में प्रवेश कर एक गर्भवती महिला के इलाज और एनआईसीयू बेड न मिलने को लेकर हुए विवाद के बाद महिला डॉक्टर सहित तीन डॉक्टरों और स्टाफ पर हमला किया था। यह घटना महाराष्ट्र में स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति को उजागर करती है, जिस पर अब सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है।

सुपौल हॉस्टल में 8 वर्षीय छात्र की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

सुपौल (एजेंसी)। सुपौल के गौरवगढ़ वार्ड नंबर-6 स्थित निजी स्कूल के हॉस्टल में बीते रविवार को आठ वर्षीय छात्र प्रियांशु की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई। इस घटना के बाद मृतक छात्र के परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि, मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। जानकारी के अनुसार, भोजन के बाद हॉस्टल के दो अन्य बच्चों ने प्रियांशु को स्कूल की छत पर अचेत अवस्था में पाया। उसके गले में गमछा और बेल्ट बंधी हुई थी, जो घटना को और भी रहस्यमय बना रही है। बच्चों ने तुरंत गार्ड को इसकी सूचना दी, जिसने आगे स्कूल संचालक संतोष कुमार को बताया। आनन-फानन में संचालक कुछ सहयोगियों के साथ बच्चे को एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। प्रियांशु की मौत की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और उन्होंने चीख-चीखकर हत्या बताया। उनका आरोप है कि प्रियांशु के गले में फंदा लगाकर उसकी जान ली गई है और उन्हें घटना की जानकारी देने में भी कई घंटों की जानबूझकर देरी की गई। हालांकि, इन गंभीर आरोपों पर स्कूल की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। घटना की सूचना पर पुलिस और एसडीपीओ तत्काल अस्पताल पहुंचे और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने घटनास्थल, स्कूल परिसर और हॉस्टल में बच्चों की निगरानी-व्यवस्था से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है, ताकि मौत की असल वजह और परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

संदिग्ध ड्रोन दिखने के बाद अमृतसर एयरपोर्ट आया हाई अलर्ट पर

-रात करीब 10 बजे मची हलचल, 7 उड़ानों का बदला गया रूट

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु राम दास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार रात संदिग्ध ड्रोन गतिविधि सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट के अति-संवेदनशील ऑपरेशनल एरिया और रनवे के आसपास दो से चार संदिग्ध ड्रोन मंडराते हुए देखे गए। घटना की जानकारी मिलते ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने सुरक्षा के मद्देनजर हाई अलर्ट जारी कर दिया। एहतियाती कदम के तौर पर सात उड़ानों के रूट में बदलाव किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संदिग्ध ड्रोन राजासांसी गांव की दिशा से एयरपोर्ट की ओर आते हुए दिखाई दिए। कुछ मिनट तक ये ड्रोन रनवे और आसपास के संवेदनशील इलाकों के ऊपर मंडराते रहे। एयरपोर्ट जैसे अति-संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह की गतिविधि को हवाई यातायात की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा माना जाता है। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई और संदिग्ध ड्रोन की गतिविधियों पर नजर रखी गई। हालांकि, शुरुआती जानकारी में

यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ड्रोन किसने और किस उद्देश्य से उड़ाए थे। मामले की जांच के साथ एयरपोर्ट के आसपास सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई।

पाकिस्तान सीमा के बेहद करीब है अमृतसर एयरपोर्ट

श्री गुरु राम दास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट अमृतसर शहर से करीब 11 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में राजा सांसी क्षेत्र में स्थित है। यह पंजाब का प्रमुख और व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है। एयरपोर्ट का नाम सिखों के चौथे गुरु और अमृतसर के संस्थापक गुरु राम दास के नाम पर रखा गया है। इस एयरपोर्ट की भौगोलिक स्थिति सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यह भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा से हवाई दूरी के हिसाब से 30 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित है। ऐसे में एयरपोर्ट के आसपास किसी भी संदिग्ध ड्रोन गतिविधि को सुरक्षा एजेंसियां विशेष गंभीरता से लेती हैं।

एलओसी के पास भी दिखे थे संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन

यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब जम्मू-कश्मीर में भी सीमा के पास संदिग्ध ड्रोन गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। सूत्रों के मुताबिक, अगस्त में राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में रुमलिधारा इलाके के पास तीन संदिग्ध ड्रोन भारतीय हवाई क्षेत्र में दाखिल हुए थे। सुबह करीब 8.05 बजे ड्रोन दिखाई देने के बाद 22वीं जम्मू-कश्मीर राइफल्स के जवानों ने तत्काल कार्रवाई की और काउंटर-ड्रोन सिस्टम सक्रिय कर दिया। सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद तीनों ड्रोन वापस सीमा पार लौट गए। इसके बाद एहतियात के तौर पर एलओसी के आसपास सर्च ऑपरेशन चलाया गया था।

बंगाल में दुर्गा पूजा में प्रतिमा के पास मांसाहारी खाना नहीं बिकना चाहिए

-बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के बयान से पश्चिम बंगाल में मचा घमासान

कोलकाता, एजेंसी। धीरेंद्र शास्त्री के बयान से पश्चिम बंगाल में बड़ा घमासान शुरू हो गया है। धीरेंद्र शास्त्री हाल ही में बंगाल पहुंचे थे। यहां उन्होंने एक जनसभा में बंगाल के लोगों से अपील की है कि इस साल दुर्गा पूजा में दुर्गा माता की प्रतिमा के पास मांसाहारी खाना नहीं बिकना चाहिए। अब उनके बयान से बहस शुरू हो गई है। धीरेंद्र शास्त्री का यह बयान दुर्गा पूजा उत्सव से ठीक पहले आया है। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान मूर्तियों के पास मांसाहारी भोजन की बिक्री नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हिंदुओं से अपील की कि वे नवरात्रि के दौरान नियमों का पालन करें। धीरेंद्र शास्त्री ने लव जिहाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस

बार की नवरात्रि में तुम दुर्गा पूजा करना या न करना, लेकिन एक काम जरूर करना। पश्चिम बंगाल को लव जिहाद मुक्त जरूर कर देना। तुम प्रण लेना कि प्रतिमा के मां के दर्शन करना। धीरेंद्र शास्त्री ने इस दौरान स्वरा भास्कर के जौहर को लेकर दिए गए बयान की भी आलोचना की। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि जौहर को कायरता कहने वाले लोग धर्म को जानते ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि एक महिला हैं। उसने रानी पद्मावती पर बयान दिया। उसने जौहर पर बयान दिया कि जौहर कायरता है। ये कायरता नहीं, वीरता है। अपने पति के प्रति वो अर्पण है। तुम क्या जानो जौहर को। तुम क्या जानो संस्कृति को। धर्म विरुद्ध लोग तुम जान भी नहीं सकते। जो भैया को सैया बना लेते हैं वो क्या जाने जौहर को। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब धीरेंद्र शास्त्री की इस अपील के बाद राज्य में नई बहस शुरू हो गई है। दरअसल बंगाल में पूजा पंडालों के बाहर नॉन वेज बिकने की परंपरा बहुत पुरानी है। लोग उसे देवी मां के प्रसाद के रूप में खाते भी हैं। अब बंगाल के लोग इसे सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान और खान-पान की परंपराओं पर रोक मान रहे हैं। लोगों का कहना है कि बंगाल में दुर्गा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि एक बड़ा सांस्कृतिक उत्सव भी है और खान-पान इस उत्सव का एक अहम हिस्सा है। उनका तर्क है कि खान-पान को लेकर कोई नियम जबरन नहीं थोपा जाना चाहिए।

सीएम विजय की डीएमके को चेतावनीः महिलाओं के अपमान और भ्रष्टाचार पर नहीं होगी नरमी

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने विपक्षी पार्टी डीएमके पर कड़ा प्रहार कर चेतावनी दी कि महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होंगी। पुलिस विभाग के लिए अनुदान की मांग पर विधानसभा में हुई बहस के जवाब में, मुख्यमंत्री विजय ने डीएमके पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया, साथ ही पार्टी के उन पदाधिकारियों की आलोचना की जिन्होंने कथित तौर पर उन लोगों के खिलाफ बयान दिए थे जिन्होंने उन्हें वोट नहीं दिया था। सीएम विजय ने स्पष्ट किया कि राजनीतिक आलोचना स्वीकार्य है, लेकिन महिलाओं के प्रति अभद्र या अपमानजनक टिप्पणी करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई होगी। भ्रष्टाचार के आरोपों पर विस्तार से बात कर मुख्यमंत्री विजय ने दावा किया कि उनके पास आधिकारिक रिकॉर्ड और विधानसभा लाइब्रेरी में मौजूद दस्तावेजों और नतीजों के प्रमाण हैं। उन्होंने डीएमके को सबूत मांगने के बजाय आरोपों का जवाब देने की चुनौती दी। उन्होंने 1977 की सरकारिया आयोग की रिपोर्ट का जिक्र कर वीरनम पाइपलाइन परियोजना में कथित गड़बड़ी और ठेके देने में कमीशन मांगने का आरोप लगाया। सीएम विजय ने दावा किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) का इस्तेमाल एक विशिष्ट कंपनी को अनुचित लाभ पहुँचाने के लिए हुआ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपों का हवाला देकर उन्होंने पार्टी फंड के नाम पर पैसे जुटाने और कुछ लेन-देन में 7.5 से 10 प्रतिशत तक कमीशन लेने की बात कही। उन्होंने पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी पर भी अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने डीएमके अध्यक्ष और पूर्व सीएम एम.के. स्टालिन और पार्टी नेता उदयनिधि स्टालिन का नाम लिया, आरोप लगाया कि वे और पूर्व मंत्री से जुड़े अन्य अधिकारी इन कथित लेनदेन में शामिल थे। हालांकि, मुख्यमंत्री विजय द्वारा लगाए गए ये सभी आरोप अभी भी अदालत में सिद्ध नहीं हुए हैं और केवल आरोप ही बने हुए हैं। अपनी बात समाप्त कर सीएम विजय ने कहा कि वे राजनीति में पद या सत्ता के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सेवा के लिए आए हैं। उन्होंने सी.एन. अन्नादुरई, एम.जी. रामचंद्रन और एन.टी. रामाराव जैसी हस्तियों की विरासत का उल्लेख कर विश्वास व्यक्त किया कि राजनीतिक विरोध के बावजूद अंततः जनता का प्यार ही विजयी होगा।

सत्य निकेतन पीजी इमारत हादसे में मौतों पर चरणजीव मल्होत्रा ने जताया गहरा दुख !

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। प्रमुख समाजसेवी, गऊमाता सेवक व करोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने बताया कि सत्य निकेतन स्थित पीजी इमारत में हुए हादसे में लोगों की मौत की खबर से क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक चरणजीव मल्होत्रा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं बेहद पीड़ादायक और चिंताजनक हैं। उन्होंने प्रशासन से हादसे की गंभीरता से जांच कराने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की। चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि किसी भी परिवार के लिए अपने प्रियजन को इस तरह अचानक खो देना बेहद दुखद होता है। उन्होंने कहा कि हादसे में जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनके परिवारों के दुख की भरपाई किसी भी कीमत पर नहीं की जा सकती। ऐसे कठिन समय में समाज और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा रहे और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भवनों की सुरक्षा केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इससे जुड़े सभी विभागों, भवन मालिकों और संबंधित संस्थाओं की भी जिम्मेदारी बनती है। खासकर पीजी और

किराये की इमारतों में बड़ी संख्या में लोग रहते हैं, इसलिए वहां सुरक्षा मानकों का पालन बेहद जरूरी है। इमारत की मजबूती, बिजली व्यवस्था, आपातकालीन निकास, अग्नि सुरक्षा और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की नियमित जांच होनी चाहिए, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते पहचाना जा सके। सत्य निकेतन जैसे इलाकों में बड़ी संख्या में छात्र, नौकरीपेशा युवा और अन्य लोग पीजी तथा किराये के आवासों में रहते हैं। ऐसे में किसी इमारत में होने वाली छोटी सी लापरवाही भी ब?हादसे का कारण बन सकती है। चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि लोगों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने दिल्ली सरकार या अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि क्षेत्र में संचालित पीजी इमारतों और अन्य बहुमंजिला भवनों की सुरक्षा व्यवस्था की समय-समय पर जांच की जाए। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य के साथ-साथ यह पता लगाना भी आवश्यक है कि घटना किन परिस्थितियों में हुई। यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो नियमानुसार जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। उनका कहना था कि जांच का उद्देश्य केवल दोष तय करना नहीं, बल्कि ऐसी कमियों को दूर करना भी होना चाहिए जिनकी वजह से भविष्य में किसी की जान खतरे में पड़ सकती है। चरणजीव मल्होत्रा ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि सरकार और प्रशासन को प्रभावित परिवारों की जरूरतों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने राहत और सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ पीड़ित परिवारों को आवश्यक प्रशासनिक सहयोग देने की बात कही। उन्होंने कहा कि हादसे से प्रभावित लोगों को अकेला नहीं छो?ा जाना चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी अपील की कि वे अपने आसपास की इमारतों में किसी तरह की सुरक्षा संबंधी कमी दिखाई देने पर संबंधित विभाग को इसकी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि कई बार लोग छोटी समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन समय रहते की गई शिकायत किसी बड़े हादसे को रोकने में मददगार साबित हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन को समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाकर भवन मालिकों और पीजी संचालकों को सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी देनी चाहिए। इसके अलावा आपात स्थिति में क्या किया जाए, आग लगने या इमारत में किसी तरह की क्षति होने पर लोगों को किस रास्ते से बाहर निकलना चाहिए और आपातकालीन सेवाओं से कैसे संपर्क करना है, इसकी जानकारी भी लोगों तक पहुंचाई जानी चाहिए। चरणजीव मल्होत्रा ने अंत में हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को दुःख प्रकट करते हुए कहा कि दुख की इस घ?ी में उनकी संवेदनाएं पी?ित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन हादसे के कारणों की गंभीरता से जांच करेगा और आवश्यक कदम उठाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटना दोबारा न हो।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक का हाथ धड़ से हुआ अलग, बहन भी गंभीर घायल

बदायूं। बदायूं में मुरादाबाद-फर्रुखाबाद हाईवे पर सखानू पेट्रोल पंप के पास रविवार सुबह तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार भाई-बहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चला रहे युवक का हाथ कटकर अलग हो गया, जबकि पीछे बैठी उसकी बहन कई मीटर दूर जा गिरी। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने दोनों को बरेली हायर सेंटर रेफर कर दिया। अलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम गुड़हाना निवासी मुस्लिम रविवार सुबह अपनी बहन चांद तारा के साथ बाइक से बदायूं जा रहे थे। दोनों सखानू पेट्रोल पंप के पास पहुंचे ही थे, तभी सामने से तेज गति से आ रही कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मुस्लिम का एक हाथ कटकर अलग हो गया। वहीं बाइक पर पीछे बैठी चांद तारा उछलकर सड़क से दूर जा गिरी। हादसे के बाद हाईवे पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल भाई-बहन को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बरेली हायर सेंटर रेफर कर दिया। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार और चालक के संबंध में जानकारी जुटानी शुरू कर दी। हादसे की वजह तेज रफ्तार बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार चालक की तलाश में जुटी है।

कच्ची छत ढहने से पिता समेत तीन बेटियों की मौत, चौथी बेटी की हालत गंभीर

कानपुर। कानपुर के भीतरगांव में रविवार सुबह साढ़े दस बजे एक भीषण हादसा हो गया। यहां अचानक एक कच्चा मकान भरभरा कर गिर गया। हादसे में गृहस्वामी मुकेश सिंह और उनकी चार बेटियों की मलबे में दबकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के हिरनी गांव में रविवार सुबह दो मंजिला कच्चा मकान ढह गया। हादसा होते ही चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर से राहत-बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी 112 नंबर पर पुलिस को दी। ग्रामीणों की मदद से मलबे से मुकेश सिंह और उनकी तीन बेटियों माया, पल्लवी व नीतू को बाहर निकाला गया। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से मुकेश सिंह और उनकी तीन बेटियों माया, नीतू व पल्लवी को मलबे से निकालकर सीएचसी पतारा ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। हादसे में चौथी बेटी काजल उर्फ लक्ष्मी मलबे में काफी गहराई में दब गई थी। ग्रामीण लगातार मलबा हटाकर उसकी तलाश में जुटे रहे। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद काजल को बाहर निकाला जा सका। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पतारा अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मोबाइल-हेडफोन लूटकर युवक का पत्थर से सिर कुचलने की कोशिश

कानपुर। नवाबगंज थाना क्षेत्र में अटल घाट के पास दो लुटेरों ने युवक को पीटकर मोबाइल और हेडफोन लूट लिया। आरोप है कि लूटपाट के बाद दोनों उसे मिट्टी के ढेर के पीछे घसीट ले गए और पत्थर से सिर पर वार कर जान से मारने की कोशिश की। वारदात की सूचना के बाद भी रिपोर्ट दर्ज न होने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने कोर्ट से गुहार लगाई। इसके बाद अज्ञात के खिलाफ लूट की प्राथमिकी दर्ज की गई। ग्वालटोली निवासी गिरजा शंकर गुप्ता ने दर्ज प्राथमिकी में बताया कि 29 जून की शाम करीब 7:15 बजे उनका भतीजा गौरव गुप्ता कर्बला चौराहे से पैदल गंगाबैराज स्थित रामनिहालपुर घर जा रहा था। आरोप है कि अटल घाट के मुख्य द्वार के कुछ पहले सौर ऊर्जा संयंत्र के पास खाली पड़े स्थान पर दो लुटेरों ने उसे पकड़ लिया। आरोप है कि दोनों ने गौरव से मारपीट की और उसकी जेब में रखा मोबाइल और हेडफोन लूट लिया। आरोपियों ने उसे जान से मारने की नियत से सिर और चेहरे से पत्थर से वार किया। युवक ने किसी तरह लुटेरों के चंगुल से निकलकर राहगीरों से मदद से अपनी जान बचाई। गिरजाशंकर का कहना है कि सूचना मिलने के बाद वह तत्काल मौके पर पहुंचे और गौरव को नवाबगंज थाने ले गए। वहां घटना की लिखित शिकायत दी गई, लेकिन पुलिस ने उन्हें वापस कर दिया। इस पर उन्होंने कोर्ट से गुहार लगाई। नवाबगंज इंस्पेक्टर राजकेसर ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर अज्ञात के खिलाफ लूट की प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

स्वाइन फ्लू से पहली मौत, उन्नाव में मिले सात संक्रमित; कन्नौज में खतरा

कानपुर। कन्नौज के गुरसहायगंज क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय ग्राम प्रधान शिवम की एक सितंबर को मौत हो गई थी। पांच सितंबर को आई जांच रिपोर्ट में मौत की वजह स्वाइन फ्लू संक्रमण की पुष्टि हुई। वहीं उन्नाव में सात संक्रमित मिलने और कन्नौज में भी संक्रमण की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। सीएमओ ने एडवाइजरी जारी कर लोगों को सावधानी बरतने की अपील की है। कन्नौज के तेरा जाकेट (गुरसहायगंज) निवासी शिवम को 28 अगस्त को पेट दर्द और फेफड़ों में पानी भरने की शिकायत पर कानपुर के शारदा नगर स्थित अनुराग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल पहुंचते ही उसे आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया। परिजनों का आरोप है कि इसके बाद उन्हें मरीज से मिलने नहीं दिया गया और डॉक्टर उसकी हालत में सुधार होने की बात कहते रहे। इस दौरान इलाज के लिए करीब दो लाख रुपये जमा कराए गए। परिजनों के मुताबिक, एक सितंबर को जब वे मरीज को देखने पहुंचे तो उसके शरीर में कोई हरकत नहीं हो रही थी। उसी रात करीब नौ बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा किया और पोस्टमार्टम की मांग की। जांच रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्वाइन फ्लू संक्रमण सामने आई। अस्पताल की ओर से निजी पैथोलॉजी में कराई गई जांच में भी एच1एन1 संक्रमण की पुष्टि होने की बात सामने आई है। हालांकि अस्पताल संचालक अनुराग सेंगर ने इलाज में लापरवाही के आरोपों को नकारते हुए कहा कि मरीज का इलाज नियमों के अनुसार किया गया। मामले की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी ने अलर्ट जारी करते हुए अनुराग हॉस्पिटल के डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और पोस्टमार्टम हाउस के कर्मचारियों की स्वाइन फ्लू जांच कराने के निर्देश दिए हैं। मृतक के संपर्क में आए परिजनों और ग्रामीणों के सैंपल लेने के लिए कन्नौज स्वास्थ्य विभाग की टीम को भी सूचना दी गई है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में कानपुर देहात का एक संदिग्ध मरीज भर्ती है। उसकी हालत गंभीर बताई गई है और सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। इसके अलावा दो अन्य संदिग्ध मरीज बुखार और सांस लेने में परेशानी के चलते भर्ती किए गए हैं। एक मरीज कांशीराम अस्पताल से भी रेफर होकर आया है। चारों मरीजों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। जिले में लगातार एच1एन1 संक्रमण के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट है। निजी अस्पतालों और पैथोलॉजी केंद्रों को फ्लू जैसे लक्षण वाले मरीजों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। जिला अस्पताल में अब संभावित मरीजों की स्वाइन फ्लू जांच भी शुरू कर दी गई है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने पंखे से लटककर की खुदकुशी, नहीं मिला सुसाइड नोट

मसूरी (गाजियाबाद)। वेव सिटी क्षेत्रांतर्गत आदित्य वर्ल्ड सिटी में एक दुखद घटना सामने आई है। यहां एक 36 वर्षीय सॉफ्ट इंजीनियर विकास चौहान ने अपने फ्लैट में आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उन्होंने आर्थिक तंगी से परेशान होकर यह आत्मघाती कदम उठाया। यह घटना शनिवार रात करीब एक बजे एपाइंटमेंट टावर स्थित उनके आवास पर हुई। विकास चौहान ने अपने कमरे में पंखे से लटककर अपनी जान दे दी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आदित्य वर्ल्ड सिटी के एपाइंटमेंट टावर में विकास चौहान का फ्लैट था। शनिवार देर रात उन्होंने अपने जीवन का अंत कर लिया। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के पीछे के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है। हालांकि, परिवार और दोस्तों से पूछताछ के बाद आर्थिक तंगी को मुख्य वजह बताया जा रहा है। सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने फ्लैट की तलाशी ली और आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

स्वाइन फ्लू के नौ और मरीज मिले, अब तक 188 संदिग्ध मरीजों की हुई जांच

अलीगढ़। अलीगढ़ जिले में 5 सितंबर को स्वाइन फ्लू के नए नौ मरीज मिले। अब यह संख्या बढ़कर 40 हो गई है। पांच वर्ष से 62 वर्ष तक के आयु के नौ मरीज चपेट में आए हैं, जबकि 17 मरीज स्वस्थ हो गए हैं। 79 फ्रंटलाइन वर्कर्स का टीकाकरण किया गया है। सीएमओ डॉ. आरएन सिंह ने बताया कि अगस्त से पांच सितंबर तक कुल 188 संदिग्ध मरीजों की जांच कराई गई, जिनमें 40 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। स्वाइन फ्लू के संक्रमण की स्थिति पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 12 मरीजों का उपचार घर पर चल रहा है, जबकि अब तक 17 मरीज उपचार के बाद पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। मलखान सिंह जिला चिकित्सालय में 55 और पंडित दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय में 24 फ्रंटलाइन वर्कर्स का टीकाकरण किया गया है। सीएमओ ने कहा कि स्वाइन फ्लू के लक्षण बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या सांस लेने में परेशानी है। अगर यह लक्षण किसी व्यक्ति में दिखे तो उसे चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी बरतना जरूरी है।

नाव में रस्सी बांधते समय हिंडन में डूबे दो युवक, देर रात तक तलाश में जुटी रही एनडीआरएफ

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बिसरख कोतवाली क्षेत्र में यूसुफपुर चक गांव के पास शनिवार शाम हिंडन नदी में नाव संचालन के लिए रस्सी बांधने के दौरान एक युवक पानी में डूबने लगा। उसे बचाने के लिए पानी में उतरा दूसरा युवक भी गहरे पानी में समा गया। तेज बहाव में दोनों बह गए। पुलिस और फायर सर्विस की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बाद में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें बुलाई गईं। स्टीमर और गोताखोरों की मदद से देर शाम तक दोनों युवकों की तलाश जारी रही। पुलिस के मुताबिक दोनों युवकों की पहचान शिव राजपूत (19) और सौरव (20) के रूप में हुई है। मूलरूप से बुलंदशहर निवासी दिहाड़ी पर काम करने वाले दोनों युवक यूसुफपुर चक में किराये के मकान में सपरिवार रहते थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक बहलोलपुर और यूसुफपुर चक के बीच हिंडन नदी पर कुछ लोग नाव चलाकर लोगों को एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचाते हैं। इसके लिए यात्रियों से दस रुपये लिए जाते हैं। नाव को सुरक्षित तरीके से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने और बहाव में उसके डगमगाने से बचाने के लिए नदी के दोनों छोर पर खूंटे के सहारे रस्सी बांधी जाती है। इसी रस्सी को पकड़कर नाविक नाव को नदी के एक किनारे से दूसरे किनारे तक ले जाते हैं। शनिवार शाम करीब 5 बजे नाव संचालन से जुड़े एक व्यक्ति ने एक युवक को 500 रुपये देकर नदी के एक छोर से दूसरे छोर तक रस्सी बांधने के लिए भेजा। रस्सी बांधने के पानी में उतरा युवक नदी के गहरे पानी में डूबने लगा। उसे डूबता देखकर दूसरा युवक उसे बचाने के लिए पानी में उतर गया।? तेज बहाव और गहराई के कारण वह भी डूब गया। एसीपी सेंट्रल नोएडा कमलेश कांत ने बताया कि हिंडन नदी में दो युवकों के डूबने की सूचना मिली थी। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और फायर सर्विस की टीमों की मदद से दोनों की तलाश कराई जा रही है। रेस्क्यू अभियान जारी है। हादसे की सूचना मिलने के बाद दोनों युवकों के परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोग लगातार बचाव दल से दोनों युवकों को जल्द तलाशने की मांग कर रहे हैं। वहीं, आसपास के लोग भी मौके पर जमा रहे और रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी लेते रहे।

NAME CHANGE
I, DIPIKA, is legally mother of Army No. 2813417M, Rank - HAV, Name - SAWANT ANIKET DATTATREY, presently residing at Vill - Kalyan, Post - Kalyan, Tal - Kalyan, Dist - Thane, State - Maharashtra, Pin - 421301, have changed my name from DIPIKA to DIPIKA DATTATREY SAWANT for all future purposes. Vide affidavit dated 07/09/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, Dulari Devi W/O Nakul Mandal R/O H No-a242,G/F, Block-A,gali No-4,Jaitpur Extn Part-II, Adarpur Delhi-110044 Have Changed My Name to Dulari Mandal for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, A DHANA LAKSHMI wife of No.-16113584M, Rank-NK, Name-MOHANARAO ANKEREDDI residing at 2-77, NH-16, KASIMKOTA, NUTULAGUNTLA PALEM, ENUGUTUNI, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531055, have changed my name from A DHANA LAKSHMI to A DHANALAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 07/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I VIRENDER KUMAR GUPTA S/O RAM TEJ GUPTA R/O E-8/A-11 FIRST FLOOR, KRISHNA NAGAR DELHI-110051 HAVE CHANGE MY NAME TO VIRENDER GUPTA FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given on behalf of Hinduja Housing Finance Limited to inform to the public at large that my client Mr. Sundar has availed a home loan facility to inform to the public at large that Mrs. Sharada Sharma W/o Mr. Kali Charan Sharma is the owner of Unit/Portion No. C-2, on Upper Ground Floor, area measuring 125 Sq. Yds., built on Property Bearing No. A-2, B-2, C-2, comprised in Khasra No.774/5 Min, situated in Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi vide Sale Deed Dated 13.10.2020 (Doc. No.4647) and same will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd. That, Original Sale Deed dated 13.10.2020 executed by M/s. Wonder Homes in favour of Mrs. Sharada Sharma, vide Doc. No.4647, Book No.1, Vol. No.3497, pages 164-177, dated 13.10.2020, SR-V A, Hauz Khas, New Delhi/Delhi has lost/misplaced. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.
Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email:
advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE
I,CHESTHA D/O JAGJEEVAN RAM R/O N-87,88,89 WELCOME SEELAMPUR GHARI MENDU NORTH EAST DELHI 110053, CHANGED MY NAME TO CHESTA.

NAME CHANGE
I, Subhan S/O Babu Khan, E-1128, Jahangir Puri, North West Delhi Pin: 110033 Have Changed My Name To Subhan Ali For All The Future Purposes....

NAME CHANGE
I, Maninder Pal Singh Sawhney S/O Dalip Singh Sawhney, 35, 56, West Punjabi Bagh West Delhi Pin:110026 Have Changed My Name To Maninder Pal Singh For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Anand Kumar S/O Mani Ram Singhal, 16A/13, Maniram Mohalla, Ashok Nagar, Ganaur, Sonipat, Haryana, Pin Code : 131101, Have Changed My Name To Anand Kumar Singhal For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Prince S/O Anand Kumar Singhal, D-1/45-46, 2nd Floor, Radhika Mandir Road, Budh vihar, Phase - I North West Delhi Pin: 110086 Have Changed My Name To Prince Singhal For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Yuvraj Kaushik S/O Rajeev Sharma, B-6/120,121, Rohini Sector -11, PO: Rohini Sector -7, Dist :North West Delhi Pin: 110085 Have Changed My Name To Yuvraj For All The Future Purposes....

NAME CHANGE
I Devender singh S/O Rohtash R/O lagarpur, Lagarpur(74), PO: Badli, DIST: Jhajjar, Haryana - 124105 I Have changed my name to Devender

Public Notice
It is for general information that I Kusum W/O Ravindra R/O -58, Village - Haibatpur ,Post - Chipyana, Haibatpur Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh -201009, declare that name of mine and my husband have been wrongly written as Kusham Yadav and Ravinder Yadav in my minor Son Dev Yadav aged 15 years and his School record. The actual name of mine and my husband are Kusum and Ravindra

NAME CHANGE
It is for general information that I, JAYAVATI DEVI W/O LATE KANWAR LAL R/O HOUSE NO 47, MILAK, VIKASH NAGAR, LONI DEHAT, PO-LONI, DIST-GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102, declare that name of mine has been wrongly written as JAI WANTI in my husband PPO No.PC/GRI/18/4188. The actual name of mine is JAYAVATI DEVI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, HAJRA W/o Mohammad Khan R/o 63, , Dhiranki (249), Po. Hurithal, Hathin, Palwal, Haryana-121103, have changed my name to HAJRA BEGUM permanently.

NAME CHANGE
I, ANJU W/o NITIN SHARMA, R/o D-51/8, Gali No.5, West Jyoti Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094, have changed the name of my minor daughter KRIPITA SHARMA, aged 14years and she shall hereafter be known as NAIRA SHARMA

Public Notice
It is for general information that I, Akash S/O Mahkar singh residing at B-59,Tilpata Karanwas, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306, do hereby undertake that I, Akash want to change my name to Ellie and gender as Female.
I, Akash henceforth be known as Ellie D/O Mahkar singh.
The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I will be personally responsible for the same and the department of Publication will not be liable for any consequences arising therefrom. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Basanti Rawat W/o Mr. Mohan Singh Rawat is the owner and in possession of a Freehold Commercial Shop No. 5, on Ground Floor, super area measuring 120 Sq. Ft., i.e. 11.15 Sq. Mtrs., Situated at "Corona Optus" Sector-37C, in the Village Basai, Tehsil Kadipur & District Gurugram, Haryana., Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 02.06.2026 duly registered as Document No. 2990, in Book No. 01, on dated 02.06.2026, with the Sub-Registrar Office of Kadipur., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Original Builder Buyer's Agreement dated 10.07.2017 executed by M/s Corona Housing Private Limited in favour of Mrs. Akanksha Sharma (2) Original Possession Letter issued by M/s Corona Housing Private Limited in favour of Mrs. Akanksha Sharma (3) Original Conveyance Deed dated 10.07.2018 executed by M/s Corona Housing Private Limited in favour of Mrs. Akanksha Sharma duly registered as Document No. 1888, in Book No. 1, with the Sub-Registrar Office of Kadipur. & (4) Original Deed of Apartment dated 10.07.2018 executed by Mrs. Akanksha Sharma vide Document No. 1889, in Book No. 1, with the Sub-Registrar Office of Kadipur., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property to be financed/ mortgaged with People Home Finance Ltd. Unit N0 -1111' 11th Floor, Eros Corporate Park, Sector 2 Tower K IMT Manesar Gurugram (HR) -122051. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, RIZWANA W/O RAGIB KHAN R/O 129 DDA QRTS NEW SEEMAPURI JHILMIL DELHI-110095 have changed my name to RIZAWANA KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I HARPREET SINGH KATHURIA S/O KULDIP SINGH R/O 1/239 G/F, F/P , SUBHASH NAGAR DELHI-110027 have changed my name to HARPREET SINGH Permanently for all future

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHINI TYAGI D/o MOHINDER SINGH TYAGI Ex. wife of PRATEEK TYAGI, R/o L4-604, Gulmohar Garden, Raj Nagar Extension, PO: Raj Nagar Extension, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh 201017, declare that I, got divorce from my husband vide Court Decree Suit No. 1251/2019 dated 04.02.2020. Further I, have changed the name of my minor daughter ANWESHA, aged 13 years and she shall hereafter be known as ANWESHAA TYAGI.

NAME CHANGE
I NITIN GANDOTRA S/O SUKH DEV KUMAR R/O B4 -701 JAYPEE KLASSIC WISHTOWN , SECTOR 134 NOIDA UTTAR PARDESH 201304 have changed my name to NITIN KUMAR GANDOTRA Permanently for all future

NAME CHANGE
I, Hufza / Hufza Yasin D/o Mohd Yaseen R/o 1200 Rakab Ganj Delite Cinema, Darya Ganj, Delhi 110002 have changed my name to Hufza Yaseen for all future purposes

NAME CHANGE
I, ROHIT S/o BHAGWAN SINGH Residing H.No. 197/503, Dubaldhan Kirmian (136), Dubaldhan, Jhajjar - 124202 have changed my name from ROHIT to ROHIT KADIAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Raviul Eslam S/o Mohd Shah Alam R/o H No.887, Phase-3, J J Colony, Madanpur Khadar, Sarita Vihar, Delhi-110076 have changed my name to Raviul Islam for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NARENDER SINGH S/O B.S BISHT R/O F-2/120, JAI VIHAR NAJAFGARH BAPROLA WEST DELHI 110043, CHANGED MY NAME TO NARENDRA BISHT.

NAME CHANGE
I, VINOD RAM S/O SITA RAM R/O CN-98 GAS GODAM VTC TODAPUR VILLAGE DELHI 110012, CHANGED MY NAME TO VINOD KUMAR.

NAME CHANGE
I, AASHINA NAAZ /ASHINANAAZ KHAN D/O IMRAN KHAN R/O T4/808,VALLEY VIEW ESTATE,GWAL PAHARI,GURGAON, HARYANA-122003, HAVE CHANGED MY NAME TO ASHINA NAAZ KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE
it is for general information that I, Indu Sharma W/O Rajat Sharma R/O-202 Gali No.-06, Sadarpur Colony Sector 45, Noida Sector 37,PO : Noida Sector 37, DIST: Gautam Buddha Nagar , Uttar Pradesh- 201303 declare that name of mine has been wrongly written as Rajni Sharma in my minor Son Shivam Sharma aged 14 years in his Birth Certificate No. 100171201860 . The actual name of mine is INDU SHARMA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I PRIYANKA CHAUDHARY W/O VIKAS CHAUDHARY R/O C-141, SURAJMAL VIHAR, DELHI 110092. have changed my minor daughter name from SHADHNA SINGH To SADHNA SINGH for all purposes.

NAME CHANGE
I, PRREETI AILAWADI W/O ANISH AILAWADI R/O D-1/1129, VASANT KUNJ, delhi-110070 have changed my name to PRREETI KUMAR AILAWADI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, HARENDER KUMAR S/o SHISHU PAL SINGH R/o H NO-277/2, STREET NO-5, NEAR KALA NIKETAN PUBLIC SCHOOL, DURGA PURI EXTN, SHAHDARA, DELHI-110093 have changed the name of my minor Son PRIYANSHU, aged 15 years and he shall hereafter be known as PRIYANSHU SINGH. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, HARENDER KUMAR S/o SHISHU PAL SINGH R/o H NO-277/2, STREET NO-5, NEAR KALA NIKETAN PUBLIC SCHOOL, DURGA PURI EXTN, SHAHDARA, DELHI-110093 have changed the name of my minor Daughter PRIYANJAL, aged 13 years and she shall hereafter be known as PRIYANJAL SINGH. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

Public Notice
I,Khushi Gautam, D/o Pawan Kumar, R/o 33/16, Bhikam Singh Colony, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi – 110032, hereby undertake that I have changed my name from Khushi Gautam to Kiaan Gautam and my gender from Female to Male. Henceforth, I shall be known as Kiaan Gautam, S/o Pawan Kumar for all purposes and in all official records and documents. I hereby declare that the above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. In the event of any legal issue arising in this regard at any stage, I shall be personally responsible for the same, and the Department of Publication shall not be held liable for any consequences arising therefrom.

Public Notice
It is for general information that I, ANJU W/o NITIN SHARMA, R/o D-51/8, Gali No.5, West Jyoti Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as KRIPITA SHARMA in my minor daughter namely NAIRA SHARMA, aged 14 years in her Aadhaar card no.579234609872. The actual name my minor daughter is NAIRA SHARMA respectively, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I DANDADE MALTA DATTARAO legally mother of Army no - 2817382Y, Rank - L/NK, Name - DANDADE PRASHANT DATTARAO, Presently Residing At - MANGUL ZANAK, Post- MANGUL ZANAK, Teh - RISOD Dist - WASHIM, State- MAHARASHTRA, Pin - 444504 have changed my name from DANDADE MALTA DATTARAO to MALTA DATTARAO DANDADE for all future purposes, Vide affidavit dated 07/09/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, BHAWNA DEVI W/O PRADEEP KUMAR SINGH R/O FLAT B-608,6TH FLOOR,MRG WORLD,SECTOR-93,HAYATPUR(114),GURGAON, HARYANA-122505,HAVE CHANGED MY NAME TO USHA DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Bharti Bhargava D/O Narender Bhargava W/O Mohit Wadhwa R/O 1st Floor House No 1859 Sec-9 Faridabad Haryana - 121006 have changed my name to Bharti Bhargav for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHINI TYAGI D/o MOHINDER SINGH TYAGI Ex. wife of PRATEEK TYAGI, R/o L4-604, Gulmohar Garden, Raj Nagar Extension, PO: Raj Nagar Extension, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh 201017, declare that I, got divorce from my husband vide Court Decree Suit No. 1251/2019 dated 04.02.2020. Further I, have changed the name of my minor daughter ANWESHA, aged 13 years and she shall hereafter be known as ANWESHAA TYAGI

NAME CHANGE
I, Imran Baig S/o Umar Daraz, 6818, gali makkhan wali, beri wala bagh, pul bangash, Delhi G.P.O., North Delhi, Delhi-110006 have changed my name from M Imran to Imran Baig for all future purposes.

NAME CHANGE
I, QASIM S/O MOHD YASIN R/O H. No. 342, Street No. 3, Kardampuri Extn., Shahadara, North East, Delhi-110094 have changed my Name to Mohd Kasim for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Maqsoom Khan S/O Mohammad Ahmed Khan R/O Rza-74b,pul Pehldpur, Jait Pur, Delhi -110044 Have Changed My Name to Maqsood Khan for All Future Purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 78 हजार तक की सब्सिडी

एजेंसी

करनाल। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिकतम 78 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के द्वारा समाज के गरीब वर्ग की ऊर्जा संबंधित जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। इस योजना से गरीब परिवारों का ऊर्जा खर्च लगभग खत्म हो जाएगा। अगर खपत से ज्यादा बिजली का उत्पादन सोलर पैनल द्वारा किया जाता है तो वह बिजली के खाते में जाएगा जिसका भुगतान सरकार द्वारा उक्त मकान मालिक को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब परिवारों के सशक्तिकरण में लाभकारी होगी। योजना के तहत गरीब परिवारों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा और वे आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगे। इस योजना से सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम होगा और स्वच्छ ऊर्जा के स्रोतों को अपनाने में मदद मिलेगी। डीसी ने बताया कि केंद्र सरकार की सब्सिडी के अतिरिक्त हरियाणा के एक लाख गरीब परिवारों को सोलर रूफटॉप सिस्टम लगवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अधिकतम 50 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। यह सब्सिडी पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दी जाएगी।

अश्विनी कुमार मिश्रा की नियुक्ति पर पंजाब सरकार का विरोध

चंडीगढ़। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा की नियुक्ति का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्ति प्रक्रिया में पंजाब सरकार की राय और सहमति लेने की प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। चीमा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति के मामले में राज्य सरकार के दृष्टिकोण और सहमति को महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में मानक प्रक्रिया की अनदेखी की गई। वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि यह मामला पंजाब के पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की नियुक्ति को लेकर जुड़ा हुआ है। अश्वनी कुमार मिश्रा को कल सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि इसमें स्टैंडर्ड प्रोसीजर (मानक प्रक्रिया) को फॉलो नहीं किया गया। इससे बड़ा सवाल केंद्र सरकार के खिलाफ खड़ा होता है। किस तरह से पंजाबियों को अनदेखा किया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के सीनियर जज जस्टिस जी.एस. संधावालिया की नियुक्ति मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में की जा रही थी।

सीएम नायब सैनी ने यूथ मैराथन को हरी दिखाई झंडी, बोले-रेवाड़ी ने नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का संकल्प लिया

रेवाड़ी। मुख्यमंत्री नायब सैनी की ओर से रेवाड़ी में नशे के खिलाफ यूथ मैराथन को हरी झंडी दिखाई गई। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित किया। लोगों को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा, 'आप सभी ऊर्जावान युवाओं के बीच आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आप हजारों युवाओं का उत्साह इस बात का प्रमाण की रेवाड़ी ने नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई करने का लिया संकल्प ले लिया गया है। 5 किलोमीटर की रन फॉर ऑल हो या 10 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण दौड़ इनमें भाग लेने वाले युवाओं का हर कदम नशे के खिलाफ कड़ा प्रहार है।' उन्होंने कहा कि 'नशे से जंग रेवाड़ी के संग' इस मैराथन का स्पष्ट संदेश है। यह दौड़ जन जागरण की एक ऐसी यात्रा होगी जिसकी गूंज पूरे हरियाणा में सुनाई देगी। हमारी सरकार ने नशे को हरियाणा के परिवारों के दर्द और युवाओं के भविष्य से जोड़कर देखा है।

पालिका रोल पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को मिलेगी जॉब सिक्योरिटी

चंडीगढ़। हरियाणा में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर स्थिति गंभीर रूप धारण कर चुकी है। सरकार द्वारा बार-बार चेताए जाने के बावजूद सफाई कर्मचारी काम पर लौटने को तैयार नहीं हैं। सरकार की तरफ से दी गई अंतिम चेतावनी का समय भी शनिवार रात पूरा हो चुका है। ऐसे में सोमवार को सफाई कर्मचारियों के विरूद्ध कठोर निर्णय लिए जाने से पहले सरकार ने उन्हें काम पर लौटने की अपील करते हुए जॉब सिक्योरिटी का आश्वासन दिया है।हरियाणा सरकार ने 12 बजे तक कर्मचारियों को काम पर लौटने के लिए कहा था। इससे पहले सरकार ने कहा कि पालिका रोल पर कार्यरत सफाई कर्मियों को हरियाणा कॉन्ट्रैक्चुअल एम्प्लॉईज़ (सर्विस की सुनिश्चितता) एक्ट, 2024 के दायरे में लाने का सैद्धांतिक निर्णय लिया है। इस निर्णय से सफाई कर्मियों की सेवा 60 वर्ष की आयु तक सुरक्षित होगी।

अमर शहीद लाला जगत नारायण जी की पुण्यतिथि पर रक्तदान से राष्ट्र सेवा

रक्तदान महादान, रक्तदान की दो बूंद से मुसीबत के समय किसी जरूरतमंद व्यक्ति की बचाई जा सकती है जान : हरविंद्र कल्याण

एजेंसी

करनाल। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष एवं घरौंडा के विधायक हरविंद्र कल्याण ने रक्तदाताओं का आह्वान किया कि रक्तदान महादान है, रक्तदान की दो बूंद से मुसीबत के समय किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। रक्तदाता भविष्य में भी राष्ट्रभक्ति व समाज सेवा के भाव से आगे बढ़ें और मानवता की भलाई के लिए आगे भी काम करते रहेंगे। अमर शहीद लाला जगत नारायण जी ने राष्ट्रभक्ति का रास्ता चुना, उनके समक्ष चुनौतियां आई, लेकिन वे घबराएं नही, इसलिए आज पूरा राष्ट्र उन्हें नमन कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनके विचारों को आत्मसात कर आगे बढ़ें, इससे भावी पीढियां संस्कारित होंगी। उन्होंने शिविर में सहयोग करने वाली सामाजिक संस्थाओं की तारीफ की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत-2047 का जो सपना है उसमें सहभागिता सुनिश्चित करें। वे अमर शहीद लाला जगत नारायण जी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में सेक्टर-12 करनाल स्थित गोल्डन मूमेंट में आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

इस मौके पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण,विधायक जगमोहन आनंद, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के वाइस चांसलर प्रो. एस.के. मल्होत्रा, मेयर रेणू बाला गुप्ता, सरपंच एसोसिएशन करनाल के जिलाध्यक्ष चौधरी रतन सिंह, शहर की सभी सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों व विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों ने अमर शहीद लाला जगत नारायण जी की पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उसके बाद रक्तदाताओं को बैज लगाए और प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। जिला नागरिक अस्पताल (हरियाणा स्वास्थ्य विभाग) के ब्लड बैंक की टीम ने शिविर में सेवा दी। वो कलम का सिपाही जिसने आजादी की इबारत लिखी, उसी महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद लाला जगत नारायण जी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में सेक्टर-12 करनाल स्थित गोल्डन मूमेंट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तवीरों ने रक्तदान कर भारत की आजादी के मतवाले और राष्ट्र की अखंडता के लिए प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीद को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। रक्तवीरों ने ये पैगाम दिया कि शहादत मरती नहीं, लहू बनकर नसों में बहती है। हर बूंद के साथ एक ही सदा गूंज रही थी कि लालाजी अमर हैं और उनकी सोच आज भी हर धड़कते दिल में जिंदा है। हरविंद्र कल्याण ने कहा कि शहीदों के सपनों को जिंदा रखने का नाम है रक्तदान। अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते समय जब भी देशभक्ति के लिए शहादत का जिक्र होता है तो लाला जगत नारायण जी का नाम महान स्वतंत्रता सेनानियो की आग्रणी सूची में शामिल पाया जाता है। उनकी पुण्यतिथि पर उनको नमन करते हुए यह समाचारपत्र समूह हर वर्ष रक्तदान शिविर लगाकर यह पुण्य कार्य करता है।

'शिक्षक भावी पीढ़ी के निर्माण में निभाएं महती भूमिका'

'श्रेष्ठ गुरुजनों के आशीर्वाद और मार्गदर्शन से देश की भावी पीढ़ी हर चुनौती का डटकर सामना करने में सक्षम होगी'

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे देश की भावी पीढ़ी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों में संस्कार, ज्ञान, कौशल, देशभक्ति और सकारात्मक सोच विकसित करने के साथ उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करें। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ गुरुजनों के आशीर्वाद और मार्गदर्शन से देश की भावी पीढ़ी हर चुनौती का डटकर सामना करने में सक्षम होगी। उन्होंने सभी शिक्षकों को उनके योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि शिक्षक ही वह शक्ति हैं जो असंभव को भी संभव बना सकते हैं। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा डीएलसी सुपवा में आयोजित शिक्षक सम्मान-2026 समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में प्रदेश के तीन जिलों रोहतक, हिसार व करनाल के शिक्षकों सम्मानित किया गया। महिपाल ढांडा ने कहा कि समारोह की विशेषता यह है कि शिक्षकों का चयन विद्यार्थियों द्वारा लोकतांत्रिक प्रक्रिया से किया गया

है। विद्यार्थियों द्वारा अपने पसंदीदा शिक्षकों का चयन उनके आचरण, व्यवहार और कार्यकुशलता पर विश्वास की मुहर है। उन्होंने इस पहल के लिए समाचार पत्र समूह की सराहना करते हुए कहा कि इससे शिक्षकों का मनोबल बढ़ता है। महिपाल ढांडा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के समक्ष विषय रखने के बाद अगले वर्ष से आईटीआई, तकनीकी एवं इंजीनियरिंग संस्थानों के शिक्षकों को भी शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में शिक्षकों की भूमिका निर्णायक है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के प्रत्यक्ष परिणाम आने वाले समय में दिखाई देंगे। उन्होंने शिक्षकों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के सरकारी विद्यालयों के परीक्षा परिणामों में लगातार सुधार हो रहा है। शिक्षकों ने अपने संकल्प और मेहनत से विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारा है। उन्होंने कहा कि अब अनेक सरकारी विद्यालयों में शत-प्रतिशत परिणाम के साथ विद्यार्थियों का मेरिट सूची में स्थान बनाना प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। इससे पहले शिक्षा मंत्री ढांडा ने विश्वविद्यालय परिसर में दादा लख्मी चंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

एग्रीस्टैक के तहत किसान आईडी जरूर बनवाएं : उपायुक्त

एग्रीस्टैक किसान आईडी से डिजिटल कृषि व्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी

पलवल। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे एग्रीस्टैक के तहत अपनी किसान आईडी अवश्य बनवाएं। किसान आईडी किसानों की डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करेगी और इससे कृषि भूमि तथा किसान से संबंधित जानकारी को डिजिटल माध्यम से एक-दूसरे से जोड़ने में सुविधा होगी। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि किसान आईडी बनने से किसानों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं, सब्सिडी, फसल बीमा तथा अन्य किसान हितैषी सेवाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। भविष्य में फसल मुआवजा, कृषि सब्सिडी और अन्य सहायता योजनाओं का लाभ उपलब्ध करवाने में भी किसान आईडी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने किसानों को स्पष्ट किया कि किसान आईडी बनवाने से बीपीएल कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित वर्तमान में मिल रहे अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसलिए किसान बिना किसी भ्रम या संकोच के अपनी किसान आईडी बनवाएं और डिजिटल कृषि व्यवस्था से जुड़ें। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि किसान अपनी किसान आईडी बनवाने के लिए नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर/अधिकृत केंद्र, पटवारी या कृषि विभाग कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन तथा 25 वर्ष जनसेवा के पूर्ण होने पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया जाएगा सेवा ही संकल्प अभियान'

प्रदेश भर में आयोजित होंगे जनसेवा के कार्यक्रम — मंत्री कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने नरवाना में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं तथा उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा पात्र नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध करवाया जाए। इस अवसर पर मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन तथा 25 वर्ष जनसेवा के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा ही संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रदेशभर में सेवा, सुशासन, जनभागीदारी और विकास की भावना को और अधिक मजबूत करने वाला होगा। इस अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। गौरतलब है कि मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी को इस अभियान का राज्य स्तरीय प्रभारी बनाया गया है। मंत्री ने बताया कि अभियान के दौरान प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में 180 स्थानों पर विशेष जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश में हुए विकास कार्यों और जनहित में लागू की गई योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। मंत्री ने कहा कि सेवा ही संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को केवल सरकारी स्तर तक सीमित न रखकर उन्हें लाभार्थियों और आमजन के अनुभवों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि जिन नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला है।

सफल रहा 'सफल एग्जाम', 1,720 विद्यार्थियों ने दी छात्रवृत्ति परीक्षा

आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को आधुनिक आईटी कौशल से जोड़ने की दिशा में हरियाणा सरकार की महत्वपूर्ण पहल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार की स्न्नरु योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए आधुनिक तकनीकी शिक्षा और रोजगार के नए द्वार खोलने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए हारट्रॉन द्वारा SAFAL योजना के तहत आयोजित SAFAL Computer-Based Scholarship Test का 6 सितंबर 2026 को प्रदेशभर में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। परीक्षा में 1,720 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें से योजना के तहत चयनित 1,000 पात्र विद्यार्थियों को आधुनिक आईटी क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण के साथ निर्धारित पाठ्यक्रम फीस में 75 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। हारट्रॉन के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि स्न्नरु योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को आधुनिक Information Technology के क्षेत्र में उद्योग उन्मुख प्रशिक्षण उपलब्ध करवाकर उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना है। योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी जरूरतों के अनुरूप तैयार किया जाएगा, ताकि वे शिक्षा के साथ-साथ रोजगार और आत्मनिर्भरता के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि स्न्नरु योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को Artificial Intelligence (AI), Data Science & Analytics, Cyber Security, Cloud Computing, Internet of Things (IoT), Web & Mobile Technologies तथा Big Data Analytics जैसे अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर जिला में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान- उपायुक्त नेहा सिंह

एजेंसी

सोनीपत। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक जिला में सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा।उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि जिला सोनीपत में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी नियुक्त किए जा चुके हैं। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि अभियान के सभी कार्यक्रमों का समयबद्ध, प्रभावी एवं जनभागीदारी के साथ आयोजन सुनिश्चित किया जाए।

उपायुक्त ने कहा कि एक माह तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य सेवा, समर्पण, सुशासन, अंत्योदय और विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए आमजन, सामाजिक संगठनों, युवाओं, स्वयं सहायता समूहों, विद्यार्थियों तथा विभिन्न संस्थाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत लगभग 14 प्रमुख मॉड्यूल एवं

कार्य-योजनाओं के माध्यम से जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें आशीर्वाद का दीया, 25 करोड़ बच्चों का सपनों का भारत, नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, रंगोली राष्ट्र, राष्ट्रीय नवाचार चुनौती, जन सेवक महाकुंभ–पंचायत से संसद तक सहित अन्य कार्यक्रम शामिल हैं। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि अभियान के पहले दिन 17 सितंबर की सायंकाल आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बूथ स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में प्रमुख सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों तथा कोविड-19 टीकाकरण के लाभार्थियों को शामिल किया जाएगा।

कार्यक्रम में लाभार्थी दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दीर्घ सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करेंगे। जिले के विभिन्न अधिकारी भी दीप प्रज्वलन से संबंधित फोटो एवं वीडियो सोशल मीडिया पर ॥आशीर्वाद का दीया के साथ साझा करेंगे। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि सेवा सेतु अभियान के तहत विधानसभा स्तर पर विशेष सेवा शिविर सरकार आपके द्वार आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों को मौके पर उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाएगा। नागरिकों की समस्याओं एवं आवेदनों का यथासंभव मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

गौरव गौतम की मौजूदगी में 52 पाल महापंचायत का बड़ा फैसला, विवाह समारोहों में फिजूलखर्ची पर लगेगी रोक

36 बिरादरी की 52 पाल महापंचायत में सामाजिक कुरीतियों पर बड़ा फैसला

एजेंसी

पलवल। मंडकोला गांव में 36 बिरादरी की 52 पाल की विशाल महापंचायत आयोजित हुई। महापंचायत में हरियाणा के खेल एवं युवा अधिकारिता मंत्री गौरव गौतम ने शिरकत की। इस दौरान समाज में बढ़ती फिजूलखर्ची और विभिन्न सामाजिक कुरीतियों को लेकर गहन मंथन किया गया। पंचायत में विवाह समारोहों में होने वाले अनावश्यक खर्च को कम करने, पारंपरिक रस्मों को सादगी से निभाने तथा सामाजिक स्तर पर अनुशासन कायम करने को लेकर कई अहम फैसले लिए गए। महापंचायत में तय किया गया कि विवाह से जुड़ी रस्मों में अनावश्यक दिखावे और खर्च को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। सगाई की रस्म को सीमित रखते हुए लड़के को एक रुपया, पांच कपड़े और एक किलो मिठाई देने की

व्यवस्था रखने पर सहमति बनी। वहीं बच्चों और लड़कियों को भेंट के रूप में निर्धारित राशि देने की बात कही गई। इसका उद्देश्य सगाई समारोह को खर्चीला बनाने की बजाय सरल और पारिवारिक बनाए रखना है। महापंचायत में लड़की की गोद भराई की रस्म को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। तय किया गया कि इस रस्म में सीमित संख्या में महिला-पुरुष ही शामिल होंगे। लड़की के लिए एक अंगूठी, एक जोड़ी कपड़े और एक किलो मिठाई देने की व्यवस्था रहेगी। पंचायत ने स्पष्ट किया कि रस्मों के नाम पर परिवारों पर आर्थिक बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। लग्न की रस्म को लेकर निर्णय लिया गया कि लड़के पक्ष की ओर से सीमित संख्या में रिश्तेदार ही लग्न लेकर जाएंगे। इसमें एक रुपया, पांच कपड़े, मिठाई आदि निर्धारित सामग्री ही ले जाने पर जोर दिया गया। लग्न के दौरान गांव की रिश्तेदारी को मौसम के अनुसार चाय-पानी कराया जा सकता है, लेकिन भोजन की व्यवस्था केवल परिवार तक सीमित रखने की बात कही गई।

भात की रस्म में भी लोगों की संख्या सीमित करने का फैसला किया गया। महापंचायत में कहा गया कि भात न्योतने के लिए सीमित संख्या में लोग जाएं और भात भरने की रस्म में भी अनावश्यक भीड़ और खर्च से बचा जाए। कपड़े, सोना-चांदी और अन्य उपहारों को लेकर भी निर्धारित सीमा का पालन करने पर जोर दिया गया।महापंचायत में यह भी तय किया गया कि विवाह की पारंपरिक रस्में महिलाएं, बहन-बेटियां और परिवार की महिलाएं परंपरागत तरीके से निभाएंगी।

कैथलः आठ माह में नशा तस्करी के 153 मामले, 235 आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

कैथल। नशे के खिलाफ कैथल पुलिस की कार्रवाई का असर अब गांवों तक दिखाई देने लगा है। वर्ष 2026 के पहले आठ महीनों में पुलिस ने नशा तस्करी के 153 मामले दर्ज कर 235 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने तीन हजार किलो से अधिक डोडा पोस्त सहित भारी मात्रा में विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। वहीं, ग्रामीणों और ग्राम पंचायतों के सहयोग से जिले के 254 गांव नशामुक्त श्रेणी में दर्ज हो चुके हैं। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से 3050 किलो 760 ग्राम डोडा पोस्त, 144 किलो 381 ग्राम चूरा पोस्त, 157 किलो 738 ग्राम गांजा, 16 किलो 51 ग्राम अफीम, सात किलो 30 ग्राम चरस और एक किलो 768 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इसके अलावा 15 किलो 130 ग्राम अफीम के पौधे, 7183 नशीली गोलियां, 348 नशीले इंजेक्शन तथा नशीली गोलियों का तीन किलो 206 ग्राम घोल भी जब्त किया गया है। इन 153 मामलों में 34 मामले कामर्शियल क्वांटिटी के हैं, जिनमें पुलिस ने 60 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि नशामुक्त घोषित गांवों में भी लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि नशे की बिक्री और सप्लाई दोबारा पैर न पसार सके। नशे के कारोबार से अवैध रूप से अर्जित संपत्ति पर भी पुलिस और जिला प्रशासन ने शिकंजा कसा है। वर्ष 2026 में पांच आदतन नशा तस्करों की करीब 84 लाख रुपये की संपत्ति फ्रीज करवाई गई। इनमें गांव खरकां निवासी बीरो देवी, उसके पति मालक राम और पुत्र रवि तथा सजुमा रोड कलायत निवासी राजेश और उसका भाई विकास शामिल हैं।

सोने-चांदी की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में बदलाव आया है। इन दोनो कीमती धातुओं में आज हल्की नरमी आई। आज 24 कैरेट सोने की कीमतें करीब 1,52,815 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं, बुलियन बाजार में 24 कैरेट सोना लगभग 1,53,340 रुपये प्रति 10 ग्राम बताया गया है। हालांकि, खुदरा बाजार मेंकीमतों में महत्वपूर्ण अंतर देखा जा रहा है। देश के प्रमुख शहरों की बात करें तो, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव लगभग 1,54,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोना 1,16,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर उपलब्ध है। मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों में 24 कैरेट सोना करीब 1,54,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर मिल रहा है, जबकि चेन्नई में यह आंकड़ा बढ़कर 1,56,670 रुपये तक पहुंच गया है, जो अन्य शहरों से थोड़ा अधिक है।इसके अलावा चांदी की कीमतों में भी आज हल्की नरमी आई है। आज चांदी लगभग 2,37,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है, जो पिछले कारोबारी सत्र में 2,37,658 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। खुदरा बाजार में चांदी का भाव शहर दर शहर बदलता है। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में चांदी करीब 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। वहीं, चेन्नई सहित कुछ अन्य शहरों में इसका भाव 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि सोने और चांदी की कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थिति का गहरा असर पड़ता है। अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर बदलती उम्मीदें, डॉलर की चाल, कच्चे तेल की कीमतें और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव जैसे कई कारण इन कीमती धातुओं के भाव को लगातार प्रभावित कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेजी की कीमतों में तेजी आई है। ये तेजी अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण आई है। इसी कारण ब्रेंट क्रूड करीब 0.6 फीसदी बढ़कर 96.8 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 92 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह भी कच्चे तेल में भारी तेजी आई है। इसमें ब्रेंट लगभग 7.8 फीसदी और डब्ल्यूटीआई लगभग 10 फीसदी महंगा हुआ था। इस मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास तेल टैंकरों पर हुए जवाबी हमले हैं, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।अमेरिका और ईरान के बीच दोबारा तेज हुए हमलों के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आवाजाही काफी कम हो गई है। , पिछले 10 दिनों में औसतन सिर्फ 10 कमोडिटी जहाज रोजाना इस जलडमरूमध्य से गुजरे हैं, जो मई के बाद का सबसे निचला स्तर है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव आगे और बढ़ने की आशंका है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई ने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर एक प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जा सकता है। यदि जहाजों की आवाजाही पर और अधिक पाबंदियां लगाई जाती हैं, तो वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति पर और दबव पड़ेगा जिससे कीमतें और बढ़ेगी। इस बीच, रविवार को हुई बैठक में ओपेक+ (तेल उत्पादक देशों का समूह) ने अक्टूबर के लिए अपनी तेल उत्पादन नीति में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे बाजार को कोई राहत नहीं मिली। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय तक तनाव बना रहने की आशंका ज्यादा है, जिसमें सीमित सैन्य कार्रवाई भी जारी रह सकती है। उनका अनुमान है कि 2026 के बाकी महीनों में पश्चिम एशिया से तेल निर्यात पर दबाव बना रह सकता है।

आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन के भाव में हुआ सुधार

बिनौला तेल टूटा, सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव बने रहे स्थिर

नई दिल्ली।

बाजार में सोयाबीन की आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव में हल्का सुधार दर्ज किया गया। औद्योगिक मांग बढ़ने और अन्य खाद्य तेलों की तुलना में सस्ता होने के कारण कच्चे पाम तेल और पामोलीन की कीमतों में भी तेजी रही। दूसरी ओर आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली किए जाने से सोयाबीन तेल के भाव दबाव में रहे जबकि ऊंची कीमतों पर मांग कमजोर पड़ने से बिनौला तेल भी टूट गया। सुस्त कारोबार के बीच सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव स्थिर बने रहे।

सूत्रों के मुताबिक सप्ताहांत में मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जबकि दैनिक मांग करीब 2.5 से 3 लाख बोरी है। आवक कम होने और त्योहारी मांग के कारण सोयाबीन तिलहन में मामूली मजबूती आई। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव 25-25 रुपए बढ़कर क्रमशः 6,700-6,750 रुपए और 6,550-6,650 रुपए प्रति क्विंटल हो गया।

वहीं, आयातकों की लागत से नीचे बिक्री का असर सोयाबीन तेल पर पड़ा। सूत्रों के मुताबिक सोयाबीन डीगम के आयात की लागत करीब 125 रुपए प्रति किलो बैठती है, जबकि आयातक इसे करीब 118.50 रुपए प्रति किलो में बेच रहे हैं। इस वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपए घटकर 15,600 रुपए प्रति क्विंटल रह गया। सोयाबीन इंदौर तेल भी 150 रुपए टूटकर 15,400 और सोयाबीन डीगम 200 रुपए गिरकर 11,850 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

औद्योगिक मांग बढ़ने और दूसरे खाद्य तेलों की तुलना में पाम तेल सस्ता होने से सीपीओ और पामोलीन के भाव मजबूत हुए। सीपीओ 150 रुपए बढ़कर 14,100 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली 150 रुपए बढ़कर 16,000 रुपए और पामोलीन एक्स-कांडला 100 रुपए बढ़कर 14,700 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

ऊंचे भाव पर लिवाली कमजोर रहने से बिनौला तेल 400 रुपए गिरकर 16,500 रुपए प्रति क्विंटल रह गया।

दूसरी ओर सरसों दाना 8,300-8,350 रुपए और सरसों तेल दादरी 16,800 रुपए प्रति क्विंटल पर स्थिर रहा। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,735-2,835 रुपए और 2,735-2,885 रुपए प्रति 15 किलो टिन पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन 7,350-7,925 रुपए, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये प्रति क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपए प्रति टिन पर स्थिर रहे।

घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं आया है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल के दाम पुराने स्तर पर ही स्थिर बने हुए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को फिलहाल थोड़ी राहत मिली है। तेल कंपनियों ने आज भी कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया।

गौरतलब है कि तेल की कीमतें कई वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करती है। इनमें सबसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें हैं। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो तेल कंपनियों की खरीद लागत बढ़ जाती है, जिसका सीधा असर भारत में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर पड़ता है। इसी तरह, भारतीय रुपया और अमेरिकी डॉलर के बीच की विनिमय दर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होता है, तो कच्चे तेल का आयात महंगा हो जाता है, भले ही डॉलर में उसकी कीमत स्थिर रहे। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए विभिन्न टैक्स (जैसे उत्पाद शुल्क और वैट), डीलर कमीशन और अन्य परिचालन लागतें भी अंतिम उपभोक्ता मूल्य का एक बड़ा हिस्सा होती हैं।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ ही 94.49 पर बंद हुआ। वहीं सुबह रुपया 10 पैसे की मजबूती के साथ लगभग 94.39 से 94.47 के स्तर पर खुला। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और ईरान अमेरिका तनाव भी दबाव के कारण भी रुपया गिरा है। शेयर बाजार की गिरावट का प्रभाव भी भी रुपये पर आया है। वहीं पिछले कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.53 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में बढ़त दर्ज करते हुए 94.46 के स्तर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ था और 22 पैसे की बढ़त के साथ 94.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 382, निफ्टी 118 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 382.62 अंक नीचे आकर 76,132.81 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 118.55 अंक टूटकर 23,779.15 के स्तर पर बंद हुआ।

आज के सत्र में कुल 4729 शेयरों में कारोबार हुआ। इसमें गिरावट वाले शेयरों की संख्या बढ़त वाले शेयरों से ज्यादा थी। 2470 शेयरों में लाल निशान पर कारोबार समाप्त हुआ, जबकि 2018 शेयरों में तेजी रही। वहीं 241 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। निफ्टी पर सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में इन्फोसिस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टेक महिंद्रा, जियो फाइनेंशियल और एचडीएफसी लाइफ के शेयर रहे जबकि अपोलो हॉस्पिटल्स, भारती एयरटेल, एलएंडटी, कोल इंडिया और मैक्स हेल्थकेयर के शेयरों में तेजी रही। फार्मा सेक्टर ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा जो बढ़त के साथ बंद हुआ।

इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), मीडिया, मेटल, पीएसयू बैंक और रियल्टी जैसे सभी प्रमुख सेक्टर इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में भी 0.5 फीसदी की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में बदलाव नहीं हुआ। ये बाजार में बिकवाली के दबाव को दिखाता है। बाजार में इस गिरावट के पीछे । वैश्विक तेल बेंचमार्क, ब्रेंट क्रूड की कीमतों में बढ़ोतरी एक बड़ी वजह बनकर उभरी, जो 0.78 प्रतिशत बढ़कर 97 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मुद्रास्फीति की चिंताओं को बढ़ाती हैं, जिसका असर शेयर बाजारों पर पड़ना स्वाभाविक है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे, जबकि एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला - दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई बढ़त में रहे, लेकिन शंघाई और हांगकांग के सूचकांक लाल निशान पर थे।विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार दूसरे सत्र में बिकवाली ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया।

शुक्रवार को विदेशी निवेशकोंने भारतीय इक्विटी बाजार से 3,111.94 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। वहीं इससे पहले आज सुबह भी घरेलू बाजार गिरावट के साथ खुला था। सुबह सेंसेक्स 133.65 अंक की गिरावट के साथ 76,381.78 पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी50 भी 47.30 अंक नीचे आकर 23,850.40 के स्तर पर पहुंच गया।

पिछले एक महीने में सोना, चांदी और बिटकॉइन ने निवेशकों को दिया अच्छा रिटर्न

बिटकॉइन 26 फीसदी चढ़कर 80,000 डॉलर के स्तर के पार पहुंच गया

नई दिल्ली,

पिछले एक महीने में सोना, चांदी और बिटकॉइन ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। सोने की कीमत करीब 7.6 फीसदी और चांदी की कीमत करीब 6 फीसदी बढ़ी है। वहीं बिटकॉइन करीब 26 फीसदी चढ़कर दोबारा 80,000 डॉलर के स्तर के पार पहुंच गया है। हालांकि, अब इन परिसंपत्तियों की तेजी के सामने अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर बढ़ोतरी बड़ी चुनौती बन सकती है। सीएमई फेडवॉच के मुताबिक बाजार में इस साल के आखिर तक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाने की करीब 58 फीसदी संभावना जताई जा रही है। एक महीने पहले यह अनुमान करीब 45 फीसदी था। ब्याज दर बढ़ने पर अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड और डॉलर मजबूत हो सकते हैं। ऐसे में बिना ब्याज देने वाले सोने और चांदी की तुलना में बॉन्ड निवेशकों को ज्यादा आकर्षित कर सकते हैं। बिटकॉइन जैसी जोखिम वाली परिसंपत्तियों पर भी ऊंची ब्याज दरों का दबाव पड़ सकता है।हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार सोने की स्थिति कुछ अलग हो सकती है। दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की मांग बनी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटी विश्लेषक मानव मोदी के मुताबिक सोने और चांदी को अभी भी मजबूत मांग का समर्थन मिल रहा है, लेकिन फेड का सख्त रुख निकट अवधि में कीमतों के लिए चुनौती बन सकता है। केंद्रीय बैंक भी सोने की मांग को सहारा दे रहे हैं। विश्व स्वर्ण परिषद के आंकड़ों के मुताबिक इस साल जुलाई तक केंद्रीय बैंकों ने करीब 130 टन सोना खरीदा है। चीन समेत कई देशों के केंद्रीय बैंक लगातार अपने स्वर्ण भंडार में इजाफा कर रहे हैं।

रसोई गैस के सिलेंडर की कीमतें स्थिर, पर व्यावसायिक सिलेंडर महंगा हुआ

नई दिल्ली । रसोई गैस के उपभोक्ताओं के लिए सोमवार को एक मिश्रित खबर सामने आई है। जहां एक ओर घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे लाखों परिवारों को तत्काल राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल होने वाले गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह स्थिति विभिन्न आर्थिक वर्गों पर अलग-अलग तरह से असर डालेगी, खासकर उन कारोबारियों के लिए जिनकी ईंधन लागत सीधे तौर पर उनके उत्पादों और सेवाओं की कीमत को प्रभावित करती है।दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू गैस सिलेंडर आज भी 942 रुपये में उपलब्ध है, इसकी कीमत में कोई वृद्धि नहीं हुई है। हालांकि, यह राहत सिर्फ घरेलू उपभोक्ताओं तक ही सीमित है। होटल, रेस्तरां, ढाबे और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले 19 किलोग्राम के कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में वृद्धि हुई है। दिल्ली में अब यह सिलेंडर 2747.50 रुपये का मिलेगा, जबकि पिछले महीने इसकी कीमत 2738 रुपये थी। इस प्रकार, प्रति सिलेंडर 9.50 रुपये की मामूली लेकिन महत्वपूर्ण बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह वृद्धि सीधे तौर पर इन व्यवसायों की परिचालन लागत को बढ़ाएगी।

जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक अब 7 अक्टूबर को होने की संभावना

-12 सितंबर को होने वाली थी यह बैठक, ब्रिक्स सम्मेलन के कारण टाली

नई दिल्ली।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 57वीं बैठक अब 7 अक्टूबर को नई दिल्ली में हो सकती है। पहले यह बैठक 12 सितंबर को होने वाली थी, लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन के कारण इसे टाल दिया गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अभी नई तारीख की आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं हुई है। जीएसटी अधिकारियों की तैयारी के लिए 5 और 6 अक्टूबर को बैठकें होंगी। पहली बैठक 5 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे और दूसरी 6 अक्टूबर को सुबह 11 बजे होगी।यह एक साल से ज्यादा समय बाद जीएसटी परिषद की पहली बैठक होगी। पिछली बैठक 3 और 4 सितंबर 2025 को हुई थी। इसमें जीएसटी व्यवस्था में बड़े बदलाव को मंजूरी दी गई थी। इन बदलावों के तहत ज्यादातर वस्तुओं और सेवाओं को 5 और 18 फीसदी की दो मुख्य कर दरों में रखा गया था। कुछ महंगी और ज्यादा कर वाली वस्तुओं के लिए 40 फीसदी की विशेष दर भी तय की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में होने वाली बैठक में इनपुट टैक्स क्रेडिट, रिफंड और जीएसटी अनुपालन से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। कुछ मामलों में आईटीसी के दावे से जुड़ी पाबंदियों को आसान करने और उलटी शुल्क संरचना के कारण जमा हो रहे क्रेडिट की समस्या दूर करने के प्रस्तावों पर भी विचार हो सकता है।

मारुति हर महीने 16,000 से ज्यादा बेचती है बलेनो, अब बनाई नई योजना

कंपनी ने इस सप्ताह करीब 6.1 लाख से शुरू होने वाली नई बलेनो करेगी लॉन्च

नई दिल्ली।

मारुति सुजूकी इंडिया प्रीमियम हैचबैक की अहमियत बरकरार रहने पर दांव लगा रही है। हालांकि यात्री वाहन बाजार में स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) का दबदबा बढ़ रहा है।

यह ऐसे समय हो रहा है, जब चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीने में प्रीमियम हैचबैक श्रेणी ने समूचे उद्योग की तुलना में तेज इजाफा दर्ज किया है। मारुति सुजूकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि फिलहाल प्रीमियम हैचबैक उद्योग का स्तर हर महीने करीब 50,000 वाहन होने का अनुमान है और इस श्रेणी में मारुति सुजूकी की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है।बनर्जी ने कहा कि मारुति की प्रीमियम हैचबैक बिक्री अप्रैल और अगस्त के बीच 28 फीसदी बढ़ी, जबकि उद्योग की वृद्धि 17 फीसदी रही। कंपनी नई बलेनो के साथ अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है।

इसमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम समेत कई नई खूबियां हैं। कंपनी को उम्मीद है कि साल 2030 तक देश में यात्री वाहनों का समूचा बाजार 61 लाख से 63 लाख वाहनों तक पहुंच जाएगा। अनुमान है कि तब तक बाजार में एसयूवी की हिस्सेदारी 62 से 63 फीसदी होगी, जबकि हैचबैक और मल्टी-पर्पज व्हीकल के लिए करीब 37 से 38 फीसदी हिस्सेदारी ही बचेगी। बनर्जी ने कहा कि हमारा मानना है कि यह उद्योग करीब 63 लाख वाहनों का होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मारुति को गैर-एसयूवी श्रेणी में काफी गुंजाइश दिख रही है। कंपनी का अनुमान है कि साल 2030 तक यह बाजार लगभग 25 लाख वाहनों तक पहुंच सकता है, जबकि इस क्षेत्र में उसका अपना कारोबार मौजूदा करीब 6 लाख वाहनों से बढ़कर 12 लाख वाहनों तक हो सकता है।फिलहाल मारुति हर महीने करीब 16,000 से 16,500 बलेनो बेचती है।

उसकी फ्रॉन्क्स क्रॉसओवर की लगभग 17,000 से 18,000 गाड़ियां बिकती हैं। दोनों मॉडल एक ही प्रोडक्शन लाइन पर बनाए जाते हैं। साथ ही कंपनी दोनों मॉडलों की प्रतीक्षा अवधि के आधार पर इनका उत्पादन घटाती-बढ़ाती है। कंपनी ने इस सप्ताहांत करीब 6.1 लाख रुपए से शुरू होने वाली नई बलेनो बाजार में उतारेगी।

नई बलेनो में एडीएएस के साथ ह्यूमन डिटेक्शन की सुविधा भी मिलेगी। बनर्जी के मुताबिक प्रीमियम हैचबैक श्रेणी में ऐसा पहली बार हो रहा है।

एनएसई ने किया शेयर बाजार के प्री-ओपन सेशन के नियमों में बदलाव

-अब सुबह 9 से 9:05 बजे तक निवेशक मार्केट और लिमिट के लगा सकेंगे ऑर्डर

नई दिल्ली।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने शेयर बाजार के प्री-ओपन सेशन के नियमों में बदलाव किया है। नई व्यवस्था में सुबह 9 बजे से 9:15 बजे तक चलने वाले प्री-ओपन सेशन के दौरान ऑर्डर लगाने, बदलने और रद्द करने की समय सीमा में बदलाव किया गया है। यह व्यवस्था इक्विटी कैश मार्केट के सभी शेयरों के साथ एसएमई शेयर, इनविट्स, रीट्स और डेरिवेटिव सेगमेंट पर भी लागू होगी। सबसे बड़ा बदलाव शुरुआती पांच मिनट में किया। अब सुबह 9 बजे से 9:05 बजे तक निवेशक मार्केट और लिमिट दोनों तरह के ऑर्डर लगा सकेंगे। इस दौरान ऑर्डर में बदलाव या उसे रद्द करने की भी सुविधा होगी। पहले यह समय सुबह 9 बजे से 9:08 बजे तक था।

रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 9:05 से 9:10 बजे के बीच नए लिमिट ऑर्डर लगाए जा सकेंगे। पहले लगाए गए लिमिट ऑर्डर में बदलाव या उसे रद्द किया जा सकेगा, लेकिन मार्केट ऑर्डर को बदलने या रद्द करने की अनुमति नहीं होगी। इस अवधि के आखिरी दो मिनट में सिस्टम अचानक ऑर्डर लेना बंद कर सकता है। ऐसे में ट्रेडर्स के लिए समय पर फैसला लेना जरूरी होगा। सुबह 9:10 से 9:12 बजे तक ऑर्डर मैच किए जाएंगे और इसी प्रक्रिया के आधार पर शेयरों की शुरुआती कीमत तय होगी। इसके बाद 9:12 से 9:15 बजे तक बफर पीरियड रहेगा और फिर सुबह 9:15 बजे सामान्य कारोबार शुरू होगा।

एनएसई के मुताबिक ओपनिंग प्राइस मांग और आपूर्ति के आधार पर तय की जाएगी। इसे इक्विलिब्रियम प्राइस कहा जाता है। यानी वह कीमत चुनी जाएगी, जिस पर सबसे ज्यादा शेयरों की खरीद-बिक्री संभव हो। अगर कई कीमतों पर समान मात्रा में कारोबार संभव हो, तो खरीद और बिक्री के ऑर्डर के बीच सबसे कम अंतर वाली कीमत को प्राथमिकता मिलेगी। इसके बाद भी स्थिति बराबर रहने पर पिछले कारोबारी दिन की क्लोजिंग कीमत के सबसे करीब वाली कीमत को शुरुआती कीमत माना जाएगा। नई व्यवस्था के बाद बाजार खुलने से पहले के शुरुआती पांच मिनट ट्रेडर्स के लिए खास तौर पर अहम होंगे, क्योंकि इस दौरान रातभर आई खबरों और वैश्विक बाजारों की हलचल के आधार पर ऑर्डर तेजी से बदल सकते हैं।

पर्पल स्टाइल लैब्स का शेयर 535 के भाव पर खुला, निवेशकों को 40 रुपए का नुकसान

-शाहरुख खान, सलमान खान, सचिन और माधुरी दीक्षित का भी इसमें लगा है पैसा

नई दिल्ली,।

पर्पल स्टाइल लैब्स शेयर की स्टॉक मार्केट में शुरुआत फीकी रही है। एनएसई और बीएसई पर यह शेयर करीब 7 फीसदी के डिस्काउंट पर लिस्ट हुआ है। पर्पल स्टाइल लैब्स का शेयर 535 रुपए के भाव पर खुला। यह 575 रुपए प्रति शेयर के इश्यू प्राइस से 6.96 फीसदी कम है यानी हर शेयर पर आईपीओ निवेशकों को 40 रुपए का नुकसान हुआ। वहीं, बीएसई पर कंपनी के शेयर 539 पर लिस्ट हुआ जो इश्यू प्राइस के मुकाबले 6.26 फीसदी की गिरावट दिखाता है।रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख खान, सलमान खान, सचिन तेंदुलकर और माधुरी दीक्षित का भी पर्पल स्टाइल लैब्स में पैसा लगा है। लिस्टिंग के बाद पर्पल स्टाइल लैब्स का बाजार पूंजीकरण करीब 4,315.29 करोड़ हो गया। सोमवार सुबह पर्पल स्टाइल लैब के शेयर ग्रे मार्केट में 2 फीसदी डिस्काउंट पर कारोबार कर रहे थे, लेकिन लिस्टिंग ग्रे मार्केट के अनुमान से भी ज्यादा डिस्काउंट पर हुई।पर्पल स्टाइल लैब्स आईपीओ को 2 सितंबर को बंद हुआ था। इश्यू 1.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसे रिटेल कैटेगरी में 1.66 गुना, क्युआईबी कैटेगरी में 1.50 गुना और एनआईआई कैटेगरी में 0.89 गुना बोलियां मिली थी। 680 करोड़ रुपए का यह आईपीओ पूरी तरह फ्रेश इश्यू था। इसका प्राइस बैंड 546 से 575 प्रति शेयर तय था। एक लॉट में 26 शेयर थे। रिटेल निवेशक कम से कम एक लॉट के लिए बोली लगाना अनिवार्य था। अपर प्राइस बैंड के हिसाब से रिटेल निवेशकों ने इस आईपीओ में कम से कम 14,950 रुपए लगाए। हर लाट पर उन्हें अब 1040 रुपए का नुकसान हुआ है। पर्पल स्टाइल लैब्स आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए 75फीसदी, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए 15फीसदी और रिटेल निवेशकों के लिए 10फीसदी कोटा आरक्षित था।

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशनी

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए।

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितंबर को विश्वभर में ह्यअंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसह्ण मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की 60वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितंबर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितंबर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं

लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'लोगों, धरती और समृद्धि के लिए साक्षरता'। वर्ष 2025 और 2024 में साक्षरता दिवस क्रमशः 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना' और 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

संपादकीय

इसरो की कामयाबी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपनी पहले जियोसिंक्रोनस इमेजिंग सैटेलाइट का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण कर उसे पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया है। इसे इसरो की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है कि क्योंकि यह इमेजिंग उपग्रह देश के किसी भी क्षेत्र के रियल-टाइम चित्र दे सकेगा। जो समुद्री सुरक्षा, सीमाओं की निगरानी, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी मूल्यवान जानकारी तो देगा ही, साथ ही पर्यावरण की निगरानी भी करेगा। इसके अलावा फसलों की स्थिति, मिट्टी की नमी व वनस्पति की सेहत की जानकारी देकर खेत-खलिहानों के लिये भी बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। साथ ही उपग्रह आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी जानकारियां उपलब्ध करायेगा। मसलन, बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति में पानी की स्थिति की सटीक जानकारी से आपदा राहत कार्य बेहतर ढंग से चलाने में मदद मिल सकेगी। निस्संदेह, इसके प्रक्षेपण से देश की धरती की निगरानी क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी। साथ ही धरती पर होने वाले असामान्य बदलावों पर समय रहते नजर रखी जा सकेगी। इसरो द्वारा जीएसएलवी-एफ 17 राकेट के जरिये किया गया यह सफल प्रक्षेपण वैज्ञानिकों को उत्साहित कर गया क्योंकि यह जियोसिंक्रोनस कक्षा से इमेजिंग करने वाला देश का पहला सैटेलाइट है। दरअसल, इस कक्षा में काम करने वाले उपग्रह का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि यह लक्षित बड़े क्षेत्र पर लगातार निगरानी करते हुए मौजूदा समय के फोटोग्राफ लगातार दे सकता है। जिससे मौसम, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन व भूमि की सतह में होने वाली बदलावों के निहितार्थों को समझना आसान हो सकेगा।

दरअसल, इस उपग्रह का लाभ अंतरिक्ष अनुसंधान व सामरिक लक्ष्यों तक ही सीमित नहीं रहेगा, यह खेती व किसानों के लिये भी उतना ही महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे मिलने वाले डेटा का प्रयोग हमारे भू-भाग पर उपलब्ध संसाधनों की निगरानी व उसकी प्रकृति में आ रहे बदलावों को समझने में भी मददगार होगा। दावा है कि उपग्रह से मिलने वाले चित्रों के विश्लेषण से फसलों की गुणवत्ता, प्राकृतिक प्रभावों के अलावा मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी जुटाने में सहायता मिल सकेगी। आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण व इस कार्य में लगी सरकारी एजेंसियों की मदद से खेती से जुड़ी नीतियों के निर्धारण, प्रभावी योजनाओं को बनाने और क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। महत्वपूर्ण बात यह भी कि देश के विभिन्न भागों में आने वाले चक्रवात, बाढ़, जंगलों में लगने वाली आग तथा कुदरती रौद्र के दौरान जहां रियल टाइम जानकारी मिल सकेगी, वहीं बचाव व राहत के नीति निर्धारण में भी समय रहते मददगार होगी। दरअसल, धरती की निगहबानी करने वाले उपग्रह प्रभावित क्षेत्रों के चित्र व आंकड़े तुरंत उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं, जो राहत-बचाव कार्यों में जुटी एजेंसियों के लिये मार्गदर्शक होते हैं। निस्संदेह, आज देश का स्पेस सेक्टर नई ऊंचाइयों की ओर उन्मुख है। देश में 450 से अधिक स्पेस स्टार्टअप्स की मौजूदगी इस बात का प्रमाण है। देश की निजी कंपनियां भी ऑर्बिट तक रॉकेट पहुंचाने लगी हैं। कह सकते हैं कि देश आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से लाभप्रद स्पेस इकोसिस्टम बनाने की ओर बढ़ चुका है।

चिंतन-मनन

शांति के लिए संतुलन जरूरी है

अति हमेशा नुकसान दायक है। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंझम मग्न यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन वह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्न था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर ढूंढ रहे थे।

जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। ये अतियां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चलने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करूंगा तो कीचड़ या गड्ढे में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन हमें बाहर और भीतर की यात्रा में रखना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं। स्वयं को जानते ही परमात्मा दिख जाता है। भगवान होना नहीं पड़ता, बस यह समझना पड़ता है कि हम हैं ही भगवान। जरा सा स्वयं का पता लगा और दुनिया बदली। इसीलिए संतुलन जरूरी है संयम की अति से।

विदेशी निवेशकों का मूड बदला, शेयर बाजार से 7443 करोड़ की निकासी

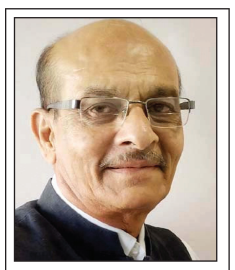

सनत जैन

शेयर बाजार बड़े-बड़े पूंजी निवेशकों की कमाई का अड्डा बन गया है। इसमें छोटे निवेशक और भारतीय संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन भारत सरकार और सेबी जैसी संस्थाएं आंख बंद करके बैठी हुए हैं। विदेशी निवेशकों ने 7,443 करोड़ की निकासी की है। जो बाजार के लिए बड़े खतरे की घंटी है। पहले भी विदेशी निवेशक लाखों करोड़ों रुपए निकाल चुके हैं। पिछले दो महीने की खरीदारी से थोड़ी आशा बंधी थी, लेकिन सितंबर माह में अमेरिका-ईरान तनाव, महंगा कच्चा तेल, मजबूत डॉलर और बॉन्ड यील्ड ने विदेशी निवेशकों की चिंता को बढ़ा दिया है। भारतीय शेयर बाजार के विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों की निकासी से एक बार फिर शेयर बाजार में चिंता हो गई है। करीब दो महीने तक भारतीय बाजार में लगातार पैसा लगाने के बाद विदेशी निवेशकों ने सितंबर के पहले सप्ताह में ही 7,443 करोड़ रुपये की निकासी कर ली है। यह केवल आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं है, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के प्रति विदेशी पूंजी की संवेदनशीलता का संकेत भी है। भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों को मुनाफे की जगह घाटा उठाना पड़ रहा है। वहीं भारतीय शेयर बाजार में जोखिम भी बढ़ता जा रहा है। अमेरिका-ईरान तनाव ने कच्चे तेल, डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिसका असर भारत जैसे बाजारों पर पड़ रहा है। यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है। विदेशी निवेशकों का मूड पिछले दो महीनों में ही बदल गया है। चार महीने की लगातार बिकवाली के बाद जुलाई और अगस्त में एफपीआई ने भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में पैसा लगाया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में उन्होंने करीब 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दो महीनों में कुल 51,119 करोड़ रुपये की विदेशी पूंजी भारतीय बाजार में आई। इसके तुरंत बाद सितंबर की शुरूआती बिकवाली ने बाजार के सामने फिर वही सवाल खड़ा कर दिया है। जो 4 माह पहले खड़ा हुआ था। विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय शेयर बाजार में बन नहीं पा रहा है। भू-राजनीतिक तनाव का असर तथा कंपनियों में धोखाधड़ी की खबरों को लेकर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को जोखिम के रूप में देख रहे हैं। शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव और निवेश अकेले भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं करते हैं। वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। तेल महंगा होने का सीधा असर आयात बिल, महंगाई और चालू खाते पर पड़ता है। इससे कंपनियों की कमाई पर असर पड़ता है। यह आशंका विदेशी निवेशकों को सतर्क कर रही है। भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। महंगाई बढ़ रही है। मांग कम हो रही है। इसका असर कंपनियों के मुनाफे पर दिखने लगा है। पिछले दो महीने में जिस तरह से भारत में आंदोलन धरना प्रदर्शन हो रहे हैं, घोटाले के बड़े-बड़े मामले सामने आ रहे हैं, इससे निवेशक भयभीत होकर शेयर बाजार से बाहर निकल रहे हैं। 2026 में शेयर बाजार से निकासी का यह आंकड़ा चिंताजनक है। सितंबर की शुरूआती बिकवाली ने वर्ष 2026 में विदेशी निवेशकों की कुल निकासी को 2.32 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया है। यह आंकड़ा 2025 में 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से अधिक है। बीच-बीच में विदेशी पूंजी की वापसी बाजार में भरोसे का संकेत देती है, उनका बार-बार तेजी से बाहर निकलना, भारतीय शेयर बाजार की विदेशी पूंजी पर निर्भरता को उजागर करता है। विदेशी निवेशक जब शेयर खरीदते हैं, बाजार में तेजी को बल मिलता है। भारी बिकवाली होने का असर कई रूप में देखने को मिल सकता है। छोटे और घरेलू निवेशकों पर इसका मनोवैज्ञानिक असर होता है। शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की असली परीक्षा आने वाले कुछ महीनों में सामने आएगी। विशेषज्ञों की नजर विदेशी निवेशकों के उस रुख पर है। यदि अमेरिकी बॉन्ड पर आकर्षक रिटर्न मिलता है। डॉलर मजबूत बना रहता है, ऐसी स्थिति में विदेशी पूंजी का बड़ा हिस्सा उभरते बाजारों से निकलकर विकसित बाजारों में निवेश की संभावना बढ़ेगी। जो भारतीय बाजार के लिए विदेशी पूंजी के उतार-चढ़ाव के बावजूद अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है। भारतीय अर्थ व्यवस्था की घरेलू मांग, कंपनियों की आय, सरकारी निवेश और घरेलू संस्थागत निवेशक, बाजार को सहारा दे सकते हैं। वैश्विक जोखिमों को देखते हुए भारतीय शेयर बाजार में दोहरी मार पड़ रही है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारतीय शेयर बाजार में नए इशू आ रहे हैं। इसमें मनमाना प्रीमियम लिया जा रहा है। विदेशी निवेशक इस खेल को अच्छी तरह से समझते हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय शेयर बाजार में उनके लिए दीर्घकालीन निवेश करने के लिए कोई अवसर नहीं है। जिसके कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। निवेश करने में रुचि नहीं ले रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ी चेतावनी है।

जहरीली शराब से फिर मौतों का तांडव :सागर से उठता सवाल -जहरीली शराब की कीमत कौन चुका रहा है?

किशन सनमुखदास

मौतें जनता की,राजस्व सरकार का और फायदा माफिया का? -शराब माफिया बड़ा या सरकारी सिस्टम?- समग्र व्यापक विश्लेषण...

हर बार मौत,हर बार जांच, फिर वही जहरीली शराबः आखिर कब टूटेगा माफिया का नेटवर्क?

सागर की जहरीली शराब त्रासदी :मौत के जाम के पीछे कौन? शराब माफिया,प्रशासन और सिस्टम कीजवाबदेही पर बड़ा सवाल?-कब रुकेगा मौत का यह सिलसिला? -देशभर के लिए जहरीली शराब के खिलाफ निर्णायक जंग का आह्वान

वैश्विक स्तरपर भारत में जहरीली शराब से मौत की खबर कोई नई खबर नहीं है।वर्षों से अलग-अलग राज्यों से ऐसी त्रासदियां सामने आती रही हैं और हर बार मौतों के बाद जांच,छापे, गिरफ्तारी,निलंबन, मुआवजा और कठोर कार्रवाई के आश्वासन सुनाई देते हैं।लेकिन कुछ समय बाद वही कहानी किसी दूसरे जिले, दूसरे राज्य और दूसरे गांव में फिर सामने आ जाती है। 6 सितंबर 2026 को मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा क्षेत्र से सामने आई कथित जहरीली/अवैध शराब की त्रासदी ने इसी पुराने प्रश्न को फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है, आखिर जहरीली शराब का नेटवर्क बार-बार क्यों लौट आता है और उसे स्थायी रूप से तोड़ने में व्यवस्था क्यों सफल नहीं हो पा रही? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि सागर में 6 सितंबर को सुबह से मृतकों की संख्या लगातार बदलती रही।शुरूआती रिपोर्टों में 8-9 मौतें सामने आईं,बाद में 11 और कुछ रिपोर्टों में 12 से 14 से अधिक मौतों की सूचना दी गई।30 से अधिक लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें भी सामने आईं। प्रभावित क्षेत्र में बंडा तहसील के कई गांवों के नाम सामने आए हैं और प्रशासन ने मेडिकल तथा जांच टीमें तैनात की हैं। शुरूआती चिकित्सकीय आकलन में मेथनॉल विषाक्तता की आशंका व्यक्त की गई,लेकिन अंतिम कारण पोस्टमार्टम और रासायनिक जांच के बाद ही निश्चित होगा।

साथियों, इस घटना ने एक और गंभीर पहलू सामने रखा है। प्रारंभिक जांच संबंधी रिपोर्टों में उत्तर प्रदेश के ललितपुर से कथित नकली शराब नेटवर्क का कनेक्शन सामने आने की बात कही गई है।जांच रिपोर्टों के अनुसार नकली शराब को वास्तविक ब्रांड जैसा दिखाने के लिए नकली लेबल, ढक्कन और क्यूरआर कोड का इस्तेमाल किए जाने का आरोप है तथा इसे वाहनों और मोटरसाइकिलों के माध्यम से मध्य प्रदेश के गांवों तक पहुंचाने की बात सामने आई है।कुछ रिपोर्टों में पांच शराब दुकानों को सील किए जाने की जानकारी भी है। हालांकि इस पूरे नेटवर्क की वास्तविक संरचना और किस स्तर तक इसकी पहुंच थी,यह जांच पूरी होने के बाद ही सटीकता से स्पष्ट होगा।

साथियों,यहीं से पहला और सबसे बड़ा प्रश्न उठता है शराब माफिया आखिर इतना संगठित कैसे हो जाता है कि नकली उत्पाद तैयार कर सके,उसे असली ब्रांड जैसा पैक कर सके,नकली क्यूरआर कोड लगा सके,सीमावर्ती जिलों में पहुंचा सके और अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचा सके? यदि किसी नेटवर्क में उत्पादन, पैकेजिंग, परिवहन, वितरण और स्थानीय बिक्री की अलग- अलग कड़ियां मौजूद हैं,तो यह केवल एक व्यक्ति की आपराधिक गतिविधि नहीं रह जाती;यह संगठित अवैध अर्थव्यवस्था का रूप ले लेती है।सागर की प्रारंभिक जांच में ललितपुर कनेक्शन की बात सामने आना इसी पहलू को गंभीर बनाता है।

साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े पहले स्तरः शराब माफिया,नकली शराब की पूरी श्रृंखला को समझने की करें तो,अवैध शराब का कारोबार सामान्यतः केवल उस व्यक्ति तक सीमित नहीं होता जो अंतिम बोतल बेचता है।सवाल यह है कि नकली शराब बनती कहां है,उसके लिए कच्चा माल और रसायन कहां से आते हैं,उसे तैयार कौन करता है,बोतलों में कौन भरता है नकली ब्रांडिंग कौन करता है,परिवहन कौन करता हैऔर स्थानीय स्तर पर उसे बेचने वाला कौन है? सागर मामले में यदि ललितपुर से उत्पादन और सागर तक आपूर्ति की जांच सही साबित होती है, तो जांच एजेंसियों को केवल स्थानीय विक्रेता तक रुकने के बजाय पूरे सप्लाई नेटवर्क को खंगालना होगा।मई 2026 के पुणे मामले ने भी इसी नेटवर्क की गंभीरता दिखाई थी। वहां जांच में मेथनॉल की आपूर्ति और उसे अवैध शराब में मिलाए जाने की कड़ी सामने आई तथा एफडीए ने हजारों किलोग्राम मेथनॉल जब्त किया था।यानें जहरीली शराब की समस्या केवल कुछ लोग चोरी से शराब बना रहे हैं तक सीमित नहीं है; इसके पीछे रसायनों की उपलब्धता,अवैध उत्पादन वितरण और स्थानीय बिक्री जैसी अनेक कड़ियां हो सकती हैं।

साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े दूसरे स्तर, प्रशासन और आबकारी व्यवस्था,निगरानी कहां टूटती है? इसको समझने की करें तो,दूसरा सवाल सीधे प्रशासन और आबकारी विभाग की जिम्मेदारी से जुड़ता है।लाइसेंस प्राप्त शराब दुकानों की निगरानी, अवैध बिक्री की पहचान, संदिग्ध शराब की जांच,स्टॉक और दस्तावेजों का सत्यापन तथा अवैध नेटवर्क के विरुद्ध कार्रवाई व्यवस्था की जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं।यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक अवैध शराब बिकती रहती है,तो यह पूछना स्वाभाविक है कि स्थानीय सूचना तंत्र, पुलिस, आबकारी विभाग और जिला प्रशासन के बीच समन्वय कितना प्रभावी था।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सिद्धांत भी जरूरी है,हर जहरीली शराब की घटना के बाद पूरे प्रशासन को बिना जांच दोषी घोषित करना उचित नहीं है।दोष व्यक्तिगत अधिकारियों का है?,विभागीय लापरवाही है? स्थानीय मिलीभगत है? या नेटवर्क ने निगरानी को चकमा दिया? यह स्वतंत्र जांच से तय होना चाहिए।फिर भी यदि जांच में यह सामने आता है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई,संदिग्ध दुकानों की निगरानी नहीं की गई या अधिकारियों ने जानबूझकर आंखें बंद कीं, तो जवाबदेही केवल माफिया तक सीमित नहीं रह सकती।पुणे त्रासदी के बाद पुलिस और आबकारी विभाग के 22 कर्मचारियों के निलंबन? ने यही सिद्धांत सामने रखा कि यदि सरकारी निगरानी में गंभीर चूक प्रमाणित होती है तो प्रशासनिक जवाबदेही भी सटीकता से तय की जा सकती है।

साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े तीसरे स्तरःराजनीतिक और आर्थिक विरोधाभास,राजस्व बनाम जीवन इसको समझने की करें तो,भारत में शराब एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है और अनेक राज्य इससे महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त करते हैं। यही सबसे बड़ा विरोधाभास पैदा करता है। एक ओर सरकार शराब की बिक्री को नियंत्रित और लाइसेंस करती है तथा उससे राजस्व प्राप्त करती है; दूसरी ओर उसी व्यवस्था के समानांतर अवैध शराब का बाजार खड़ा हो जाता है, जो कभी-कभी सीधे मानव जीवन के लिए खतरा बन जाता है।इसका अर्थ यह नहीं कि वैध शराब की बिक्री अपने आप जहरीली शराब की जिम्मेदार है। समस्या उस समय पैदा होती है जब वैध और अवैध बाजार के बीच निगरानी की दीवार कमजोर पड़ती है। नकली बोतल, नकली लेबल, नकली क्यूरआर कोड और असली ब्रांड की नकल उपभोक्ता को यह समझने का अवसर ही नहीं देती कि वह क्या पी रहा है। सागर मामले में सामने आई कथित फर्जी पैकेजिंग इसी चिंता को और गंभीर बनाती है।इसलिए प्रश्न शराब के राजस्व को बंद करने या जारी रखने से पहले यह होना चाहिए कि क्या सरकार की नियामक क्षमता इतनी मजबूत है कि राजस्व व्यवस्था के साथ नागरिकों की सुरक्षा भी सटिका से सुनिश्चित की जा सके?

साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े,चौथे स्तरः मानव जीवन बनाम सरकारी राजस्व को समझने की करें तो,सबसे बड़ा प्रश्न आखिरकार आर्थिक नहीं, मानवीय है। एक व्यक्ति की मृत्यु का मूल्य किसी सरकारी राजस्व तालिका में दर्ज नहीं किया जा सकता। जहरीली शराब से मरने वाले व्यक्ति के पीछे एक परिवार होता है बच्चे होते हैं, माता-पिता होते हैं, पत्नी या पति होते हैं, भविष्य की योजनाएं होती हैं और परिवार की आर्थिक सुरक्षा होती है।यदि कोई व्यक्ति जहरीली शराब पीकर मरता है तो नुकसान केवल एक जीवन का नहीं होता। परिवार की आय समाप्त हो सकती है, बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो सकती है, चिकित्सा खर्च बढ़ सकता है, परिवार कर्ज में जा सकता है और सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता पैदा हो सकती है। इसलिए जहरीली शराब की वास्तविक सामाजिक लागत उस तत्काल सरकारी राजस्व से कहीं अधिक हो सकती है जो शराब के वैध कारोबार से प्राप्त होता है।भारत की जनता अब बार-बार सामने आने वाली ऐसी खबरों से केवल दुखी नहीं है; वह जवाब चाहती है। सवाल अब यह नहीं होना चाहिए कि अगली घटना के बाद कितने लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। सवाल यह होना चाहिए कि अगली घटना होने ही न देने की सटिका से व्यवस्था कब बनेगी?

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में मुस्लिम आबादी और मस्जिदें बढ़ीं, फिर भी 9/11 की छाया क्यों नहीं हुई खत्म

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिका अगले हफ्ते 9/11 हमले की 25वीं बरसी मनाएगा। इस लंबी अवधि ने बहुत कुछ बदल दिया है। लेकिन आज भी अमेरिकी समाज में मुस्लिमों की छवि नहीं बदल पाई है। प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे के मुताबिक, 51% अमेरिकी अब भी मुस्लिमों को संदेह की नजर से ही देखते हैं। अमेरिका में मुस्लिम आबादी, मस्जिदों की संख्या बढ़ी है और राजनीतिक स्तर पर भी समुदाय की सक्रियता बढ़ी है। लेकिन हिंसक समुदाय होने की उसकी छवि जस की तस बनी है। प्यू रिसर्च सेंटर अमेरिका में मुस्लिमों की स्थिति, अमेरिकियों की सोच और खुद मुस्लिमों की राय पर समय-समय पर सर्वे करता रहा है। इस साल के सर्वे में 43% अमेरिकी वयस्कों ने माना कि मुसलमान अन्य नागरिकों की तुलना में कम देशप्रेमी हैं, जबकि 42% का मानना था कि अमेरिकी मुसलमानों का देश पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसके पीछे 9/11 का खौफ साफ झलकता है। एफबीआई के मुताबिक, 2001 में मुस्लिमों के खिलाफ घृणा अपराध मामले 481 तक पहुंच गए थे, जो 2000 में मात्र 28 थे। तबसे इनमें उतार-चढ़ाव आता रहा है (2021 में 95 थे और 2016 में 307) लेकिन आंकड़ा 9/11 से पूर्व के स्तर पर नहीं लौट सका। डेमोक्रेट्स की तुलना में रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े लोग अधिकतर यह राय रखते हैं कि मुस्लिम धर्म को मानने वाले अधिक हिंसक होते हैं।

आसिम मुनीर की ताकत में इजाफा: मिली तीनों सेनाओं की कमान; बने पाकिस्तान के पहले चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की संसद ने देश के इतिहास में पहली बार एक ही सैन्य अधिकारी को सेना, नौसेना और वायुसेना तीनों की कमान सौंपी है। इससे उन्हें अभूतपूर्व कानूनी ताकत मिली है। अगस्त के अंत में नेशनल असेंबली ने डिफेंस फोर्सेस ऑफ पाकिस्तान एक्ट, 2026 पारित कर चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस (सीडीएफ) का नया पद बनाया। नए कानून के तहत फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को देश का पहला सीडीएफ नियुक्त किया गया। वह अपने मौजूदा सेना प्रमुख के पद के साथ नई जिम्मेदारी को भी संभालेंगे। सीडीएफ के पद के साथ मुनीर पाकिस्तान में और ताकतवर बनकर उभरे हैं। 1976 के बाद से यह पाकिस्तानी सैन्य कमान में सबसे बड़ा ढांचागत बदलाव माना जा रहा है। इससे पहले 1976 में ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का पद बनाया गया था, लेकिन उसके पास नौसेना या वायुसेना को संचालित करने की कोई औपचारिक कानूनी ताकत नहीं थी। पुराने पद का काम सिर्फ तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बिठाना था और उसका नौसेना या वायुसेना पर कोई अधिकार नहीं था। इसके उलट सीडीएफ के पास तीनों सेनाओं पर कानूनी ऑपरेशनल कमांड है। यह सीधे सरकार को रिपोर्ट करेगा और इसके पास ऐसे फैसले लागू करने की शक्ति है जो पुराने पद के पास कभी नहीं थी। नए नियमों के अनुसार, परमाणु बलों की कमान का पद अब कानूनी रूप से केवल सेना के पास होगा।

अमेरिकी सेना बच्चों की हत्यारी, उनका झूठा गौरव तोड़ा': हमले के बाद ईरान ने यूएस को लताड़ा, दे डाली धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत में स्थित ईरान के दूतावास ने छह सितंबर, 2026 को एक्स अकाउंट पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी का बयान साझा किया। बयान के मुताबिक, आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने अमेरिकी सेना के एक विमानवाहक पोत और एक विध्वंसक पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। ईरान ने आरोप लगाया कि दोनों अमेरिकी युद्धपोत ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और ईरान की नौसैनिक नाकाबंदी में हिस्सा ले रहे थे। आईआरजीसी ने अपने बयान में अमेरिकी सेना को खूब सुनाया। उसने अमेरिकी सेना को आक्रामक और बच्चों की हत्या करने वाली अमेरिकी सेना बताया। ईरानी संगठन ने दावा किया कि मिसाइल हमले के बाद दोनों अमेरिकी युद्धपोतों को नुकसान पहुंचा और आगे के हमले के डर से उन्हें मुठभेड़ वाले इलाके से भागना पड़ा। बयान में अमेरिका की क्षेत्रीय सैन्य मौजूदगी को भी निशाना बनाया गया। ईरान ने अमेरिका को आक्रामक दुश्मन बताते हुए कहा कि वह कई वर्षों से क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को लेकर घमंड करता रहा है। आईआरजीसी के मुताबिक, अमेरिकी पक्ष को अब आधिकारिक रूप से यह स्वीकार करना पड़ा कि उसके दो नौसेना युद्धपोत हमले की चपेट में आए।

इस्राइल पर बरसे अमेरिकी राजदूत हकबी, सेटलर्स को आतंकवादी बताया; फलस्तीनी जनता पर रूख क्या

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकबी ने शनिवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इस्राइली सेटलर्स की हिंसा की एक बार फिर कड़ी निंदा की। महीनों से हमलों का सामना कर रहे फलस्तीनी-अमेरिकी निवासियों से मुलाकात के दौरान उन्होंने सेटलर्स की इन गतिविधियों को 'आतंक का कृत्य' बताया। हकबी ने हिंसा में शामिल सेटलर्स के लिए 'आतंकवादी' शब्द का इस्तेमाल किया, जो अमेरिकी अधिकारी आमतौर पर फलस्तीनी उग्रवादियों के लिए करते हैं।

'यह सिर्फ अपराध नहीं, आतंक का कृत्य है' : तुर्मुस अय्या गांव के दौरे के दौरान हकबी ने कहा, 'अगर कोई घुसपैठिया आकर अपना झंडा लगाता है और ऐसी जमीन या संपत्ति पर कब्जा करता है, जो उसकी नहीं है, अगर वह कार जलाता है, मस्जिद में आग लगाता है, किसी के घर में घुसकर तोड़फोड़ करता है या दीवारों पर आपत्तिजनक बातें लिखता है, तो यह आपराधिक कृत्य है। लेकिन यह सिर्फ अपराध तक सीमित नहीं है। यह आतंक का कृत्य है।' तुर्मुस अय्या गांव में पिछले एक साल के दौरान इस्राइली सेटलर्स की ओर से कई बार हमले किए जाने की खबरें सामने आई हैं।

7 अक्टूबर के बाद वेस्ट बैंक में बढ़ी हिंसा : संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के कार्यालय के मुताबिक, 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इस्राइल पर हमास के नेतृत्व में हुए हमले के बाद गाजा में शुरू हुए युद्ध के दौरान वेस्ट बैंक में बसने वालों की हिंसा में भी तेजी आई है। हकबी ने पिछले महीने वेस्ट बैंक के कुसरा शहर में कई हफ्तों तक चली अशांति के बाद भी हिंसा में शामिल बसने वालों के लिए 'आतंकवादी' शब्द का इस्तेमाल किया था। उस दौरान बसने वालों ने कई घरों को घेर लिया था। इनमें एक फलस्तीनी-अमेरिकी परिवार का घर भी शामिल था।

'हकबी, आतंकवादियों की ओर से शुभकामनाएं' : कुसरा की घटना के कुछ दिन बाद वेस्ट बैंक के बाजरिया गांव के निवासियों ने आरोप लगाया था कि बसने वालों ने एक मस्जिद में आग लगा दी। इसके बाद मस्जिद की दीवार पर हिब्रू भाषा में एक संदेश लिखा गया- 'हकबी, आतंकवादियों की ओर से शुभकामनाएं।' शनिवार को जब हकबी से इस घटना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि उन्होंने इसे स्वीकार किया।' मुझे नहीं लगता कि उनका इरादा ऐसा करने का था, लेकिन मेरा मानना है कि वे एक बहुत छोटे अल्पसंख्यक वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं।' इससे एक सप्ताह पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने 'मुट्ठी भर दंगाइयों' की हरकतों की निंदा की थी। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने भी सेटलर्स की गतिविधियों को 'शर्मनाक' बताया था। हालांकि, नेतन्याहू की मौजूदा सरकार को इस्राइल के इतिहास की सबसे अधिक अति-राष्ट्रवादी और धार्मिक सरकार माना जाता है। उसके कार्यकाल में वेस्ट बैंक में इस्राइली बस्तियों के निर्माण में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय का बड़ा हिस्सा इन बस्तियों को अवैध मानता है। शनिवार को तुर्मुस अय्या पहुंचे हकबी ने शुरुआत में स्पष्ट किया कि उनकी यात्रा का एक मकसद वेस्ट बैंक में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों से मिलना है। ये लोग वेस्ट बैंक में रहने वाले करीब 30 लाख फलस्तीनियों की आबादी का एक छोटा हिस्सा हैं, लेकिन तुर्मुस अय्या की आबादी में उनका महत्वपूर्ण हिस्सा है। हकबी ने कहा, 'मुझे अच्छी तरह पता है कि तुर्मुस अय्या और इस इलाके के दूसरे समुदायों में रहने वाले बहुत से अमेरिकी लोग वैसी जिंदगी नहीं जी पा रहे हैं, जिसके वे हकदार हैं। वे शांतिपूर्ण जीवन नहीं जी पा रहे हैं।' ऐसे लोगों की वजह से उनकी जिंदगी प्रभावित हो रही है, जिन्होंने बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां अनुचित और गैर-कानूनी हैं।'

अमेरिकी दूतावास नहीं कर सकता जांच : हकबी ने कहा कि अमेरिकी दूतावास आपराधिक गतिविधियों की जांच नहीं कर सकता। हालांकि, वह इस्राइली सरकार को यह स्पष्ट कर सकता है कि कुछ मामलों पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। कुछ जरूरतें हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए, कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कुछ खास अपराध और आतंकी गतिविधियां ऐसी हैं, जो जारी नहीं रह सकतीं। संबंधित देश को उनकी जांच करनी चाहिए और कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। ऐसी कार्रवाई की उम्मीद करना हर व्यक्ति का अधिकार है।

10 फलस्तीनी-अमेरिकी निवासियों से मिले हकबी : नगरपालिका ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हकबी ने करीब 10 फलस्तीनी-अमेरिकी निवासियों से मुलाकात की। इन लोगों ने उन्हें बताया कि बसने वालों की हिंसा ने उनकी जिंदगी और संपत्ति को किस तरह प्रभावित किया है। इस्राइल ने 1967 के मध्य-पूर्व युद्ध के दौरान वेस्ट बैंक के साथ-साथ गाजा और पूर्वी यरुशलम पर भी कब्जा कर लिया था। फलस्तीनी इन क्षेत्रों को अपने भविष्य के स्वतंत्र देश का हिस्सा बनाना चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का बड़ा हिस्सा इन क्षेत्रों को कब्जे वाले इलाके मानता है।

11 दिन बाद भी तबाही का कहर: चीन-नेपाल आर्थिक गलियारा तबाह; मलबे से जिंदा निकलीं बुजुर्ग महिला और चीनी नागरिक

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन के 11 दिन बाद भी तबाही का मंजर जारी है। चीन-नेपाल के बीच जमीनी व्यापार का प्रमुख केंद्र ग्यिरोंग पोर्ट और उससे जुड़ी सीमा चौकी पूरी तरह तबाह हो चुकी है। लगातार सामने आ रही तस्वीरें इसकी भयावह स्थिति बयां कर रही हैं। चीन ने नेपाल में हुई इस तबाही से हुए नुकसान पर भले ही चुप्पी साध रखी हो, लेकिन इस आर्थिक गलियारे के ठप होने से नेपाल की अर्थव्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला पर असर साफ दिखने लगा है। भारत के जाने-माने भू-रणनीतिकार और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी का कहना है कि इस रास्ते होने वाला व्यापार पूरी तरह ठप होने से काठमांडो को अपनी आर्थिक जरूरतों के लिए भारत पर और अधिक निर्भर होना पड़ेगा। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत ट्रांस-हिमालय कनेक्टिविटी नेटवर्क में चीन ग्यिरोंग क्रॉसिंग को एक रणनीतिक केंद्र मानता है। ग्यिरोंग बंद होने से आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई है। इससे चीनी सामानों की कमी हो रही है और नेपाल के घरेलू बाजार में महंगाई का दबाव बढ़ रहा है। यहां दोनों देशों के बीच ट्रकों की आवाजाही, माल की चेकिंग, क्लियरेंस और स्टोरेज के लिए बड़े ड्राई पोर्ट और गोदाम बने थे।

लाखों टन मलबा साफ करने के बाद ही शुरू हो पाएगा मार्ग : तबाही के बाद व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह बहाल करने में अभी काफी समय लगेगा। भारी मालवाहक ट्रैफिक सुचारू रूप से फिर से शुरू होने से पहले इंजीनियरों को लाखों टन मलबा साफ करना होगा, ऊंचे पहाड़ी रास्तों को स्थिर करना होगा, हिमस्खलन के कारण ऊपर की ओर बनी झीलों के खतरे को कम करना होगा और बह चुके पुलों का पुनर्निर्माण करना होगा। अब इसे कुदरत का करिश्मा कहें या चमत्कार, नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के 11वें दिन शनिवार को मलबे में दबे एक चार मंजिला मकान से एक बुजुर्ग महिला को जिंदा निकाला गया। परिजनों ने महिला के जीवित मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी और उनका प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार भी कर दिया था। वहीं, बचाव दलों ने अपर त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना से जुड़ी एक सुरंग से एक चीनी नागरिक को भी सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता हासिल की है। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा पर आए हिमस्खलन के बाद भोटेकोशी नदी में आई इस विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। देश भर में मृतकों का आंकड़ा 1,344 तक पहुंच गया है, जबकि 589 विदेशी नागरिकों सहित लगभग 5,000 लोग अब भी लापता हैं, जिनमें भारत के भी 250 से अधिक नागरिक शामिल हैं।

अमेजन संस्थापक की पूर्व पत्नी की दरियादिली: अश्वेत कॉलेजों को अरबों का दान; मैकेंजी स्कॉट क्यों बनी मिसाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट ने अमेरिका के ऐतिहासिक रूप से अश्वेत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए दान के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। उनकी हालिया 4.2 करोड़ डॉलर की मदद के बाद इन संस्थानों को दिए उनके कुल दान का आंकड़ा एक अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है। स्कॉट ने इस साल नॉर्थ कैरोलिना की एलिजाबेथ सिटी स्टेट यूनिवर्सिटी को 4.2 करोड़ डॉलर का दान दिया। यह रकम विश्वविद्यालय के फाउंडर्स डे के मौके पर दी गई। जेफ बेजोस से अलग होने के बाद स्कॉट की संपत्ति कैसे बढ़ी स्कॉट ने 2020 में अमेजन में अपनी करीब आधी हिस्सेदारी बेच दी थी। इसके बाद उन्होंने बड़े स्तर पर परोपकारी काम शुरू किया। वर्ष 2020 से अब तक वह शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास, आपदा राहत और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले हजारों संगठनों के लिए करीब 26 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जता चुकी हैं। किन बड़े विश्वविद्यालयों को मिला स्कॉट का दान स्कॉट ने पिछले कुछ वर्षों में कई अश्वेत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को बड़ी रकम दी है। नवंबर 2025 में उन्होंने हावर्ड यूनिवर्सिटी को 8 करोड़ डॉलर दिए थे। इसके अलावा मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी, प्रेयरी व्यू एंड्एम यूनिवर्सिटी, नॉरफोक स्टेट यूनिवर्सिटी, बोवी स्टेट यूनिवर्सिटी और वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी समेत कई संस्थानों को भी उन्होंने आर्थिक मदद दी है। स्कॉट के दान में अलवामा स्टेट यूनिवर्सिटी को 2025 में 3.8 करोड़ डॉलर, अल्कॉर्न स्टेट यूनिवर्सिटी को 4.2 करोड़ डॉलर और मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी को 2020 और 2025 में कुल 10.3 करोड़ डॉलर शामिल हैं। प्रेयरी व्यू एंड्एम यूनिवर्सिटी को 11.3 करोड़ डॉलर और नॉरफोक स्टेट यूनिवर्सिटी को 9 करोड़ डॉलर भी मिले हैं। स्कॉट के कई दान बिना किसी विशेष शर्त के दिए जाते हैं। इसका मतलब है कि विश्वविद्यालय अपनी जरूरत के हिसाब से रकम का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसका उपयोग छात्रवृत्ति, शिक्षकों की नियुक्ति, एंडोमेंट, कैंपस सुधार या अन्य प्राथमिकताओं के लिए किया जा सकता है।

अंडरवियर से मिट्टी की जांच: मच्छर की सूंड से बनाई नोजल; ऐसे शोध जिन्होंने हंसाया, फिर सोचने पर किया मजबूर

वाशिंगटन, एजेंसी। वैज्ञानिक अंतरिक्ष, बीमारियों और जलवायु पर शोध करते हैं, यह तो आम बात है। लेकिन क्या मिट्टी की सेहत जांचने के लिए अंडरवियर जमीन में दबाया जा सकता है क्या मृतजानवर में पड़ने वाले छेदों को भी विज्ञान की मदद से रोका जा सकता है और क्या चींटियां भी चुंबन करती हैं सुनने में ये सवाल भले ही मजाक जैसे लगें, लेकिन इनके जवाब तलाशने के पीछे बाकायदा वैज्ञानिक तर्क और गंभीर शोध छिपा है। ऐसे ही अनोखे और दिलचस्प शोधों को 2026 के इग नोबेल पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

शोध जो सोचने पर करते हैं मजबूर : स्प्रिंगर नेचर की रिपोर्ट के मुताबिक, स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 3 सितंबर को आयोजित समारोह में ऐसे शोधों को सम्मानित किया गया, जो पहले हंसाते हैं और फिर लोगों को उनके पीछे छिपे वैज्ञानिक सवालों पर सोचने के लिए मजबूर करते हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की मटिल्डा ब्रिंडल और उनके सहयोगियों को जैव-यांत्रिकी का पुरस्कार चुंबन की वैज्ञानिक परिभाषा तैयार करने के लिए मिला। वैज्ञानिकों के मुताबिक, चुंबन की परिभाषा में दो जीवों के मुंह का आपस में संपर्क होना चाहिए और उनके होंठ या मुखांगों में कुछ हलचल भी होनी चाहिए। इस परिभाषा ने कई जानवरों को भी 'चुंबन' करने वाले जीवों की सूची में शामिल कर दिया।

एक हजार अंडरवियर से मिट्टी की सेहत की जांच : मृदा विज्ञान का पुरस्कार उस प्रयोग को मिला, जिसमें 25 से अधिक देशों में एक हजार जोड़ी अंडरवियर मिट्टी में दबाई गई। करीब दो महीने बाद इन्हें जमीन से बाहर निकालकर देखा गया कि कपड़ा कितना टूट चुका है। यह प्रयोग सुनने में जितना मजेदार लगता है, इसका मकसद उतना ही गंभीर था। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीव कपड़े के प्राकृतिक रेशों को तोड़ते हैं। ऐसे में अंडरवियर कितनी तेजी से गलता है, उससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि मिट्टी में जैविक गतिविधि कितनी है। कपड़े के टूटने की गति पर इस बात का भी खास असर पड़ता है कि संबंधित भूमि का इस्तेमाल किस तरह किया जा रहा है। शौचालय में तरल के उछलने की वजह भी बनी शोध का विषय भौतिकी के पुरस्कार में वैज्ञानिकों ने यह समझने की कोशिश की कि शौचालय में तरल किसी सतह से टकराने के बाद वापस क्यों उछलता है। इसके लिए किए गए प्रयोगों के आधार पर ऐसी डिजाइन सुझाई गई, जिससे सामान्य स्थिति की तुलना में छींटों को लगभग 1.4 प्रतिशत तक कम किया जा सके। प्रौद्योगिकी का पुरस्कार उस प्रयोग को मिला, जिसमें मच्छर की सूंड को 3-डी प्रिंटिंग के लिए बेहद बारीक नोजल के रूप में इस्तेमाल करने की संभावना पर काम किया गया। मच्छर की सूंड की बेहद महीन और जटिल संरचना ने वैज्ञानिकों को तकनीक के एक नए इस्तेमाल के बारे में सोचने का आधार दिया। अर्थशास्त्र का पुरस्कार उस शोध को मिला, जिसमें संपन्न लोगों के व्यवहार का अध्ययन किया गया।

होर्मुज में फिर छिड़ेगी जंग: ईरान ने अमेरिकी विमानवाहक पोत पर मिसाइल हमले का किया दावा, यूएस ने क्या कहा

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने शनिवार को दावा किया कि उसने एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक विध्वंसक पोत पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ईरान का आरोप है कि ये दोनों अमेरिकी युद्धपोत ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी में हिस्सा ले रहे थे। आईआरजीसी के मुताबिक, हमले के बाद दोनों युद्धपोतों को नुकसान हुआ और वे दोबारा हमले के डर से संघर्ष क्षेत्र से पीछे हट गए।

होर्मुज में तनाव की असली वजह क्या है :

यह घटनाक्रम अमेरिकी और ईरानी जहाजों के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच सामने आया है। आईआरजीसी की नौसेना ने पहले दावा किया था कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से कथित तौर पर अनधिकृत मार्ग से गुजर रहे तीन तेल टैंकरों और दूसरे इलाकों में अमेरिका से जुड़े तीन जहाजों को निशाना बनाया। ईरान ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिका की ओर से तीन ईरानी तेल टैंकरों पर हमले के जवाब में की गई। ईरानी नौसेना ने अपने बयान में आसपास के जहाजों को चेतावनी दी कि वे कथित अनधिकृत जलमार्गों से गुजरने से बचें और किसी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में उन्हें निशाना बनाया जा सकता है।

ईरान ने अमेरिका को दी सीधी चेतावनी दी : आईआरजीसी ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर ईरानी जहाजों के खिलाफ उसकी कथित आक्रामक कार्रवाई जारी रही तो उसे कड़ा जवाब मिलेगा। ईरान ने कहा कि उसके सशस्त्र बल आगे भी जवाबी कार्रवाई करेंगे। आईआरजीसी की ओर से यह भी कहा गया कि जहाजों को अमेरिकी सेना के बहकावे में नहीं आना चाहिए और होर्मुज जलडमरूमध्य में संदिग्ध या कथित अनधिकृत रास्तों से गुजरने से बचना चाहिए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम के अनुसार, पांच सितंबर को अमेरिकी बलों ने तीन ईरानी कच्चे तेल के टैंकरों पर हमला किया। यह कार्रवाई ईरान की ओर से क्षेत्रीय समुद्र में गश्त कर रहे दो अमेरिकी नौसैनिक जहाजों पर बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के बाद की गई। सेंटकॉम ने कहा कि एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक निर्देशित मिसाइल विध्वंसक ने ईरान के कई हमलों से सफलतापूर्वक बचाव किया और किसी अमेरिकी कर्मी को नुकसान नहीं पहुंचा।

ईरानी तेल टैंकर पर अमेरिकी हमला: धू-धू कर जलता रहा जहाज, सीईएनटीसीओएम ने जारी किया वीडियो; हेगसेथ ने दी खुली धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान को चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी नौसेना के जहाजों पर हमला किया गया तो अमेरिका ईरान के तेल टैंकरों को नष्ट कर देगा और समुद्र में डुबो देगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी सेना ने तीन ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाने की जानकारी दी है और ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है।

पीट हेगसेथ ने ईरान को क्या चेतावनी दी : हेगसेथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर के बयान को साझा करते हुए कहा कि अगर ईरान अमेरिकी जहाजों पर गोली चलाता है तो उसके तेल टैंकरों को नष्ट और डुबो दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान को सिर्फ अमेरिकी नौसेना पर हमला नहीं करना है। कूपर ने भी चेतावनी दी कि अगर ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दो अमेरिकी जहाजों पर हमला किया तो अमेरिकी सेना तीन ईरानी जहाजों को निशाना बनाएगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर ईरान के सीमित और खुले तेल बेड़े को नष्ट करने से अमेरिका पीछे नहीं हटेगा।

अमेरिका ने ईरान के कितने तेल टैंकरों को निशाना बनाया : अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, शनिवार को अमेरिकी सेना ने तीन ईरानी कच्चे तेल ले जाने वाले टैंकरों पर हमला किया। इनमें एक टैंकर खार्ग द्वीप के पास था, जो ईरान का प्रमुख तेल निर्यात केंद्र है। अमेरिकी सेना ने बताया कि इनमें भी शामिल था, जो ओमान की खाड़ी में डूब गया। सेंट्रल कमांड ने इसे पूरी तरह नष्ट किए जाने की जानकारी दी। दो अन्य टैंकरों को भी अमेरिकी सेना ने निष्क्रिय करने की बात कही है।

अमेरिकी सेना ने टैंकर डुबोने का वीडियो क्यों जारी किया : अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने हमले का वीडियो जारी किया है। वीडियो में टैंकर आग की लपटों में घिरा दिखाई दे रहा है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, चालक दल को पहले जहाज छोड़ने का निर्देश दिया गया था और इसके बाद जहाज को पूरी तरह निष्क्रिय कर दिया गया। अमेरिकी सैनिकों की कार्रवाई के बाद स्ट्रूचक्षण ओमान की खाड़ी में डूब गया। अमेरिका के अनुसार, यह कार्रवाई ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की ओर से अमेरिकी नौसेना के दो जहाजों की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने के बाद की गई।

ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर हमले को लेकर क्या दावा किया : ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया। हालांकि, इन दावों की अमेरिका की ओर से तत्काल पुष्टि नहीं हुई। ईरानी सेना ने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरानी जहाजों के खिलाफ अमेरिकी और नौसैनिक नाकाबंदी जारी रही तो अमेरिकी सैन्य जहाजों के खिलाफ उसके हमले पहले से ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने दावा किया कि खर्ग के पास एक टैंकर पर चार अमेरिकी मिसाइलें दागी गईं।

हैजा रोकने को मिला क्लोरीन: सूडान की सेना ने बना डाले 1,100 रासायनिक हथियार, गोपनीय डोजियर से खुलासा

खार्तूम, एजेंसी। तपते रेगिस्तान में चोरी-छिपे बम परीक्षण, हथियारों की सीक्रेट फैक्टरी के फर्श पर दम घुटने से मरे पड़े बिच्छू और कीड़े-मकोड़े, और जंग के बीच राजधानी खार्तूम के वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से क्लोरीन के बड़े-बड़े सिलेंडरों की चोरी...गोपनीय डोजियर से सामने आई ऐसी कुछ जानकारियां सूडान सरकार के इन दावों को नकारने के लिए काफी है कि उसने गृह युद्ध के दौरान रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया।

खुफिया रिपोर्ट में हुआ खुलासा : इसमें पिछले तीन साल से जारी खूनी गृहयुद्ध के बीच एक पश्चिम एशियाई खुफिया एजेंसी की ओर से जुटाए गए 150 से अधिक दस्तावेजों, वीडियो, तस्वीरों और हजारों इंटरसेप्टेड फोन कॉल्स से चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इससे पता चलता है कि सूडानी सेना ने अपने खिलाफ मोर्चा खोलने वाली रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) को पस्त करने के लिए 2024 में बड़े पैमाने पर क्लोरीन गैस आधारित रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल किया था। इस केमिकल प्रोजेक्ट की कमान ब्रिगेडियर जनरल तारिक हुसैन के हाथों में थी।

पारंपरिक वॉरहेड के साथ क्लोरीन का उपयोग : लीक ब्लूप्रिंट के अनुसार, पारंपरिक वॉरहेड के साथ 33 पाउंड क्लोरीन गैस का इस्तेमाल किया गया। योजना यह थी कि धमाके के छर्रों से दुश्मन घायल हो और बची-खुची जान जहरीली गैस ले लेगी। साथ ही धमाके के चलते मौके पर केमिकल के सबूत भी नष्ट हो जाएंगे।

राहत एजेंसियों की मदद का किया दुरुपयोग : राजधानी खार्तूम पर जब आरएसएफ का कब्जा होने लगा, तो जुलाई 2024 में जनरल तारिक ने सेना को क्लोरीन बम बनाने का सुझाव दिया। सेना ने ओमडुरमैन स्थित अल-मनारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से बड़े पीले सिलिंडर जब्त किए। विडंबना यह है कि युद्धग्रस्त इलाकों में हैजा महामारी को रोकने और पानी साफ करने के लिए ये सिलिंडर यूनिसेफ, रेड क्रॉस और केयर जैसी अंतरराष्ट्रीय राहत एजेंसियों ने दान में दिए थे। अगस्त 2024 में जनरल हुसैन के भेजे एक संदेश से पता चलता है कि मिस्र से 20 क्लोरीन सिलिंडर मंगवाए गए थे, जो 1,100 रासायनिक बम बनाने के लिए पर्याप्त थे।

सेना प्रमुख ने दिए सबूत मिटाने के निर्देश : अमेरिकी प्रशासन ने कुछ सबूतों के आधार पर जनवरी 2025 से सूडानी सेना प्रमुख जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान पर कड़े प्रतिबंध लगाने शुरू किए थे। अब सामने आए डोजियर से साफ हुआ है कि जनरल बुरहान को इस पूरे प्रोजेक्ट की सीधी जानकारी थी और उन्होंने अमेरिकी खुलासे के बाद इसके सभी सबूत मिटाने के निर्देश दिए थे।

दुश्मनों ने पी ली जहरीली गैस..सच कैसे सामने आया : अक्टूबर 2024 तक मेरोवे एयरपोर्ट के बेस पर करीब 300 केमिकल बम तैयार करके रख दिए गए थे। 22 जुलाई 2024 को मेरोवे एयरपोर्ट से एंटोनोव विमान ने उड़ान भरी और रेगिस्तान में पहला सफल टेस्ट किया। लीक डोजियर से पता चलता है कि उसी समय जनरल हुसैन ने मैसेज भेजा था, परीक्षण 100% सफल रहा, बम निशाने पर गिरा और गैस फैल गई। सितंबर 2024 को अल-जैली तेल रिफाइनरी पर रासायनिक हमला किया गया। हुसैन के इंटरसेप्ट किए गए संदेश में लिखा था, उन्होंने गैस पी ली है। उस समय सोशल मीडिया पर विद्रोहियों को ऑक्सीजन मास्क पहने देखा गया था।

सबूत मिटाने का खेल : मई 2025 में जब अमेरिका ने रासायनिक हथियारों के संदेह पर सूडान पर प्रतिबंध लगाए, तो सेना प्रमुख जनरल बुरहान ने तुरंत जनरल हुसैन को मैसेज भेजकर सबूत मिटाने का फरमान सुनाया। जवाब मिला. ऑपरेशन एक महीने पहले ही पूरा कर दिया गया है। बाद में दुनिया की आंखों में धूल झोंकने के लिए बुरहान ने आरोपों की जांच के लिए एक आंतरिक कमेटी गठित की। इसका मुखिया सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल तारिक हुसैन को ही बना दिया गया।

ज्यादा देर सोने से याददाश्त पर पड़ता है बुरा असर, दिमाग में हो जाते हैं जख्म

पिछले कई अध्ययनों में अल्जाइमर की बीमारी को नींद की कमी से जुड़ा हुआ पाया गया, लेकिन एक नए शोध में दावा किया गया है कि ज्यादा देर तक आंख बंद रहने या ज्यादा नींद लेने से याद्दाश्त पर बुरा असर पड़ता है।

शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने पाया की जो व्यक्ति नौ घंटे या उससे अधिक की नींद लेते हैं उनकी याद्दाश्त और भाषा कौशल में महत्वपूर्ण गिरावट देखने को मिली। इसके साथ ही उन लोगों में भी खतरा देखने को मिला, जो छह घंटे की नींद लेते हैं। शोध के बाद वैज्ञानिकों ने दावा किया कि सात या आठ घंटे की नींद लेना सबसे बेहतर है और इससे इन खतरों को टाला जा सकता है। हालांकि, शोधकर्ता इस बात को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे कि ज्यादा सोना अवसाद के खतरे को बढ़ा सकता है, लेकिन उनका कहना था कि यदि व्यक्ति के मस्तिष्क में किसी प्रकार का व्यावधान या रोग हो, तो उसे नींद ज्यादा आती है। इसके लिए मिआमी मिलर स्कूल यूनिवर्सिटी की टीम ने सात वर्षों तक करीब 5,247 स्पेन के लोगों पर अध्ययन किया। इसमें शामिल होने वाले प्रतिभागी 45 से 75 वर्ष की उम्र के और अलग-अलग समुदाय के थे। इसमें शिकागो, मिआमी, सेनडिआगो, न्यूयॉर्क के लैटिनो शामिल थे। इस अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने प्रतिभागितयों के ध्यान, याददशत, भाषा के साथ-साथ मस्तिष्क स्वास्थ्य और उसमें होने वाले बदलावों का निरीक्षण किया।

अधिक सोने से दिमाग में हो जाता है जख्म: वैज्ञानिकों के अनुसार ज्यादा सोने से दिमाग में जख्म हो जाता है, जिसे व्हाइट मैटर हाइपर इंटेंसिटी भी कहा जाता है। इन जख्मों के चलते दिमाग में रक्त प्रवाह भी प्रभावित होता है। एमआरआई में दिखाई देने वाले ये सफेद घब्बे अवसाद और स्ट्रोक के खतरे को बढ़ाते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मिआमी के न्यूरोलॉजिस्ट और नींद के विशेषज्ञ डॉक्टर रामोस ने कहा कि अल्पनिद्रा और अधिक नींद लेने का सीधा संबंध व्यक्ति के तंत्रिका संबंधी रोग से है, जो अल्जाइमर और अवसाद के लिए जिम्मेदार होता है।

रेसिपी

ब्रेड पोहा

सामग्री

■ ब्रेड स्लाइस: 8-10 छोटे टुकड़ों में कटे हुए ■ मूंगफली दाना : 1/2 कप ■ प्याज: 1 बारीक कटा ■ टमाटर: 1 बारीक कटा ■ हरी मिर्च : 2 बारीक कटी ■ नींबू का रस ■ जीरा : 1 छोटा चम्मच ■ राई :1 छोटा चम्मच ■ सौंफ : 1 छोटा चम्मच ■ हल्दी पाउडर : 1 छोटा चम्मच ■ धनिया पाउडर: 1 छोटा चम्मच ■ लाल मिर्च : 1/2 छोटा चम्मच ■ तेल : 1 बड़ा चम्मच ■ नमक : स्वाद के अनुसार

विधि

कढ़ाई में तेल गर्म करें। अब इसमें जीरा, राई और करी पत्ता डालकर तड़काएं। अब इसमें बारीक कटी प्याज, हरी मिर्च को डालकर प्याज के सुनहरा होने तक भुनें। इसके बाद इसमें टमाटर, मूंगफली के दाने डाल दें। 2 मिनट भनने के बाद सारे मसाले डाल दें। टमाटर को सॉफ्ट होने तक पकाएं। टमाटर जब पक जाएं तब इसमें ब्रेड के छोटे टुकड़े कर डालें और 2 मिनट और पकाएं। तैयार है ब्रेड पोहा, जिसे आप ब्रेकफास्ट के अलावा शाम के स्नैक्स में भी सर्व कर सकते हैं।

फ्लेवर्ड कोकोनट इडली

सामग्री

■ 12-15 मिनी इडली ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ कुछ टूथपिक्स ■ तेल ■ राई दाना: 1 टी स्पून ■ 1 नींबू, ■ हींग: चुटकी भर ■ थोड़ा हल्दी पाउडर ■ थोड़ा करी पत्ता ■ साउथ इंडियन मसाला ■ लाल मिर्च पाउडर

विधि

नॉनस्टिक कड़ाही में राई दाना, हींग और साउथ इंडियन मसाला डालकर 4-5 इडली डालकर निकालें। यह लाल रंग की हो जाएगी। अब हरे रंग के लिए कड़ाही में तेल डालें। उसमें राई, हींग और करी पत्ते का पेस्ट डालकर थोड़ी इडली डालें और निकालें। इडली को पीला रंग देने के लिए तेल, राई दाना, हींग, हल्दी, नमक और नींबू डालकर बाकी बची इडलियां डालकर निकाल लें। अब सभी रंग की इडलियों को टूथपिक में लगाकर सेट करें। अगर आपके पास मिनी इडली स्टैंड नहीं है तो नॉर्मल साइज वाली इडली बनाएं।

डॉक्टर से कम नहीं घर का खाना

थायरॉइड जैसे कई रोगों की कर देता है छुट्टी

कभी शौक में, तो कभी अलग स्वाद के लिए अक्सर लोग बाहर खाना पसंद करते हैं। मगर सेहत के नजरिए से बाहर का खाना कभी घर के खाने की बराबरी नहीं कर सकता।

अमेरिका में हुए एक हालिया अध्ययन की मानें तो बाहर का खाना कई गंभीर व लाइलाज बीमारियों की वजह बन सकता है। अध्ययन के मुताबिक खुद खाना बनाकर खाने से कई ऐसे टॉक्सिक रसायनों से बचा जा सकता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को नुकसान पहुंचाते हैं। साइलेंट प्रिरंग इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने अध्ययन में पाया कि जो लोग घर का बना खाना खाते हैं, उनके शरीर में पीएफएएस नामक खतरनाक रसायन कम पाए गए। यह रसायन हमारे पर्यावरण की तमाम जगहों पर पाए जाते हैं और इस तरह शरीर में चले जाते हैं।

कैंसर-थायरॉइड से बचाता है घर का भोजन

घर का बना खाना पीएफएएस के खतरे को टाल देता है। यह कैंसर और थायरॉइड की समस्या से बचाव में खासतौर पर मददगार है। सबसे खास बात है कि घर के बने खाने के हर टुकड़े में सेहतमंद गुण मिलेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि पर्यावरण में मौजूद टॉक्सिन के खिलाफ कोई बेहतरीन बचाव का उपाय नहीं है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2580

(↓ = नीचे की ओर जोड़, → = दाईं ओर जोड़, ■ = काला वर्ग)

■	■	↓11	↓4	■	■	↓23	↓10	■	■
■	↓6 →3			■	↓13 →7			↓10	■
→6				↓19 →29					↓4
→4			↓21 →24				↓10 →3		
→15						↓23 →6			
■	↓8	↓11 →17			↓18 →7			↓30	↓19
→24				↓7 →34					
→3			↓4 →17				↓15 →13		
■	→10					→24			
■	■	→3			■	→17			■

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

■	↓7 →11	1	2	3	5
	1				
	2				
	4				

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2579 का हल

■	↓9	↓24	■	↓29	↓8	■	↓30	↓3	■
→17	8	9	→8	7	1	→7	6	1	■
→8	1	7	↓9 →15	8	7	↓23 →9	7	2	■
■	→23	8	6	9	→17	9	8	↓10	■
■	■	↓11 →7	2	5	↓24 →19	6	9	4	↓8
■	↓4 →4	3	1	↓10 →17	9	8	→3	2	1
→3	1	2	→9	1	8	■	↓24 →10	3	7
→8	3	5	↓4 →11	4	7	↓7 →8	7	1	■
■	→6	1	3	2	→15	6	9	■	■
■	■	→4	1	3	→9	1	8	■	■

लॉफिंग ज़ोन

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा- 'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला- 'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

☺ ☺ ☺

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा- 'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!' वह आदमी कड़क आवाज में बोला- 'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

☺ ☺ ☺

बेटा- 'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता- कितने अंक मिले हैं.

बेटा- 'शून्य, शून्य, शून्य !'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2580

1		2	■	3	4	5	■	6	
	■	7		■	8		9		■
10	11		■	12		■	13		■
■		■	14		■	15		■	16
17		18	■	19		■	20	21	
	■		■		■	22	■		■
■	23		24	■	25				
26		■	27			■	■		■
	■	■		■	28		29	■	30
31			■	32		■	33		

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2579

चा	ल	बा	ज	■	चा	ला	क	■	जा
ह	■	रि	■	आ	ह	■	र्ज	■	ल
त	ला	श	■	र	त	न	■	प्या	सा
■	वा	■	रा	जू	■	ज	ख्म	■	ज
रा	■	तु	म	■	जो	र	■	ना	■
म	स्ती	■	क	ह	र	■	अ	स्ति	त्व
अ	■	जीं	स	■	दा	वा	■	क	■
व	क्त	■	म	द	र	■	दा	■	अं
ता	■	हे	■	र्द	■	फि	दा	■	जा
र	ह	मा	न	■	रो	जा	■	धू	म

सूडोकु -2580

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2579 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 2580

1		2	3	4	■	5	6	7		8
	■	9			■	10			■	
11	12	■	■		■		■	■	13	
14		■	15		16		17	■	18	
19				■		■	20			
■	■	■	21		■	22		■	■	■
23	24			■	25	■	26		27	28
29		■	30	31		32		■	33	
34		■	■		■		■	■	35	
	■	36	37		■	38	39	40	■	
41					■	42				

बाएँ से दाएँ

1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे

1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली -2579 का हल

सा	ल	■	ब	ला	■	य	म	■	श	र
या	■	क	ल	■	जो	श	■	जा	य	ज
■	कै	द	■	श	र	■	का	न	न	■
न	दी	■	खे	मा	■	का	त	ना	■	जा
म	■	जा	ल	■	का	य	र	■	ता	ल
■	मा	न	■	र	म	ल	■	का	ला	■
का	या	■	बी	न	ना	■	रा	म	■	सी
र	■	क	ह	र	■	शो	र	■	बा	धा
■	की	च	ड़	■	सा	ला	■	री	त	■
क	म	रा	■	ख	र	■	सी	ता	■	द
म	त	■	जी	त	■	मा	मा	■	दा	म

नए चीफ जस्टिस की नियुक्ति पर पंजाब सरकार का बयान न्याय विभाग पर हमला: अकाली दल

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस की नियुक्ति को फेडरल स्ट्रक्चर पर हमला बताए जाने पर शिरोमणि अकाली दल ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता वकील अर्शदीप सिंह क्लेर ने इसे ज्यूडिशियरी पर सीधा हमला करार देते हुए कहा कि वह बतौर वकील न्याय विभाग के साथ खड़े हैं। पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा के बयान पर शिरोमणि अकाली दल के चीफ स्पोक्सपर्सन एडवोकेट अर्शदीप सिंह क्लेर ने कहा, 'आप के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के नए चीफ जस्टिस के अपॉइंटमेंट के बारे में एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि यह अपॉइंटमेंट पंजाब के फेडरल स्ट्रक्चर पर एक बड़ा हमला है।' उन्होंने कहा, 'मैं पंजाब सरकार के मंत्री हरपाल सिंह चीमा के इस बयान की निंदा करता हूं और आम आदमी पार्टी सरकार से पूछना चाहता हूं कि इस मामले में पंजाब सरकार की क्या भूमिका है। वह इसे मुद्दा क्यों बना रही है? यह ज्यूडिशियरी पर सीधा हमला है। मैं बतौर वकील स्पष्ट कहता हूं कि मैं न्याय विभाग के साथ खड़ा हूं।

बदले गए स्थानों के नामों की नई स्पेलिंग के इस्तेमाल पर सरकार सख्त, कलेक्टरों को दिए निर्देश

भुवनेश्वर। ओडिशा के राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने जिलों के सभी सरकारी कार्यालयों और संस्थानों में, राज्य में जगहों के नामों की हाल ही में बदली गई अंग्रेजी स्पेलिंग का एक जैसा और सही इस्तेमाल पक्का करें। यह बदलाव उनके ओडिया उच्चारण के आधार पर किया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. अरबिंद कुमार पाधी ने सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि वे सरकारी कार्यालयों और संस्थानों के नेमप्लेट और साइनबोर्ड की अच्छी तरह से समीक्षा करें और यह पक्का करें कि सरकार द्वारा मंजूर की गई बदली हुई स्पेलिंग का ही हर जगह एक जैसा इस्तेमाल हो। राज्य सरकार द्वारा 22 जून, 2026 को जारी गजट नोटिफिकेशन के अनुसार, सरकारी कार्यालयों और संस्थानों को एक महीने के भीतर अपने साइनबोर्ड पर बदली हुई स्पेलिंग को अपनाना था। निजी और गैर-सरकारी संस्थानों के लिए छह महीने का समय तय किया गया था।

सत्य निकेतन हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जताया दुख, बोलीं- 'प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के इ्प्रति गहरी संवेदना'

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में इमारत गिरने की घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। भारत के राष्ट्रपति के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से पोस्ट कर लिखा, 'दिल्ली में एक इमारत गिरने की दुर्घटना से मुझे बहुत दुख पहुंचा है। इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। दरअसल, दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में एक इमारत अचानक भरभराकर गिर गई थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस हादसे में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 11 लोगों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। मलबे में अभी भी कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। हादसे के बाद से ही राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। एनडीआरएफ, दिल्ली पुलिस, दमकल विभाग और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं।

एसआईआर पर एसवाइ कुरैशी बोले, एक भी योग्य मतदाता का नाम सूची से हटना चुनाव आयोग के लिए कलंक

भुवनेश्वर: मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी) ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण के नाम पर अगर किसी एक भी योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची से हटता है तो यह चुनाव आयोग के लिए गंभीर विफलता होगी। आयोग को ऐसी स्थिति की जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। भुवनेश्वर में मीडिया से बातचीत में कुरैशी ने मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर कमी को लेकर चिंता जताई। उन्होंने प्रक्रिया को अतार्किक, अनुचित और मनमाना बताते हुए कहा कि किसी नागरिक के मतदान के अधिकार को किसी भी परिस्थिति में मनमाने तरीके से नहीं छीना जाना चाहिए।

महाराष्ट्र के गोंदिया में दही हांडी उत्सव के दौरान हादसा

सीढ़ियों का स्लैब गिरने से 21 लोग घायल

एजेंसी

गोंदिया/मुंबई। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के आमगांव से बड़ी खबर सामने आई है, जहां दही हांडी उत्सव के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया है। अष्टविनायक दही हांडी उत्सव देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी, तभी अचानक सीढ़ियों का स्लैब भरभराकर गिर गया। इस हादसे में स्लैब पर खड़े 21 लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से 6 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, दही हांडी उत्सव के दौरान मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने 1.92 करोड़ का जुर्माना लगाया।

दरअसल, गोंदिया के आमगांव में अष्टविनायक दही हांडी उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा था। दही हांडी देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। भीड़ ज्यादा होने के कारण कई लोग आसपास की ऊंची जगहों और सीढ़ियों के स्लैब पर चढ़कर कार्यक्रम देख रहे थे। तभी अचानक सीढ़ियों का स्लैब वजन नहीं झेल पाया और भरभराकर गिर गया। स्लैब पर

खड़े लोग नीचे गिर गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। इस हादसे में कुल 21 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को तुरंत आमगांव ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां 16 घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। वहीं, 6 गंभीर रूप से घायलों को आगे के इलाज के लिए गोंदिया जिला अस्पताल में शिफ्ट किया गया है, जिनमें से 2 की हालत नाजुक बनी हुई है।

हादसे के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। स्थानीय लोगों और आयोजकों ने तुरंत राहत कार्य शुरू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस घटना के बाद उत्सव में सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण पर सवाल खड़े हो रहे हैं।वहीं, मुंबई में दही हांडी उत्सव के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले गाड़ी चलाने वालों पर कार्रवाई की। ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को 18,818 ई-चालान किए, जिनमें 1.92 करोड़ का जुर्माना लगाया गया। सीसीटीवी फुटेज से पहचाने गए दूसरे गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है, जिनके ई-चालान काटे जा रहे हैं। पुलिस ने उन गाड़ी चलाने वालों को टारगेट किया, जिन्होंने दही हांडी सेलिब्रेशन के दौरान ट्रैफिक नियम तोड़े थे। इन नियमों के उल्लंघन में खतरनाक और ओवरस्पीडिंग ड्राइविंग, बिना हेलमेट के गाड़ी चलाना, ट्रिपल-सीट राइडिंग और नो एंट्री का उल्लंघन शामिल थे।

गोरखपुर में आकाशीय बिजली गिरने से हुए हादसे का सीएम ने लिया संज्ञान

एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में राप्ती नदी के राजघाट पर एक गुम्बदनुमा छज्जा पर आकाशीय बिजली गिरने से हुए हादसे का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संवेदनशीलतापूर्वक संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने हादसे को अत्यंत दुखद बताते हुए आकाशीय बिजली से मृत्यु की दशा में अनुमन्य चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि मृतकों के परिजनों को शीघ्रता से उपलब्ध कराने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए हैं। हादसे की प्रत्यक्षदर्शी राजघाट पर ही दुकान चलाने वाली गुलजारी निषाद ने बताया कि रविवार पूर्वाह्न करीब साढ़े ग्यारह बजे अचानक तेज आवाज के साथ, घाट पर निर्मित गुम्बदों में से एक

गुम्बद पर आकाशीय बिजली गिरी। इस हादसे की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संवेदना जताते हुए अधिकारियों को जरूरी दिशानिर्देश जारी किए। उन्होंने मृतकों के परिजनों को ऐसी आपदा में शासन से अनुमन्य सहायता राशि देने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि आवश्यकतानुसार मुख्यमंत्री राहत कोष से भी धनराशि दी जाएगी।हादसे में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, सुबह के समय हुई इस घटना से यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। रेलवे की ओर से परिचालन सामान्य करने के लिए युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही घटना के कारणों और जिम्मेदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अमृतसर एयरपोर्ट के पास नजर आए संदिग्ध ड्रोन, सात विमान किए गए डायवर्ट

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार रात संदिग्ध ड्रोन दिखाई दिए। अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इसके बाद सात विमानों को डायवर्ट कर दिया गया। इसमें दो इंटरनेशनल फ्लाइट भी शामिल थीं। यह घटना रात करीब 10 बजे की है, जब एयरपोर्ट के रनवे और दूसरे संवेदनशील इलाकों के पास कुछ संदिग्ध ड्रोन उड़ते देखे गए। ये ड्रोन रुडाला गांव की तरफ से एयरपोर्ट के पास आई थीं और कुछ मिनटों तक उस इलाके में हवा में उड़ती रहीं जैसे ही यह गतिविधि देखी गई, एटीसी ने अलर्ट जारी किया और एहतियात के तौर पर लैंडिंग ऑपरेशन रोक दिए। इसके बाद अमृतसर जाने वाली सात उड़ानों का रास्ता बदल दिया गया, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह

की सेवाएं प्रभावित हुईं। डायवर्ट की गई उड़ानों में कुआलालंपुर से आने वाली मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट रू118 शामिल थी, जिसे दिल्ली डायवर्ट किया गया, जबकि मुंबई से इंडिगो की फ्लाइट 6E-5028 और दिल्ली से 6E-2045 को चंडीगढ़ डायवर्ट किया गया। दिल्ली से अमृतसर जाने वाली एयर इंडिया की दो उड़ानों, AI-479 और AI-855, को वापस दिल्ली भेज दिया गया। शारजाह से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E - 1428 और शारजाह से अमृतसर जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX-120 को दिल्ली डायवर्ट किया गया।

इस घटना के बाद तुरंत सुरक्षा इंतजाम किए गए और सीआईएसएफ, पंजाब पुलिस और दूसरी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। बता दें कि अमृतसर एक सीमावर्ती जिला है और एयरपोर्ट का ऑपरेशनल एरिया बहुत संवेदनशील इलाका माना जाता है। एहतियात के तौर पर उड़ानों का रास्ता बदला गया, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और एयरपोर्ट के आस-पास चल रहे विमानों को किसी भी तरह के जोखिम से बचाया जा सके।

'2027 के चुनाव बेहद हिंसक होंगे', गुरप्रीत सेखों के आप में शामिल होने पर बोले सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। गैंगस्टर से नेता बने गुरप्रीत सिंह सेखों के आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद पंजाब की सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने फिरोजपुर के जीरा में एक रैली के दौरान सेखों को पार्टी में शामिल कराया। सेखों का नाम 2016 के चर्चित नाभा जेल से फरारी मामले में भी सामने आया था।, क्क के इस फैसले पर पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने सवाल उठाए।

बलकौर सिंह ने दावा किया कि 2027 का पंजाब विधानसभा चुनाव हिंसक हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि, क्क में सेवकों से ज्यादा गैंगस्टर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'पहले दो-चार हत्याएं करो, फिर दो-चार पॉडकास्ट कर दो, फिर चुनाव लड़ो और सीधे विधानसभा पहुंचो।' उन्होंने कहा कि अब पंजाब की जनता को तय करना है कि वह अपराध करने वालों को विधानसभा भेजना चाहती है या ऐसे ईमानदार और समझदार लोगों को जो सदन में जनता के अधिकारों की आवाज उठाएं। उन्होंने आरोप लगाते हुए

कहा कि आम आदमी पार्टी में सेवक कम बल्कि 15 गैंगस्टर चुनाव लड़ेंगे। आपको बता दें कि सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने आगामी विधानसभा चुनाव में मानसा सीट से कांग्रेस का टिकट मांगा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाकर पार्टी को पांच साल सेवा देने का मौका देने की अपील की। बलकौर सिंह ने कहा कि उनके बेटे का सपना मानसा को विकास के मामले में आगे ले जाना था और वह अब इन सपनों को पूरा करने के लिए चुनाव मैदान में उतरना चाहते हैं।

अकाली दल का आप पर हमला

गुरप्रीत सेखों के पार्टी में शामिल होने पर शिरोमणि अकाली दल ने भी आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। अकाली दल ने तंज कसते हुए कहा कि गैंगस्टरों के खिलाफ 'वार नहीं, बल्कि प्यार'- यही आप सरकार का नया कैंपेन लगता है। अकाली दल ने कहा कि नाभा जेल से फरारी के चर्चित मामले के मास्टरमाइंड और गैंगस्टर गुरप्रीत सेखों को ना सिर्फ पार्टी में शामिल किया गया बल्कि मुख्यमंत्री ने खुद उसका गले लगाकर स्वागत किया। अकाली दल ने कहा, 'अगर गैंगस्टरों के प्रति आप सरकार की यही नीति है, तो आप पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति का अंदाजा लगा सकते हैं।'

'बस बहुत हो गया मैं 4 मई से यही सुनता आ रहा हूं...', कलकत्ता हाई कोर्ट से अभिषेक बनर्जी को राहत

जज बोले- जो उनसे 2 बार चुनाव हारा, वही शिकायतें दर्ज करा रहा

एजेंसी

कलकत्ता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को संकेत दिया कि वह तृणमूल कांग्रेस नेता और डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कोर्ट की मंजूरी के बिना और एफआईआर दर्ज करने पर रोक लगाने का आदेश दे सकता है। यह बात तब कही गई जब कोर्ट को बताया गया कि पहले से मिली अंतरिम सुरक्षा के बावजूद उनके खिलाफ कई आपराधिक शिकायतें दर्ज की जा रही हैं।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी की, 'बस बहुत हो गया, मैं 4 मई से यही सुनता आ रहा हूं... अब मैं शुभेंदु अधिकारी के मामले में समन्वय पीठ की ओर से पारित आदेश पर भरोसा करते हुए आदेश पारित करने जा रहा हूं।' कोर्ट एक ऐसी याचिका पर सुनवाई कर रहा था जो क्लिनिकल प्रैक्टिस और नकली दवाओं से जुड़ी गड़बड़ियों की शिकायत पर दर्ज एफआईआर से संबंधित थी। बनर्जी की तरफ से

वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन पेश हुए। सुनवाई के दौरान, न्यायालय ने शिकायत की प्रकृति पर असंतोष जाहिर किया और सवाल उठाया कि बिना किसी जांच के बनर्जी की संलिप्तता साबित किए बिना आरोपों को उनसे कैसे जोड़ा जा सकता है। कोर्ट ने टिप्पणी की, 'मैंने व्यक्तिगत रूप से तीन शिकायतें देखी हैं। इनमें से किसी का भी याचिकाकर्ता से कोई संबंध नहीं है।' अदालत ने आगे टिप्पणी की कि हालांकि पुलिस अपनी जांच जारी रख सकती है, लेकिन इस स्तर पर बनर्जी से हिरासत में पूछताछ करना उचित नहीं है। कोर्ट ने कहा, 'आप जांच करें और आरोप पत्र दाखिल करें। हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं है।' जब एडिशनल एडवोकेट जनरल ने बताया कि मामला नकली दवाओं से जुड़ा है और शिकायतकर्ता एक मुखबिर है, तो न्यायालय ने आरोपों और बनर्जी के बीच संबंध पर सवाल उठाया। कोर्ट ने पूछा, 'क्या उन्होंने दवा लिखी थी, एक साल पहले इस बारे में खुलासा क्यों नहीं किया गया।'

शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति निष्ठा अपनाएं शिक्षक : जे. नन्द कुमार

शिक्षक समाज में वैचारिक और सांस्कृतिक चेतना के वाहक

एजेंसी

कुलपति झांसी। औपनिवेशिक सोच और अपनी संस्कृति व साहित्य की विस्मृति देश के विकास की राह में बड़ी बाधा है। भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़कर ही समाज में व्यापक बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षक नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, साहित्य और ज्ञान परंपरा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह बात प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय समन्वयक जे. नन्द कुमार ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में आयोजित 'शिक्षक संवाद' कार्यक्रम में कही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जे. नन्द कुमार ने गीता के श्लोकों का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षक को व्यक्तिगत स्वार्थ और आकांक्षाओं से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण के लिए आदर्श आचरण प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने कहा

कि औपनिवेशिक व्यवस्था के दौरान भारतीय ग्रंथों, संस्कृति और सभ्यता के साथ छेड़छाड़ हुई, जिसके कारण नई पीढ़ी अपने गौरवशाली अतीत से पूरी तरह परिचित नहीं हो सकी। अब शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों और साहित्य को विद्यार्थियों से जोड़ें। उन्होंने देश को विकसित बनाने के संदर्भ में 'सिक्स आई' की अवधारणा रखते हुए इंसेंसिबिलिटी, इग्नोरेंस, इररेवेरेंस, इलविल, इनेक्शन और इनकंपिटेंस को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि भारतीय बौद्धिक परंपरा केवल अतीत का विषय नहीं, बल्कि वर्तमान समस्याओं और भविष्य की आवश्यकताओं के समाधान का आधार भी बन सकती है। स्वामी विवेकानंद के 'फ्यूचर ऑफ इंडिया' भाषण का उल्लेख करते हुए उन्होंने शिक्षकों से राष्ट्र गौरव को पुनर्जीवित करने और अतीत की निराशा को पीछे छोड़कर बेहतर भविष्य के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ विवेक, आत्मविश्वास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने की। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र और समाज निर्माण की आधारशिला हैं। बदलते समय में शिक्षकों को नवीन तकनीक और ज्ञान अपनाने के साथ भारतीय जीवन मूल्यों एवं सांस्कृतिक चेतना को भी शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

युवा रोजगार और व्यक्तिगत सफलता के साथ सामाजिक सरोकारों और नागरिक दायित्वों के प्रति भी रहें जागरूक : जे. नन्द कुमार

युवा व्यवसायी संवाद में राष्ट्र निर्माण और नागरिक कर्तव्य पर रहा जोर

एजेंसी

झांसी। शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में युवा सम्मेलन समिति, झांसी महानगर की ओर से 'युवा व्यवसायी संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पंडित दीनदयाल सभागार में शाम चार से छह बजे तक आयोजित कार्यक्रम में युवाओं से राष्ट्र निर्माण, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और परिवार प्रबोधन जैसे विषयों पर संवाद किया गया। बौद्धिक सत्र के बाद युवाओं ने विभिन्न विषयों से जुड़े 15 सवाल पूछे, जिनका मुख्य वक्ता ने विस्तार से जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। अंत में राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मंच पर विभाग संघ चालक शिव कुमार भार्गव और महानगर संघ चालक सतीश शरण

भी मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वन्दे मातरम के साथ हुआ। मुख्य वक्ता संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय संयोजक जे. नंदकुमार रहे। उन्होंने युवाओं से संवाद करते हुए भारतीय संस्कृति में निहित उन विचारों और मूल्यों को विस्तार से समझाया, जो समाज और राष्ट्र के कल्याण का आधार माने जाते हैं। उन्होंने 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे विचारों की व्याख्या करते हुए कहा कि भारतीय चिंतन केवल अपने कल्याण तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण विश्व के सुख और शांति की कामना करता है। उन्होंने कहा कि हमें हिन्दू होने पर गर्व महसूस होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत हिन्दू राष्ट्र था, है और रहेगा। अब अखण्ड भारत बनकर रहेगा। इसके लिए अविराम रूप से कार्य चल रहा है। जे. नंदकुमार ने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में इन मानवीय और सार्वभौमिक विचारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि विश्व के कल्याण के लिए युद्ध का रास्ता नहीं, मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के विचारों और ज्ञान का मार्ग अपनाने की आवश्यकता है। सनातन संस्कृति सदैव से शांति, सह-अस्तित्व और मानव कल्याण की भावना को पोषित करती रही है। उन्होंने युवा की परिभाषा को विस्तार पूर्वक समझाया।

तेलंगाना विधानसभा सत्र के बाद सिंचाई परियोजनाओं को लेकर आंदोलन की अगुवाई करेंगे केसीआर

एजेंसी

हैदराबाद। शुरू हो रहे तेलंगाना विधानसभा सत्र के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर), कालेश्वरम और पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के प्रति कांग्रेस सरकार की 'लापरवाही' के खिलाफ एक बड़े आंदोलन की शुरुआत करेंगे। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए, विधानसभा में बीआरएस के उप-नेता टी. हरीश राव ने आरोप लगाया कि कालेश्वरम परियोजना में पानी उपलब्ध होने के बावजूद, कांग्रेस सरकार जानबूझकर पानी नहीं उठा रही है, जिससे किसानों को परेशानी हो रही है। पालमुरु-रंगारेड्डी परियोजना के बारे में उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने परियोजना का 80 प्रतिशत काम पूरा कर लिया था और बाकी काम पूरा होने पर 60 टीएमसी पानी मिलता, लेकिन कांग्रेस सरकार ने बदले की भावना से इसे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि हमने इस बैठक में फैसला किया है कि इन दो परियोजनाओं के प्रति कांग्रेस सरकार के लापरवाह रवैये के विरोध में केसीआर खुद आने वाले दिनों में लाखों लोगों को शामिल करते हुए एक सीधे जन-आंदोलन का नेतृत्व करेंगे। हरीश राव ने घोषणा की कि बीआरएस विधानसभा में कई मुद्दों पर सरकार का सामना करेगी– जैसे सेक्शन 22ए के तहत खेती की जमीनों को 'निषिद्ध सूची' में डालकर किसानों को परेशान करना, बिजली कटौती, लोन माफी योजना की विफलता, पॉलिटेक्निक जीओ 97 को रद्द करना, सिंगरेनी घोटाले, और पीआरसी, डीए व ईएचएस से जुड़ी नाकामियां। उन्होंने विधानसभा सत्र में शामिल न होने को लेकर सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी द्वारा केसीआर की आलोचना को खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जिस तरह की भद्दी और सड़क-छाप भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उसे सुनने के लिए केसीआर को विधानसभा में जाने की कोई जरूरत नहीं है।उन्होंने बताया कि अतीत में जब एनटीआर, जयललिता और चंद्रबाबू जैसे नेताओं का विधानसभा में अपमान हुआ था, तो उन्होंने सदन का बहिष्कार किया, जनता का जनादेश हासिल किया।

रिंकू की टीम ने भुवी की लखनऊ को 94 रनों से हराया

नई दिल्ली। रिंकू सिंह की अगुआई वाली मेरठ मेवरिक्स ने रविवार (6 सितंबर) को भुवनेश्वर कुमार की अगुआई वाली लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से हराकर यूपी टी20 लीग 2026 का खिताब जीता। मेरठ ने दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले 2024 में माधव कौशिक की कप्तानी में मेरठ ने पहले सत्र का खिताब जीता था। 2025 में भी टीम फाइनल खेली थी।

मेरठ मेवरिक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिव्यांश जोशी की शतक की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट पर 203 रन बनाए। इसके जवाब में लखनऊ फॉल्कंस की टीम 16 ओवर में 109 रन पर आउट हो गई। मेरठ के लिए विशाल चौधरी ने 4 विकेट झटके। इस तरह मेरठ ने लखनऊ की टीम से क्वालिफायर-1 में हार का बदला भी ले लिया।

अभिनंदन सिंह ने 40 रन देकर तीन विकेट लिए- स्वास्तिक चिकारा ने 14 गेंदों पर 18 रन बनाए, जबकि ऋतुराज शर्मा ने 17 गेंदों पर 24 रन बनाए। अक्षय दुबे ने 10 गेंदों पर 15 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। यश गर्ग 21 गेंदों पर 16 रन बनाकर नॉट आउट रहे। लखनऊ फाल्कंस के लिए अभिनंदन सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने चार ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार, विप्रज निगम और अजीत वर्मा ने एक-एक विकेट लिया।

दिव्यांश जोशी ने 40 गेंद पर ठोके 105 रन

मेरठ मेवरिक्स के लिए दिव्यांश जोशी ने सिर्फ 40 गेंदों पर 12 चौकों और 7 छक्कों की मदद से जबरदस्त 105 रनों की पारी खेली। उनकी जबरदस्त पारी 262.5 के शानदार स्ट्राइक रेट से आई, जिसने मेवरिक्स को 200 के स्कोर के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मेरठ ने पूरी पारी में 10.2 रन प्रति ओवर के रनरेट से रन बनाए रखा। इससे लखनऊ फाल्कंस के सामने मुश्किल लक्ष्य रखा।

भारत को 2021 में हराने के बाद शुरू हुई बर्बादी

पाकिस्तानी टीम की बदहाली पर बोले मोहम्मद यूसुफ

नई दिल्ली। मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बदहाली का कारण 2021 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली जीत को बताया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पांच साल पहले भारत के खिलाफ मिली 10 विकेट की जीत का पाकिस्तान टीम पर बुरा असर पड़ा। खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। हर कोई पाकिस्तान का कप्तान बनने के बारे में सोचने लगा। मोहम्मद यूसुफ ने समा टीवी पर कहा, '2021 में भारत के खिलाफ जो मैच हमने जीता, उससे हमें बहुत नुकसान हुआ। क्योंकि उस जीत के बाद खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें आगे क्या करना है। जब आप अच्छा परफॉर्म कर रहे हों, तो आपको विनम्र रहना चाहिए।

टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड?

2024 में दो सुपर ओवर से निकला था नतीजा

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा भारी माना जा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान का रिकॉर्ड भी पिछले कुछ समय में इस फॉर्मेट में कमाल का रहा है। हालांकि, टी20 इंटरनेशनल में भारत का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक कमाल का रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 9 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 8 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। यानी अफगानिस्तान को क्रिकेट के सबसे

छोटे फॉर्मेट में भारत के खिलाफ अब तक जीत नसीब नहीं हो सकी है। साल 2024 में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया टी20 इंटरनेशनल मुकाबला टाई जरूर रहा था। इस मैच का नतीजा दो सुपर ओवर खेले जाने के बाद निकला था, जहां टीम इंडिया आखिर में बाजी मारने में सफल रही थी। टी20 में भारत और अफगानिस्तान की आखिरी भिड़ंत विश्व कप 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 47 रनों से जीत दर्ज की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में इन भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आइए आपको उन भारतीय खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी।

वैभव सूर्यवंशी: इंग्लैंड और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका दिया गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज के प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी। वैभव अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ किस अप्रोच से खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 में वैभव ने 81 रनों की दमदार पारी खेली थी। वह दलीप ट्रॉफी में भी अच्छी फॉर्म में नजर आए हैं।

जसप्रीत बुमराह: अफगानिस्तान के खिलाफ ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर हर किसी की नजरें रहेंगी। बुमराह ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। बुमराह अगर अपनी लय में नजर आए, तो वो अफगानिस्तान के बल्लेबाजों के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं।

संजू सैमसन: इंग्लैंड के खिलाफ फ्लॉप शो के बाद संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में टीम में जगह नहीं दी गई है। ऐसे में संजू के ऊपर इस सीरीज में खुद को फिर से साबित करने का दबाव होगा। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में सैमसन सिर्फ 5 रन ही बना सके थे। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ वह दो मुकाबलों में 28 रन ही बना सके थे।

रवि बिश्नोई: जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में रवि बिश्नोई का प्रदर्शन दमदार रहा था। विकेट चटकाने के साथ-साथ बिश्नोई काफी किफायती भी रहे थे। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर बिश्नोई के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें होंगी। बिश्नोई इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करके भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

नीतीश कुमार रेड्डी: अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में नीतीश कुमार रेड्डी के पास खुद को बतौर ऑलराउंडर साबित करने का बढ़िया मौका होगा। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि नीतीश इंजरी से लौटने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

यूएस ओपन: एम्मा नवारो ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

कलिनस्काया को सीधे सेटों में दी मात

न्यूयॉर्क । अमेरिका की एम्मा नवारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में एना कलिनस्काया को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। नवारो ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और कलिनस्काया को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। पहले सेट को 6-4 से जीतने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में और आक्रामक खेल दिखाया और 6-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। 25वीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब वह फ्लशिंग मीडोज में 2024 वाले अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेंगी, जब वह पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। नवारो ने पहला सेट जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल दिखाया। दूसरे सेट में उन्होंने 5-1 की बड़ी बढ़त बनाई। एना कलिनस्काया ने एक बार सर्विस ब्रेक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वह मैच का रुख नहीं बदल सकीं। इसके बाद नवारो ने आठवें गेम में फिर से कलिनस्काया की सर्विस तोड़ी और सिर्फ 1 घंटा 21 मिनट में 6-4, 6-2 से मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। खास बात यह रही कि कलिनस्काया इससे पहले नवारो के खिलाफ दोनों मुकाबले जीत चुकी थीं, लेकिन इस बार अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हिसाब बराबर कर दिया। यह नवारो के करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। इससे पहले वह विंबलडन 2024, यूएस ओपन 2024 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुकी हैं।

इस जीत के बाद एम्मा नवारो का अगला मुकाबला उनकी हमवतन खिलाड़ी और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला का रिकॉर्ड नवारो के खिलाफ काफी मजबूत रहा है। दोनों के बीच अब तक चार मैच हुए हैं और पेगुला ने सभी में जीत हासिल की है। दोनों की सबसे हालिया भिड़ंत पिछले महीने सिनसिनाटी टूर्नामेंट में हुई थी, जहां पेगुला ने नवारो को 7-5, 6-2 से हराया था। ऐसे में

सितसिपास को हराकर शेल्टन ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

न्यूयॉर्क । अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन शानदार फॉर्म में हैं और उनका यूएस ओपन अभियान सही समय पर रफ्तार पकड़ चुका है। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने चौथे दौर के मुकाबले में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और सितसिपास को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और तीनों सेट आसानी से जीते। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन का सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा। बेन शेल्टन के लिए यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैचों में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। टैलन ग्रीकस्पूर, ह्यूबर्ट हरकाज और डेनिस शापोवालोव के खिलाफ उन्हें जीत के लिए चार-चार सेट खेलने पड़े। हालांकि, चौथे दौर में शेल्टन ने अपना सबसे बेहतरीन खेल दिखाया। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने स्टेफानोस सिटसिपास को कोई मौका नहीं दिया और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। शेल्टन ने सिर्फ 1 घंटा 51 मिनट में जीत हासिल की। बेन शेल्टन ने यूएस ओपन में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह अपने करियर में छठी बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। वहीं, यूएस ओपन में यह दूसरी बार है जब उन्होंने अंतिम आठ में जगह बनाई है। शेल्टन ने 2023 में भी यूएस ओपन में शानदार प्रदर्शन किया था। उस समय वह टूर्नामेंट में सिर्फ दूसरी बार खेल रहे थे, लेकिन सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रहे थे।

हाल के महीनों में भी शेल्टन का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। विंबलडन के बाद शुरू हुए नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट सीजन में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 12-2 का रहा है, जो उनकी शानदार फॉर्म को दिखाता है। इसी दौरान उन्होंने मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब भी जीता। इसके अलावा, शेल्टन लगातार मजबूत खिलाड़ियों को हराते हुए आगे बढ़ रहे हैं। स्टेफानोस सितसिपास को हराने से पहले भी उन्होंने ऐसे खिलाड़ियों को मात दी, जो कभी एटीपी रैंकिंग के टॉप-10 में रह चुके हैं। स्टेफानोस सिटसिपास भी इस मुकाबले में अच्छे आत्मविश्वास के साथ उतरे थे। उन्होंने यूएस ओपन में मजबूत खिलाड़ियों को हराकर चौथे दौर तक का सफर तय किया था।

दलीप ट्रॉफी

ईशान किशन ने रचा इतिहास

250 रनों की यादगार पारी खेलकर लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

चेन्नई । दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। खिताबी मुकाबले के दूसरे दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 250 रनों की यादगार पारी खेलकर इतिहास रच दिया है। ईशान ने अपना दोहरा शतक 270 गेंदों में पूरा किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने रिटायर्ड हर्ट होकर ड्रेसिंग रूम लौटने से पहले 301 गेंदों

का सामना करते हुए 250 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान ईस्ट जोन के कप्तान ने 27 चौके लगाए, जबकि 7 छक्के उनके बल्ले से निकले। ईशान अरुण लाल और सबा करीम के बाद ईस्ट जोन की तरफ से दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। हालांकि, ईशान दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में शतक लगाने वाले ईस्ट जोन के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान से पहले खिताबी मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड ऋद्धिमान साहा के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2012 के फाइनल में 170 रन बनाए थे। ईशान ओवरऑल दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में 200 या उससे ज्यादा रनों की पारी खेलने वाले सातवें बल्लेबाज बन हैं।

इसके साथ ही बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज वह दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बने हैं।

मोहम्मद शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद मत करो

पूर्व भारतीय बॉलिंग कोच ने सेलेक्टर्स और हेड कोच से लगाई गुहार

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व बॉलिंग कोच भरत अरुण ने चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर से मोहम्मद शमी के लिए भारतीय टीम के दरवाजे खुले रखने की अपील की है। अरुण का कहना है कि घरेलू

क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद सेलेक्टर्स ने इस अनुभवी तेज गेंदबाज को बहुत जल्दी नजरअंदाज कर दिया। शमी ने में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल के बाद से टीम इंडिया के लिए कोई मैच नहीं खेला है। जहां प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और गुरनूर बरार जैसे युवा तेज गेंदबाज सभी प्रारूप में जगह बनाने के लिए होड़ में हैं वहीं शमी घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में लगातार प्रभावित कर रहे हैं और अभी अपना 100वां फर्स्ट-क्लास मैच खेल रहे हैं।

शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद नहीं करनी चाहिए

भरत अरुण ने नेशनल टीम में मोहम्मद शमी की वापसी का समर्थन किया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करते हुए अरुण ने कहा कि जब तक शमी अच्छा प्रदर्शन करते रहते हैं तब तक उम्र उनके सिलेक्शन में रुकावट नहीं बननी चाहिए। अरुण ने कहा कि उन्हें शमी के लिए दरवाजे बंद नहीं करने चाहिए थे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीता चीन मास्टर्स खिताब

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने रविवार (6 सितंबर) को शानदार वापसी करते हुए तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया। वर्ष 2023 और 2025 के चरणों में उपविजेता रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी यहां अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। इस भारतीय जोड़ी ने एक घंटे 10 मिनट तक चले मुकाबले में हे और रेन की दुनिया की पूर्व चौथे नंबर की जोड़ी को 11-21, 21-13, 21-17 से शिकस्त दी। सात्विक ने क्या कहा करियर की 10वीं बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर जीत दर्ज करने के बाद सात्विक ने कहा, 'यहां खेलना हमेशा अच्छा रहा है।

आज हमारी रणनीति काम कर गई

सात्विक ने कहा, 'इस बार भी हम चोट से वापसी के बाद यहां आए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट हमारे लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहा है। मुझे लगता है कि इस पूरे सप्ताह की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही। पहले दौर को छोड़ दें तो हमने लगभग हर मुकाबला तीन गेम में खेला है। हम यहां आने से पहले ही अपनी रणनीति तैयार करके आए थे। हम उसे लागू करना चाहते थे। अगर वह काम करता तो बहुत अच्छा और अगर नहीं करता तो हम वापस जाकर फिर से उस पर काम करते। मुझे लगता है कि आज हमारी रणनीति काम कर गई। हमने आखिरकार उस सिलसिले को तोड़ दिया और 2026 में अपना दूसरा खिताब जीता। इस जीत से बहुत खुश हूं।'

मैंने हमेशा खुद को आगे बढ़ाने में विश्वास किया है

अभिनेत्री अविका गौर ने 'खतरों के खिलाड़ी 15' से अपने एलिमिनेशन के बाद पहली बार अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की है। शो से इतनी जल्दी बाहर होना उनके लिए आसान नहीं रहा। अविका ने कहा कि एलिमिनेशन के बाद जब वह घर बैठकर शो देखती हैं, तो उनके मन में बार-बार यही ख्याल आता है कि अगर वह उस वक्त वहां होतीं, तो शायद और बेहतर कर सकती थीं। हालांकि, बाद में उन्हें यह भी एहसास होता है कि टीवी पर बैठकर किसी स्टंट को देखना और खुद उस डर, दबाव और एड्रेनालिन के बीच उसे करना बिल्कुल अलग बात है।

अविका गौर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया और बताया कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनकी जिंदगी और खुद को देखने के नजरिए पर काफी असर डाला है। उन्होंने लिखा, ''मैंने 'खतरों के खिलाड़ी' देखने के बाद अपने बारे में एक बात महसूस की है। मैं खुद को यह सोचते हुए पाती हूं कि अगर मैं वहां होती, तो मैंने हार नहीं मानी होती। मैं और ज्यादा कोशिश करती। मैं बेहतर करती।''

अविका ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा, ''शो को आराम से सोफे पर बैठकर देखने के दौरान मुझे ऐसा लगने लगता है, जैसे मैं 'खतरों के खिलाड़ी' की एक्सपर्ट बन गई हूं। लेकिन फिर याद आता है कि मैं अपनी जिंदगी के आरामदायक माहौल में बैठकर शो देख रही हूं। मुझे न तो उस समय का दबाव महसूस हो रहा है और न ही उस स्टंट को करने का डर। बाहर बैठकर किसी स्थिति का हीरो बनना बहुत आसान है। जब कोई चीज हमारे लिए बहुत मायने रखती है, तो हम उसे बार-बार अपने दिमाग में दोहराते हैं, अलग-अलग फैसलों की कल्पना करते हैं और कहानी का एक ऐसा वर्जन बना लेते हैं, जो कभी हुआ ही नहीं।'

अविका ने कहा, ''शायद इसी वजह से इतनी जल्दी एलिमिनेट होना मेरे लिए पूरी तरह छोड़ पाना मुश्किल रहा है। मेरे अंदर कहीं न कहीं अभी भी वह लड़की है, जो सोचती है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ था। शायद सच में था भी। लेकिन मुझे यह भी समझना होगा कि इस सोच में लगातार जीते रहना सही नहीं है। यह मानना अलग बात है कि आपके पास और बेहतर करने की क्षमता थी और हर वक्त उस दुनिया में रहना अलग।''

उन्होंने कहा, ''जब मैंने पहली बार शो किया था, तब मैं सिर्फ 21 साल की थीं। उस समय शो ने मुझे खुद को और अपने भविष्य को एक अलग नजरिए से देखने में मदद की थी। मैं डर का सामना करने और स्टंट करने के इरादे से शो में गई थीं, लेकिन वहां से निकलने के बाद मुझे खुद के बारे में बहुत कुछ नया समझ आया।''

मैंने हमेशा मेहनत कर, खुद को आगे बढ़ाया

मैंने हमेशा मेहनत करने, तैयारी करने, खुद को आगे बढ़ाने और अपनी पसंद की जिंदगी बनाने में विश्वास किया है। इसलिए ऐसी चीज को स्वीकार करना, जो पूरी तरह मेरे नियंत्रण से बाहर हो, मेरे लिए मुश्किल और सच कहूं तो दिल तोड़ने वाला रहा है।' उन्होंने आगे कहा, ''कई बार इंसान किसी चीज के लिए अपना सब कुछ दे देता है, फिर भी नतीजा वैसा नहीं मिलता जैसा उसने सोचा था। शायद क्लोजर का मतलब यह तय करना नहीं है कि आप शो में बने रहने के लायक थे या आप बेहतर कर सकते थे। असली क्लोजर यह स्वीकार करना है कि कहानी उस तरह खत्म नहीं हुई, जिस तरह हमने अपने दिमाग में लिखी थी।''

अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने थिएटर नाटक 'नकाब' में नवाजुद्दीन के साथ स्टेज शेयर किया

अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने थिएटर नाटक 'नकाब' में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्टेज शेयर किया है। अभिनेत्री ने बातचीत में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए बताया कि वे अपने काम में हर बार कुछ नयापन जरूर लेकर आते हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'नवाजुद्दीन उम्दा किस्म के कलाकार हैं, उनके काम में आपको एक नयापन देखने को मिलेगा। वह जो भी करते हैं, उसमें कुछ नया और अलग लेकर आते हैं।' अभिनेत्री ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपना शिकागो का अनुभव शेयर करते हुए बताया, 'शिकागो में हम शो कर रहे थे और उसी समय थिएटर में कुछ तकनीकी समस्या हो गई थी, जिसके बाद नवाज का माइक काम नहीं कर रहा था और उससे आवाज नहीं आ रही थी, जिसके दर्शक चिल्लाने लगे कि उन्हें आवाज सुनाई नहीं दे रही है। जब आप लाइव परफॉर्म कर रहे हों और दर्शक चिल्ला रहे हों कि आवाज नहीं आ रही, तो बहुत ज्यादा ध्यान भटकता है। नवाज को अपनी आवाज तेज करनी पड़ी और जोर से बोलना पड़ा। एक एक्टर एक हद तक ही तेज आवाज में बोल सकता है, इसलिए हमने भी उनका साथ दिया और अपनी आवाज को उसी हिसाब से एडजस्ट किया।'

उन्होंने आगे कहा, 'आखिर में उन्हें अपना माइक ठीक करवाने के लिए बैकस्टेज जाना पड़ा। चूंकि यह उनका पहला थिएटर एक्सपीरियंस था और मैं कई सालों से थिएटर कर रही थी, इसलिए मुझे लगा कि उस वक्त मुझे जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मैंने थोड़ा इम्प्रोवाइज किया और हमने उस टेक्निकल खराबी और छोटे से ब्रेक को संभाल लिया, फिर शो आगे बढ़ाया। अभिनेत्री ने आगे कहा कि स्क्रीन और थिएटर में बड़ा फर्क है कि थिएटर में आपको सब कुछ उसी वक्त संभालना पड़ता है और स्क्रीन पर रीटेक हो जाता है। उन्होंने कहा, 'आपको टेक्निकल प्रॉब्लम, ऑडियंस और परफॉर्मेंस को बिना यह दिखाए मैनेज करना होता है कि कुछ गड़बड़ हुई है। मुझे लगता है कि उनसे मेरी सबसे बड़ी सीख यही थी।'

'हीरो की हॉररइन' में नितांशी के साथ नजर आएंगे यशवर्धन

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा जल्द ही फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। यशवर्धन की पहली फिल्म का नाम 'हीरो की हॉररइन' है। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म होगी, जिसे एकता कपूर और अमर बुटाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन साजिद खान करेंगे। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि यशवर्धन के साथ उनकी मां और गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा भी नजर आएंगी। फिल्म में यशवर्धन की जोड़ी 'लापता लेडीज' फेम एक्ट्रेस नितांशी गोयल के साथ बनाई गई है। नितांशी को आमिर खान की फिल्म 'लापता लेडीज' से खास पहचान मिली थी। 'हीरो की हॉररइन' में उनके और यशवर्धन के बीच रोमांस के साथ-साथ कॉमेडी और हॉरर का तड़का देखने को मिलेगा। मेकर्स ने फिल्म को ऐसे अंदाज में तैयार किया है, जिसमें डर के साथ हंसी और रोमांस भी कहानी का हिस्सा होंगे। यशवर्धन और नितांशी की जोड़ी भी फिल्म की खासियतों में से एक है। दोनों पहली बार बड़े परदे पर साथ दिखाई देंगे। फिल्म में सिर्फ यशवर्धन और नितांशी ही नहीं, बल्कि कई जाने-पहचाने कलाकार भी नजर आएंगे। जिनमें जेमी लीवर, चंकी पांडे, बृजेंद्र काला और सिमरत कौर रंधावा जैसे कलाकार शामिल हैं।

..अब महिला कलाकारों की बात सिर्फ सहानुभूति के लिए नहीं सुनी जाती

मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' 18 सितंबर को रिलीज होनी है। इसी फिल्म को लेकर हुई बातचीत के दौरान मेघना ने दीपिका पादुकोण के आठ घंटे की शिफ्ट वाले मामले पर भी अपनी राय दी। हाल ही में दीपिका की फिल्म 'स्पिरिट' से जुड़े एक विवाद में यह भी दावा किया गया कि अभिनेत्री ने मेकर्स से 10 फीसदी प्रॉफिट शेयर मांगा है। अब इस पूरे मामले पर इंटरव्यू में मेघना ने अपनी प्रतिक्रिया दी। खास बातचीत में मेघना ने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद वह अपनी जिंदगी के ऐसे दौर में हैं, जब उन्हें लगा कि उन्हें ऐसा करना चाहिए। जब हमने उनके साथ काम किया था, तब हमारे बीच ऐसा कुछ नहीं था। तो शायद यह उनकी जिंदगी का एक अलग समय है।' मेघना ने आगे कहा, 'वह मां हैं, उनका एक बच्चा है और अब वह अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। आप किसी से सिर्फ इसलिए कुछ नहीं छीन सकते कि वह अपनी किसी जरूरत के बारे में बात कर रही है। उसकी जिंदगी की परिस्थितियां बदलती रहती हैं और आपको इसे समझना होगा।' मेघना के मुताबिक, अगर किसी कलाकार की शर्तें किसी प्रोजेक्ट के लिए संभव नहीं हैं, तो दोनों पक्ष अपने-अपने फैसले ले सकते हैं। महिला कलाकारों को लेकर इंडस्ट्री में आए बदलाव पर मेघना कहती हैं, 'पिछले कुछ साल में मैंने महिला कलाकारों में यह बदलाव देखा है कि अब उनकी बात सिर्फ सहानुभूति के लिए नहीं सुनी जाती। पहले 'बेचारी' कहकर उनकी बात सुन ली जाती थी। अब ऐसा कम होता है। यह बहुत बड़ा बदलाव है। अब उनकी बात बराबरी के नजरिए से सुनी जाती है।'

तृषा की अगली फिल्म में साथ होंगी राधिका सरतकुमार

तृषा कृष्णन, राधिका सरतकुमार और अपर्णा बालमुरली लंदन में एक नई साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म की शूटिंग में जुट गई हैं। जानिए फिल्म की कहानी और रिलीज डेट को लेकर पूरी जानकारी। फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसकी कहानी पूरी तरह महिलाओं के इर्द-गिर्द होगी। इसमें तृषा, राधिका और अपर्णा अलग-अलग पीढ़ियों की तीन शानदार एक्ट्रेसेस के तौर पर नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग लंदन में हो रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म में सिर्फ डर और हॉरर दिखाने के बजाय साइकोलॉजिकल टेंशन, रहस्य और माहौल पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के जरिए डायरेक्टर राजा कृष्ण मेनन तमिल सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। राजा कृष्ण मेनन इससे पहले 'एयरलिफ्ट', 'शेफ' और 'पिप्पा' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। इस फिल्म के साथ वह एक बिल्कुल नए जॉनर में कदम रख रहे हैं। यह उनकी पहली तमिल फिल्म होने के साथ-साथ पहली साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म भी है।

27 नवंबर को रिलीज होगी इमरान की 'गनमास्टर जी9'

फिल्म 'आवारापन 2' के बाद इमरान हाशमी की अगली फिल्म का ऐलान हो गया है। वह अब 'गनमास्टर जी9' में नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज डेट भी लॉक कर दी गई है। यह फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में 27 नवंबर 2026 को रिलीज होगी। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट के लिए इमरान, निर्देशक आदित्य दत्त और संगीतकार हिमेश रेशमिया करीब दो दशक बाद फिर साथ आए हैं। इमरान के लिए 'गनमास्टर जी9' इसलिए भी खास है क्योंकि यह 'आवारापन 2' के बाद उनकी अगली बड़ी रिलीज होगी। 'आवारापन' फ्रेंचाइज से गंभीर किरदार में दिखने के बाद अब एक्शन जॉनर में दिखाई देंगे। फिल्म में इमरान के साथ जेनेलिया और अपारशक्ति भी नजर आएंगे 'गनमास्टर जी9' में इमरान के साथ जेनेलिया देशमुख और अपारशक्ति खुराना भी हैं। इसका निर्माण दीपक मुकुट, संगीता अहीर और हुनर मुकुट ने किया है। इसे सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड प्रस्तुत कर रहा है। सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और हिमेश रेशमिया इससे पहले 'सनम तेरी कसम' और 'जीनियस' जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए साथ काम कर चुके हैं। 'गनमास्टर जी9' के साथ यह सहयोग एक बार फिर बड़े परदे पर देखने को मिलेगा।

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर राजकुमार हिरानी ने दी बड़ी अपडेट

'3 इडियट्स' बॉलीवुड की सबसे ज्यादा मशहूर फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के रिलीज होने के लगभग दो दशक बाद निर्देशक राजकुमार हिरानी ने इसके संभावित सीक्वल के बारे में एक बड़ी जानकारी दी है। हिरानी ने कंफर्म किया कि वह और उनकी राइटिंग टीम एक ऐसी कहानी पर काम कर रहे हैं, जो किरदारों को वापस ला सकती है। '3 इडियट्स' में आमिर खान, आर माधवन और शरमन जोशी ने काम किया था।

3 इडियट्स को लेकर बोले हिरानी?

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम चल रहा है लेकिन फिल्ममेकर इसकी डिटेल्स बताने की जल्दी में नहीं हैं। राजकुमार हिरानी ने एएनआई से कहा 'हम इस पर काम कर रहे हैं। जब प्रोजेक्ट सही स्टेज पर होगा, तब टीम इस पर चर्चा करेगी।' उन्होंने यह भी कन्फर्म किया कि कास्ट वही रहेगी, जिससे यह संकेत मिलता है कि आमिर खान, आर. माधवन और शरमन जोशी इसमें वापसी करेंगे। हिरानी ने साफ किया कि प्रोजेक्ट अभी भी राइटिंग स्टेज में है और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह कभी बनेगा भी या नहीं। उन्होंने कहा 'हम तभी आगे बढ़ेंगे जब राइटिंग सही से हो जाएगी। हम इसे तभी बनाएंगे जब सब कुछ ठीक से हो जाएगा, वरना नहीं बनाएंगे। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया है। अगर हम उसके लेवल तक नहीं पहुंच पाए, तो कोई फायदा नहीं है।'

कहानी पर नहीं आई कोई जानकारी

हिरानी ने कन्फर्म किया कि 'कास्टिंग वही रहेगी', जिससे ओरिजिनल एक्टर्स की वापसी को लेकर अटकलें तेज हो सकती हैं। हालांकि फिल्ममेकर ने अभी तक पूरी कास्ट की घोषणा नहीं की है और न ही किरदारों की कहानी के बारे में कोई जानकारी दी है।

फेसपैक रात के लिए

दलिया से बने फेसपैक को रात में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है, जो काफी लाभप्रद होता है। इसे बनाने के लिए दो चम्मच दलिया लें। इसमें ऑयल की कुछ बूंद डालकर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट में एक चम्मच शहद और 2-3 चम्मच नींबू का रस मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगा लें। जब मिश्रण सूखने लगे तो स्क्रब कर लें बाद में निकाल दें। गर्म पानी से चेहरा धोएं।

जब सिर में हो खारिश

केले में शहद मिला कर मसल लें। उसमें प्याज का रस मिक्स करें। फिर इसे बालों की जड़ों में लगा कर 20 मिनट तक छोड़ दें और बाद में शैंपू कर लें। इस मास्क से रूसी खत्म होगी। जै तून का तेल लें और उसे गरम करें। उसमें शहद की कुछ बूंदें डालें और उससे सिर की कुछ देर मसाज करें। बीस मिनट के बाद सिर को शैंपू से धो लें। खारिश दूर हो जाएगी।

हाथों को सुंदर बनाने के टिप्स

खूबसूरत हाथ सभी को आकर्षित करते हैं। अपने हाथों को सुंदर बनाने के लिए आप मैनिक्योंर करवा कर हाथों को हमेशा नर्म और मुलायम बना सकती हैं। हाथों को खूबसूरत बनाएं रखने के लिए जानें ये मेनिक्योंर टिप्स-

हाथ रुखे होने पर आप इनमें तेज खुशबू वाला लोशन लगाएं।

अक्सर नेलपॉलिश हटाने के बाद नेल्स रुखे हो जाते हैं ऐसे में आप नेल रिमूवर में कुछ बूंदें जोजोबा ऑयल की डालें और इसे नेपॉलिया हटाने केबाद नाखूनों पर लगाएं।

नेलपॉलिश को ज्यादा दिनों तक फ्रेश बनाए रखने के लिए शीशी के मुंह पर क्यूटिकल ऑयल लगाएं और शीशी बंद कर दें।

गीले हाथों पर नेल फाइलिंग न करें, क्योंकि गीले होने पर नाखून कमजोर हो जाते हैं। नाखूनों को एक ही दिशा में फाइल करें नहीं तो वे टूट भी सकते हैं।

घर सजाओ कुछ हटकर

होम डेकोर में कुशन, कर्टन, बेड कवर आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि इनसे आप कम समय में घर का मेकओवर कर सकती हैं, इसलिए अलग-अलग उत्सव के लिए खास कलेक्शन रखें।

दीवारों पर सॉफ्ट कलर का पेंट है, तो एक्सेसरीज ब्राइट कलर की और दीवारों का कलर हाईलाइट करना हो, तो एक्सेसरीज सॉफ्ट रखें। घर का लुक अच्छा आता है।

पहले ही डिसाइड कर लें कि आपको कमरे का लुक एथनिक चाहिए या फिर मॉडर्न। इस बात को ध्यान में रखकर ही कमरे को सजाने की शुरूआत करनी चाहिए। कुशन और बेड कवर्स के साथ भी एक्सपेरिमेंट किया जा सकता है। अजकल मार्केट में कई तरह के कुशन कवर्स और बैड कवर्स उपलब्ध है जो आपके कमरे की सजावट को कॉम्प्लीमेंट करेगा। दीवारों पर भी रंग कुछ हटकर चुन सकते हैं। इससे कमरे की काया ही बदल जाएगी।

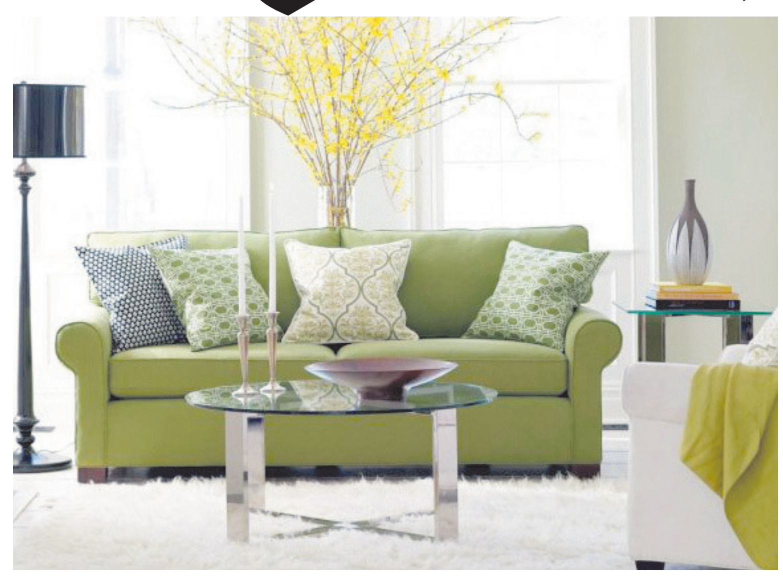

बटुआ बना नया

फैशन ट्रेंड

यह सच है कि फैशन हर पल बदलता रहता है। इन दिनों बटुओं को सबसे ज्यादा फैशन है। जहां पहले लड़कियां बड़े बैग्स कैरी करना पसंद करती थीं वहीं इन दिनों बड़े बैग की जगह उनके हाथों में छोटा बटुआ देखने को मिलता है। कमाल की बात यह है कि ये बटुए हर शेप, साइज और रंग में मिलते हैं। इन बटुओं की खासीयत यह है कि इन्हें आप हाथ में रख सकती है और साथ ही जब चाहें कंधे पर टांग भी सकती हैं।

यह हर ड्रेस के हिसाब से मैंचिग की जा सकती है।

अब आपको इंडियन आउटफिट पसंद हो या वेस्टर्न बटुआ हर ड्रेस के साथ मैच हो जाता है। बटुए अब हर तरह के मैटीरियल में उबलब्ध हैं। लैदर, रैक्सीन, जूट, कपड़े में यह मार्केट में पाए जाते हैं। एम्ब्रॉएडरी, सीक्वेंस वर्क, स्टोन वकआदि हर रूप में पाया जाता है। बटुआ हर एज ग्रुप को इम्प्रेस करता है। चहे फिर वह कॉलेज गोइंग गर्ल्स हो या फिर हाउसवाइफ या फिर वर्किंग वुमन। यह सबका फेवरेट है।

डाइनिंग टेबल डेकोर

घर की शोभा बढ़ाने में डाइनिंग टेबल का भी बड़ा हाथ होता है। डायनिंग टेबल से लिविंग रूम की शोभा चार गुना बढ़ती है और अगर यह ठीक से अरेंज हो तो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। डायनिंग टेबल सैट करते वक्त कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

1. डानइनिंग टेबल साफ रखें। अपनी डायनिंग टेबल को हमेशा साफ रखें। अगर आपके घर पर पार्टी है या फिर गेस्ट आने वाले हैं तो अपनी डायनिंग टेबल को पोंछ कर ही उस पर नैपकिंस और पल्ेट्स सजाएं।

* डाइनिंग टेबल पर टेबल मैट ऐसा होना चाहिए चाहिए जो दिखने में खूबसूरत होने के साथ-साथ साफ करने में भी आसान हो।
* टेबल पर बीचों-बीच एक सेंटर पीस रख देने से टेबल पर रखें अन्य समान अपनी जगह पर ठीक से अरेंज हो जाएंगे। सेंटर पीस के रूप में आप फूलों का वास या शो पीस आदि रख सकती हैं। अगर आपको सेंटरपीस नहीं रखने का मन है तो आप वहां पर नैपकिन का सेट भी रख सकती हैं।
* कटलरी परोसे गए खाने के आइटम के हिसाब से होनी चाहिए। इसे बाहर से अंदर के हिसाब से रखना चाहिए।
* डाइनिंग टेबल पर ज्यादा भीड़ न लगाएं. डिनर के लिए अपने डायनिंग टेबल को यूजर फ्रेंडली बनाइए। वहां पर केवल वही चीजें रखें जिनकी जरूरत हों।